THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 42 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.11 2083 बुधवार, 13 मई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, कलकत्ता हाईकोर्ट में 9 नए जजों की नियुक्ति की सिफारिश

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट में नौ नए जजों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। यह फैसला न्यायपालिका में लंबित मामलों के निपटारे और न्यायिक व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है। कॉलेजियम ने 11 और 12 मई को हुई बैठकों में यह प्रस्ताव पारित किया, जिसकी अध्यक्षता मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) ने की। भारतीय न्यायिक व्यवस्था में हाई कोर्ट जजों की नियुक्ति एक निर्धारित और चरणबद्ध प्रक्रिया के तहत की जाती है, जिसे मेमोरेंडम ऑफ प्रोसीजर (एमओपी) कहा जाता है।

नीट-2026 पेपर लीक

नासिक से पूरे देश में आउट हुआ पेपर

> देशभर में फैला जाल, सीबीआई जांच में जुटी

नई दिल्ली/जयपुर, 12 मई (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट' को लेकर एक सनसनीखेज खुलासा हुआ है। खबर है कि परीक्षा का प्रश्नपत्र किसी एक केंद्र से नहीं, बल्कि सीधे नासिक स्थित प्रिंटिंग प्रेस से लीक हुआ था। इस खुलासे ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की सुरक्षा व्यवस्था की धज्जियां उड़ा दी हैं और पूरे देश में हड़कंप मचा दिया है। जांच में सामने आए 'चेन सिस्टम' ने अधिकारियों के होश उड़ा दिए हैं।

सूत्रों के अनुसार, पेपर लीक की कड़ियां कुछ इस प्रकार जुड़ी हैं

लीक का केंद्र : पेपर सबसे पहले नासिक की प्रिंटिंग प्रेस से बाहर आया।

मास्टरमाइंड का ठिकाना : वहां से यह सीधे गुड़गांव के एक डॉक्टर के पास पहुंचा, जिसे इस पूरे गिरोह का अहम हिस्सा माना जा रहा है।

राजस्थान कनेक्शन : गुड़गांव से पेपर जयपुर पहुंचा और फिर वहां से सीकर भेजा गया।

राष्ट्रव्यापी नेटवर्क : सीकर को इस वितरण का मुख्य केंद्र बनाया गया, जहां से प्रश्नपत्र जम्मू-कश्मीर, केरल, बिहार और राजस्थान के विभिन्न जिलों में सक्रिय एजेंटों को भेजा गया। हैरान करने वाली बात यह है कि परीक्षा से करीब 15 दिन पहले ही पेपर बाजार में आ चुका था। एक पीजी हॉस्टल संचालक द्वारा किए गए इस बड़े खुलासे के बाद अब व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। यह माना जा रहा है कि इस गिरोह ने लाखों-करोड़ों रुपये लेकर सैकड़ों अभ्यर्थियों तक यह पेपर पहुंचाया। देशभर के लाखों छात्रों के भविष्य के साथ हुए इस खिलवाड़ को एनटीए के कामकाज पर एक 'काला धब्बा' माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि प्रिंटिंग प्रेस जैसी उच्च सुरक्षा वाली जगह से पेपर का बाहर आना बिना किसी बड़े अधिकारी या अंदरूनी मिलीभगत के संभव नहीं है।

'छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ नहीं करने देंगे दोषियों की होगी गिरफ्तारी'

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। भारत सरकार की मंजूरी से राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने नीट (यूजी) 2026 परीक्षा को रद्द कर दिया है। यह परीक्षा 3 मई को आयोजित की गई थी। पेपर लीक के आरोपों के चलते परीक्षा रद्द किए जाने के बाद एनटीए के महानिदेशक अभिषेक सिंह ने कहा कि 'हमने मामला सीबीआई को सौंप दिया है। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा ताकि छात्रों के भविष्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। हम छात्रों के लिए दोबारा परीक्षा आयोजित करेंगे और यह निष्पक्ष तरीके से होगी। हमने यह भी तय किया है कि दोबारा परीक्षा के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा, और पहली परीक्षा में लिया गया शुल्क भी वापस कर दिया जाएगा।

हिमंत बिस्वा सरमा ने ली असम के सीएम पद की शपथ

गुवाहाटी, 12 मई (एजेंसियां)। हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार (12 मई) को असम के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। असम में लगातार दो बार सीएम बनने वाले वह पहले गैर-कांग्रेसी नेता बन गए हैं। भारत में सिंगापुर के उच्चायोग ने सोमवार को असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा को बधाई दी।

असम में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा की अगुवाई वाले एनडीए गठबंधन को जबरदस्त जीत मिली है। भारत में सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वोंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में सरमा को शुभकामनाएं दीं और असम के विकास में सहयोग देने के लिए सिंगापुर की प्रतिबद्धता दोहराई। सिंगापुर को असम का भरोसेमंद दोस्त बताते हुए वोंग ने कहा कि यह द्वीपीय देश कई क्षेत्रों में पूर्वोत्तर राज्य के साथ सहयोग को और मजबूत करने के लिए तैयार है। उच्चायुक्त ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हमारे प्यारे दोस्त हिमंत बिस्वा सरमा को बहुत-बहुत बधाई। मुख्यमंत्री के तौर पर आपका नया कार्यकाल निश्चित रूप से असम को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। आपके भरोसेमंद दोस्त के रूप में हम हमेशा की तरह असम के साथ खड़े रहेंगे। बीजेपी की अगुवाई वाले एनडीए ने असम विधानसभा चुनावों में अहम जीत हासिल की। इससे सरमा के एक और कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का रास्ता साफ हो गया। सरमा ने सोमवार (12 मई) को गुवाहाटी में कई वरिष्ठ भाजपा और एनडीए नेताओं की मौजूदगी में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। पिछले कुछ वर्षों में असम और सिंगापुर ने इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट, टेक्नोलॉजी, इंफ्रास्ट्रक्चर और स्किल डेवलपमेंट जैसे क्षेत्रों में सहयोग को काफी बढ़ाया है।

एआईएडीएमके में फूट, बागी गुट का टीवीके को समर्थन

षणमुगम बोले-जनादेश विजय के साथ हम डीएमके से जुड़ते तो खत्म हो जाते

चेन्नई, 12 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु में एआईएडीएमके पार्टी में दो हिस्सों में बंट गई है। पार्टी के नेता सीवी षणमुगम ने सीएम विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) को समर्थन देने का आधिकारिक ऐलान कर दिया।

कहा जा रहा है कि उनके साथ 30 विधायकों ने भी विजय को समर्थन देना स्वीकार किया है। मंगलवार सुबह षणमुगम ने बयान दिया, हम जनता का जनादेश स्वीकार करते हैं। यह जनादेश टीवीके चीफ विजय के लिए है। इसलिए हम टीवीके सरकार को अपना समर्थन देते हैं। अगर हम डीएमके के साथ गठबंधन करते तो एआईएडीएमके का अस्तित्व ही समाप्त हो जाता। षणमुगम ने यह भी कहा- मेरी एआईएडीएमके तोड़ने की कोई मंशा नहीं है। एडप्पादी पलानीसामी ही हमारे नेता हैं। पलानीसामी गुट में 17 विधायक हैं। विधानसभा चुनाव 2026 में एआईएडीएमके केवल 47 सीटें ही जीत पाई है।

हाई कोर्ट पहुंचे केंद्रीय मंत्री बंदी संजय के बेटे

> पोक्सो मामले में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की

हैदराबाद, 12 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार के बेटे भागीरथ ने मंगलवार को तेलंगाना हाई कोर्ट का रुख कर एक पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों की सुरक्षा) मामले में अग्रिम जमानत मांगी है। यह मामला यहां एक नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद दर्ज किया गया है।

भागीरथ ने पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों के तहत उनके खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले को रद्द करने की भी मांग की है। सूत्रों के अनुसार, याचिकाओं पर अगली सुनवाई की तारीख जल्द ही तय की जाएगी। यह मामला आठ मई को एक 17 वर्षीय लड़की की मां द्वारा की गई शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि भागीरथ का उसकी बेटी के साथ संबंध था और उसने उसका यौन उत्पीड़न किया। पुलिस के अनुसार, कथित रिश्ता लगभग सात-आठ महीने पहले शुरू हुआ था। वहीं, बंदी संजय कुमार के बेटे ने आरोपों से इनकार किया है। उन्होंने किशोरी व उसके माता-पिता पर जबरन वसूली और आपराधिक धमकी का आरोप लगाया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सोमवार को डीजीपी सीवी आनंद को विशेष टीमें गठित करने और पॉक्सो मामले की जांच तेज करने का निर्देश दिया था। जांच की निगरानी का जिम्मा उपायुक्त (कुकटपल्ली जोन) रितराज को सौंपा गया है। उन्होंने सोमवार को पेट बशीराबाद पुलिस स्टेशन (जहां मामला दर्ज किया गया था) का दौरा किया और एसीपी और एसएचओ के साथ जांच की प्रगति पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि कार्रवाई की एक योजना तैयार कर ली गई है और उसे लागू किया जाएगा। पीड़ित का बयान दर्ज कर लिया गया है।

एलओसी पर सेना अलर्ट, पुंछ सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश नाकाम; एक घुसपैठिया ढेर

पुंछ, 12 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिला स्थित मेंढर के कृष्णा घाटी सेक्टर में भारत-पाक नियंत्रण रेखा पर सोमवार को गोलीबारी हुई। सेना ने यहां घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया है। इस दौरान सेना ने एक घुसपैठिए को मार गिराया।

सूत्रों के अनुसार, घुसपैठिए भारतीय सीमा में प्रवेश करने का प्रयास कर रहे थे। सेना के जवानों ने उन्हें चुनौती दी और जवाबी कार्रवाई की। गोलीबारी में एक घुसपैठिया मौके पर ही ढेर हो गया। अन्य घुसपैठिए वापस भागने में सफल रहे। घटना के बाद से पूरे इलाके में तनाव का माहौल है। सुरक्षा बलों ने पूरे क्षेत्र में तलाशी अभियान तेज कर दिया है। सेना के जवान पूरी तरह से सतर्क पर हैं। हालांकि, इस घटना की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सेना या रक्षा मंत्रालय की ओर से कोई बयान जारी नहीं किया गया है। सुरक्षा एजेंसियां इस पूरी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। वे घटना से संबंधित सभी पहलुओं की जांच कर रही हैं। जल्द ही इस संबंध में विस्तृत जानकारी सामने आ सकती है।

'अमृत काल अब जहर काल बन गया है'

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने नीट 2026 परीक्षा रद्द होने के बाद केंद्र सरकार और भाजपा शासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। अपने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर एक भावुक और कड़ा संदेश साझा करते हुए उन्होंने इस स्थिति को युवाओं के भविष्य के खिलाफ एक "अपराध" करार दिया है। राहुल गांधी ने उन लाखों परिवारों के संघर्ष को रेखांकित किया जो अपने बच्चों को डॉक्टर बनाने का सपना देखते हैं। उन्होंने लिखा- किसी पिता ने कर्ज लिया, तो किसी मां ने अपने गहने बेच दिए ताकि उनका बच्चा पढ़ सके।

शिक्षा में संगठित भ्रष्टाचार का आरोप :

कांग्रेस नेता ने सीधे तौर पर सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि छात्रों को मेहनत के बदले केवल पेपर लीक, सरकारी लापरवाही और शिक्षा में संगठित भ्रष्टाचार मिला है। उन्होंने आरोप लगाया कि हर बार "पेपर माफिया" साफ बच निकलता है, जबकि सजा ईमानदार छात्रों को भुगतनी पड़ती है।

अमृत काल पर कटाक्ष :

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'अमृत काल' विजन पर प्रहार करते हुए राहुल गांधी ने कहा, प्रधानमंत्री का तथाकथित अमृत काल देश के लिए जहर काल में बदल गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि किसी का भाग्य कड़ी मेहनत के बजाय पैसे और रसूख से तय होगा, तो शिक्षा का क्या अर्थ रह जाएगा?

अनिश्चितता के भंवर में छात्र : राहुल गांधी ने चिंता जताई कि परीक्षा रद्द होने से अब लाखों छात्र एक बार फिर मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ और भविष्य की अनिश्चितता के दौर से गुजरेंगे। उन्होंने इस विफलता को केवल सिस्टम की चूक नहीं, बल्कि युवाओं के खिलाफ एक साजिश बताया है।

ईडी के विरोध के बाद सरकारी गवाह बनने से पीछे हटीं जैकलीन

मुंबई, 12 मई (एजेंसियां)। अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस ने कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग केस में सरकारी गवाह बनने की मांग रखी थी। उन्होंने इसे लेकर अदालत में अर्जी दी थी। मगर, बीते सोमवार ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने इसका विरोध किया। इसके बाद जैकलीन ने अपनी यह अर्जी वापस ले ली है। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज ने कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सरकारी गवाह बनने की मांग वाली अपनी याचिका वापस ले ली है'। बता दें कि सोमवार 11 मई को ईडी ने जैकलीन की अर्जी का विरोध करते हुए उन्हें ठगी में बराबर का भागीदार कहा था। कोर्ट के सूत्रों के मुताबिक जैकलीन फर्नांडीज ने आज मंगलवार को 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग केस में सरकारी गवाह बनने की अपनी अर्जी वापस ले ली। इस केस में कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर भी शामिल है। जैकलीन फर्नांडीज के वकील ने इस बात की पुष्टि की कि उन्होंने स्पेशल जज प्रशांत शर्मा के सामने दायर अपनी अर्जी वापस ले ली है।

अदालतों के आधुनिकीकरण के लिए सीजेआई ने बनाई विशेष समिति, जस्टिस अरविंद कुमार होंगे अध्यक्ष

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने देश की न्याय व्यवस्था को मजबूत करने के लिए एक न्यायिक बुनियादी ढांचा सलाहकार समिति का गठन किया है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अरविंद कुमार इस समिति के अध्यक्ष होंगे। इस पैनल में कलकत्ता, पंजाब और हरियाणा तथा बॉम्बे हाई कोर्ट के न्यायाधीशों को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। सीपीडब्ल्यूडी (सीपीडब्ल्यूडी) के महानिदेशक और सुप्रीम कोर्ट के महासचिव भी इस समिति का हिस्सा होंगे।

समिति का मुख्य काम देश भर की अदालतों में इमारतों और अन्य सुविधाओं की कमी का आकलन करना है। यह पैनल न्यायिक क्षेत्र के सुधार के लिए सरकार से 40,000 से 50,000 करोड़ रुपये के बजट की मांग कर सकता है। समिति को 31 अगस्त तक अपनी अंतरिम रिपोर्ट सौंपने का निर्देश मिला है। यह समिति जजों, वकीलों और आम जनता के लिए जरूरी सुविधाओं पर सुझाव देगी। इसका खास ध्यान अदालतों के कंप्यूटरीकरण, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और एआई जैसी आधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल पर रहेगा।

यह कदम इसलिए भी अहम है क्योंकि हाल ही में एक संसदीय समिति ने राज्यों में फंड के सही इस्तेमाल न होने और बुनियादी ढांचे की धीमी गति पर चिंता जताई थी। बता दें कि, केंद्र सरकार पहले ही ई-कोर्ट परियोजना के लिए 7,210 करोड़ रुपये आवंटित कर चुकी है, ताकि अदालतों को पूरी तरह डिजिटल बनाया जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के हाईकोर्ट में लंबित जमानत याचिकाओं की बढ़ती संख्या पर गहरी चिंता जताई। साथ ही, यह अंबार जल्द खत्म करने के लिए स्वत: सुनवाई व्यवस्था विकसित करने और याचिकाओं के निपटारे की समयसीमा निर्धारित करने जैसे सुझाव भी दिए।

'हमारी जानकारी सच साबित हुई'

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्रालय ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान को मिले चीन के समर्थन पर एक बड़ी जानकारी दी। विदेश मंत्रालय ने साफ कर दिया है कि हाल ही में आई वे सभी रिपोर्ट बिल्कुल सही हैं, जिनमें 'ऑपरेशन सिंदूर' के समय चीन द्वारा पाकिस्तान की मदद करने का दावा किया गया था। भारत सरकार को यह बात पहले से ही पता थी और नई रिपोर्ट सिर्फ उस पुरानी जानकारी को सच साबित करती हैं।

हाल ही में चीन के सरकारी मीडिया ने खुद इस बात को कबूल किया है कि मई 2025 में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान बीजिंग ने पाकिस्तान को तकनीकी मदद दी थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को इस मामले पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में खुलकर बात की। उन्होंने स्पष्ट किया कि चीन की मदद वाली रिपोर्ट सिर्फ उसी बात को सच साबित करती हैं, जो बात भारत को पहले से ही बहुत अच्छी तरह से पता थी।

सीएम बनते ही एक्शन में आए विजय

कई अफसरों का हुआ तबादला, तेज तर्रार अधिकारियों को मिले अहम विभाग

चेन्नई, 12 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु में राजनीति के साथ-साथ अब प्रशासनिक स्तर पर भी बड़े बदलाव शुरू हो गए हैं। मुख्यमंत्री विजय के नेतृत्व वाली नई टीवीके सरकार ने प्रशासन में अपना पहला सबसे बड़ा फेरबदल किया है। मंगलवार को सरकार ने कई वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों का तबादला करते हुए उन्हें अहम जिम्मेदारियां सौंपी हैं। सत्ता में आने के बाद सीएम विजय का यह पहला बड़ा प्रशासनिक कदम है, जिसे सरकार के कामकाज को तेज करने के रूप में देखा जा रहा है।

मुख्य सचिव एम. साई कुमार ने इस बड़े फेरबदल से जुड़े आधिकारिक आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। इस आदेश के तहत राज्य के कई महत्वपूर्ण विभागों जैसे राजस्व, वित्त, पर्यटन और आबकारी विभाग के बड़े अधिकारियों को बदल दिया गया है। नई सरकार अपने हिसाब से अधिकारियों की टीम तैयार कर रही है ताकि जनता से जुड़े काम बिना किसी रुकावट के हो सकें। इन तबादलों के जरिए कई अनुभवी अधिकारियों को सीधे तौर पर बड़ी जिम्मेदारी दी गई है।

लापता युवक को खोजते हुए नदी किनारे पहुंचे तीन लोग

कपड़े देख लगा दी छलांग, चारों की मौत

सूरत, 12 मई (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत जिले में काकरापार बांध के पास एक नदी में चार लोग डूब गए। यह जानकारी पुलिस ने मंगलवार को दी। मांडवी पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर जयेश वाल्वी ने बताया कि कौशिक चौधरी (23) सोमवार सुबह अपने मवेशियों को नदी पर ले गया और देर शाम तक वापस नहीं लौटा, जिससे दहशत फैल गई। उन्होंने बताया कि उनके भाई, एक चाचा और एक दोस्त ने उनकी तलाश शुरू की और मंगलवार सुबह नदी किनारे उनके कपड़े बरामद किए।

वाल्वी ने बताया कि उन्हें लगा कि वह डूब गया होगा, इसलिए वे उसकी तलाश में नदी में कूद गए, लेकिन वे खुद एक भंवर में फंस गए और डूब गए। दमकल विभाग और स्थानीय पुलिस ने घंटों की मशक्कत के बाद चारों व्यक्तियों के शव बरामद किए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतकों में से तीन पास के वकाला गांव के रहने वाले थे, जबकि एक अन्य व्यक्ति कंजा गांव का था।

'सनातन को खत्म कर देना चाहिए'

> उदयनिधि के फिर विवादित बोल, कहा-समाज को बांटने वाली सोच को न मिले जगह

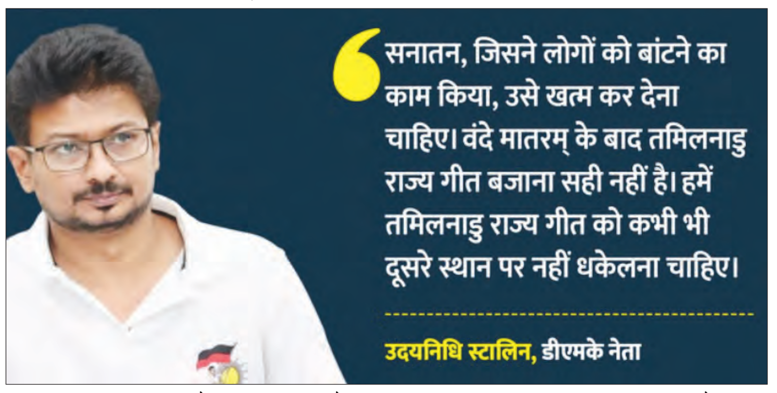

चेन्नई, 12 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और डीएमके विधायक उदयनिधि स्टालिन ने एक बार फिर सनातन धर्म को लेकर बड़ा बयान दिया है। विधानसभा में बोलते हुए उन्होंने कहा कि सनातन, जिसने लोगों को बांटने का काम किया, उसे खत्म कर देना चाहिए। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में नई बहस छिड़ने की संभावना है।

उदयनिधि स्टालिन ने अपने संबोधन में राजनीतिक शिष्टाचार और सहयोग की भी बात की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को उनके नेता समेत कई नेताओं ने शुभकामनाएं दी थीं और यही सौहार्द विधानसभा के भीतर भी दिखना चाहिए। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष और विपक्ष अलग-अलग पंक्तियों में जरूर बैठते हैं, लेकिन तमिलनाडु के विकास के लिए सभी को मिलकर काम करना चाहिए।

वंदे मातरम को लेकर क्या बोले?

विधानसभा में उन्होंने तमिलनाडु राज्य गीत को लेकर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों ने इस बात पर चिंता व्यक्त की है कि राज्य गीत वंदे मातरम के बाद बजाया गया। उदयनिधि ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां वंदे मातरम नहीं बजाया गया था और सभी जानते हैं कि वहां के राज्यपाल कौन हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि भविष्य में तमिलनाडु के राज्य गीत को कभी दूसरे स्थान पर न रखा जाए। उदयनिधि स्टालिन ने यह भी कहा कि उन्होंने और मुख्यमंत्री ने एक ही कॉलेज में पढ़ाई की है। ऐसे में वे अपने अनुभव और ज्ञान को साझा करना चाहते हैं तथा उम्मीद करते हैं कि मुख्यमंत्री विपक्ष के सुझावों को भी स्वीकार करेंगे।

भाजपा ने की आलोचना

उदयनिधी टिप्पणियों की भाजपा ने तुरंत आलोचना की, प्रवक्ता सीआर केशवन ने इसे एक जहरीली बयानबाजी करार दिया। उन्होंने कहा कि उदयनिधि स्टालिन तमिलनाडु के राहुल गांधी हैं, जो विभाजनकारी नफरत की राजनीति फैला रहे हैं। राहुल गांधी ने पवित्र सेंगोल का मजाक उड़ाया और राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का अपमान करते हुए उसका बहिष्कार किया। राहुल गांधी की तरह, जिन्हें पिछले तीन लोकसभा चुनावों में नकार दिया गया है, उदयनिधि स्टालिन तमिलनाडु की जनता द्वारा दंडित और निष्कासित किए जाने के बावजूद अपनी जहरीली बयानबाजी जारी रखे हुए हैं। विभाजनकारी डीएमके से और क्या उम्मीद की जा सकती है, जिसने कार्तिकेय दीपम जलाने का विरोध किया और जिसके मुख्यमंत्री ने तमिलनाडु के लोगों को दीपावली की शुभकामनाएं नहीं दीं। डीएमके के एक सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री ने अपमानजनक टिप्पणी की थी कि हिंदू धर्म केवल भारत के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए खतरा है। इन बार-बार अपराध करने वालों को यह याद रखना चाहिए कि तमिलनाडु के राज्य चिह्न में एक मंदिर का गोपुरम है और तमिलनाडु के लोग अपनी आस्था और भावनाओं के ऐसे घोर अपमान को न तो भूलेंगे और न ही माफ करेंगे।

उदयनिधि पहले भी कर चुके हैं ऐसी टिप्पणियां

उदयनिधि पहले भी इस तरह की टिप्पणियां कर चुके हैं, और उन्हें न केवल राजनीतिक नेताओं बल्कि अदालत से भी कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा है। इस साल 21 जनवरी को, मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै बेंच ने 20 जनवरी को तिरुचि शहर पुलिस द्वारा भाजपा नेता अमित मालवीय के खिलाफ तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म पर की गई टिप्पणियों को कथित तौर पर विकृत करने के आरोप में दर्ज की गई एफआईआर को रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति एस. श्रीमाथी ने याचिका को स्वीकार करते हुए कहा कि उदयनिधि द्वारा की गई टिप्पणियां ₹घृणास्पद भाषण₹ की श्रेणी में आती हैं।

तमिलनाडु विधानसभा में वोट नहीं दे पाएगा विजय का विधायक

मद्रास हाईकोर्ट ने रोक लगाई; डीएमके उम्मीदवार को 1 वोट से हराया था

चेन्नई, 12 मई (एजेंसियां)। मद्रास हाईकोर्ट ने मंगलवार को टीवीके विधायक आर श्रीनिवास सेतुपति पर 17वीं विधानसभा में विश्वास प्रस्ताव समेत किसी भी वोटिंग में हिस्सा लेने पर रोक लगा दी है। सेतुपति ने तिरुपत्तूर विधानसभा सीट पर डीएमके उम्मीदवार केआर पेरियाकरुप्पन को महज एक वोट से हराया था। सेतुपति को 83,365 वोट मिले, वहीं पेरियाकरुप्पन को 83,364 वोट मिले थे।

पेरियाकरुप्पन ने वोटों की दोबारा गिनती और श्रीनिवासा सेतुपति को विधायक के तौर पर शपथ लेने से रोकने के लिए एक अंतरिम आदेश की भी मांग की थी। जस्टिस एल विक्टोरिया गौरी और एन सेंथिलकुमार की वेकेशन बेंच की तरफ से लगाई गई रोक के बाद सेतुपति किसी भी अविश्वास प्रस्ताव पर भी वोट नहीं दे सकते। संयोग से सीएम जोसेफ विजय की टीवीके सरकार को 13 मई को अपना फ्लोर टेस्ट देना है। जो मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण के तीन दिन बाद होने वाला है।

चुनाव आयोग को हलफनामा दायर करने का आदेश

पेरियाकरुप्पन ने 23 अप्रैल हुए 17वें तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में शिवगंगा जिले के 185 तिरुप्पत्तूर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा था। 4 मई को टीवीके उम्मीदवार सेतुपति को विजयी घोषित किया गया। याचिका में पेरियाकरुप्पन ने मतगणना प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया है कि ईवीएम में दर्ज राउंड-वार वोटों की संख्या और भारतीय चुनाव आयोग की वेबसाइट पर प्रकाशित आंकड़ों के बीच 18 वोटों का अंतर था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि तिरुप्पत्तूर सीट के लिए निर्धारित एक डाक वोट गलती से तिरुप्पत्तूर के निर्वाचन क्षेत्र संख्या 50 में भेज दिया गया था। रिटर्निंग ऑफिसर ने वोट को सही जगह भेजने के बजाय उसे अमान्य घोषित कर दिया। इसके बाद रविवार को हाईकोर्ट ने एक आदेश में चुनाव आयोग से कहा कि वह एक हलफनामा दायर करे, जिसमें बताए कि उसने डीएमके उम्मीदवार पेरियाकरुप्पन के अभ्यावेदन का जवाब क्यों नहीं दिया था।

'सरकार गरीबों की समर्थक और उद्योगों की हितैषी'

सीआईआई के कार्यक्रम में बोले श्रम मंत्री

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने मौजूदा सरकार को गरीब समर्थक और उद्योगों का हितैषी बताया है। साथ उन्होंने यह भी कहा कि देश में चार नई श्रम संहिताएं पूरी तरह से अमल में आ गई हैं। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक बिजनेस समिट 2026 के दौरान बोलते हुए केंद्रीय श्रम मंत्री ने कहा कि श्रम और उद्योगों को एक दूसरे के पूरक होना चाहिए और प्रभावी समन्वय के लिए बदलाव के अनुकूल व्यवहार करना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि चार नई श्रम संहिताओं में 29 श्रम कानूनों को एक आसान ढांचे में लाया गया है। सरकार पांच वर्षों के लंबे अंतराल के बाद इस महीने की शुरुआत में नए नियम जारी कर चार नई श्रम संहिताओं को पूरी तरह अमल में ले आई है। ये चार श्रम संहिताएं हैं- वेतन संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 और पेशेवर सुरक्षा, स्वास्य और कार्य परिस्थितियां संहिता 2020। ये श्रम संहिताएं 21 नवंबर 2025 को लागू की गई थीं।

चंद्रनाथ रथ हत्याकांड मामले की जांच अब करेगी सीबीआई

सात सदस्यीय एसआईटी गठित

कोलकाता, 12 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ हत्याकांड की जांच अब केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंप दी गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीबीआई ने जांच के लिए सात सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। इस एसआईटी की अगुवाई डीआईजी रैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी करेंगे।

चंद्रनाथ को अज्ञात हमलावरों ने मारी थी गोली

चंद्रनाथ रथ, जो पूर्व भारतीय वायुसेना कर्मी भी रह चुके थे, शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी और निजी सहायक के तौर पर काम कर रहे थे। 6 मई की देर रात मध्यग्राम के पास उन पर अज्ञात हमलावरों ने गोलीबारी की थी। गंभीर रूप से घायल अवस्था में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस घटना ने राज्य की राजनीति में बड़ा विवाद खड़ा कर दिया था।

मामले में तीन आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

मामले में अब तक तीन आरोपियों मयंक राज मिश्रा, विक्की मौर्य और राज सिंह को गिरफ्तार किया गया है। जांच एजेंसियों ने मयंक राज मिश्रा और विक्की मौर्य को बिहार के बक्सर से हिरासत में लिया, जबकि राज सिंह को उत्तर प्रदेश के बलिया से पकड़ा गया। जांच में मिले सुरागों के आधार पर 10 मई को इनकी गिरफ्तारी हुई थी। पूछताछ के बाद सोमवार सुबह तीनों को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। अदालत ने तीनों आरोपियों को 24 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। सरकारी वकील एडवोकेट बिबास चटर्जी ने बताया कि अभियोजन पक्ष ने अदालत से सबूत मिटाने से जुड़ी धाराएं जोड़ने की मांग की थी, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा कि मामले की जांच कई पहलुओं से की जा रही है और पुलिस हिरासत के दौरान आरोपियों से विस्तृत पूछताछ होगी।

पश्चिम एशिया संकट पर पवार बोले-मोदी सर्वदलीय बैठक बुलाएं

पीएम की गोल्ड न खरीदने की अपील पर ज्वेलर्स ने कहा-रोजी-रोटी पर असर पड़ेगा

मुंबई, 12 मई (एजेंसियां)। शरद पवार ने मंगलवार को पश्चिम एशिया संकट पर पीएम नरेंद्र मोदी से सर्वदलीय बैठक बुलाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हित से जुड़े मामलों में सभी दलों को निर्णय प्रक्रिया में शामिल करना देशहित के लिए जरूरी है। पवार ने एक्स पर लिखा-पीएम मोदी ने अचानक जनता से सोना न खरीदने, पेट्रोल और डीजल कम खर्च करने की अपील की है। इससे अर्थव्यवस्था पर लंबे समय तक असर पड़ सकता है। अचानक हुई इन घोषणाओं से आम लोगों और कारोबारियों के बीच बेचैनी बढ़ी है। इधर, ज्वेलरी काउंसिल का कहना है कि पीएम को उनसे बात करनी चाहिए थी। पीएम के अपील से हमारी रोजी-रोटी पर असर पड़ेगा। दरअसल, पीएम मोदी ने लगातार दो दिन लोगों से ईंधन और संसाधनों का कम इस्तेमाल करने की अपील की। हालांकि, इस बीच पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि देश में तेल और गैस की कोई कमी नहीं है। भारत के पास 69 दिन का कच्चे तेल और 45 दिन का एलपीजी स्टॉक मौजूद है।

ज्वेलर्स बोले-रोजी-रोटी पर असर पड़ेगा

महाराष्ट्र स्वर्णकार सराफा महामंडल के अध्यक्ष पुरुषोत्तम कवाले ने कहा देशभर के ज्वेलर्स में चिंता बढ़ गई है। इतना बड़ा फैसला लेने से पहले ऑल इंडिया जेम्स एंड ज्वेलरी काउंसिल और महाराष्ट्र बोर्ड से चर्चा होनी चाहिए थी। सरकार को पहले हमारी राय लेनी चाहिए थी। कवाले ने कहा-अगर कारोबार बंद हुए तो जिम्मेदारी कौन लेगा? क्या सरकार इन लोगों को रोजगार देगी? ऐसी कोई गारंटी नहीं है।

शिवसेना (यूबीटी) ने तमिलनाडु के सीएम विजय को चेताया

'दिल्ली की सत्ता की उठापटक के जाल से सावधान रहें'

मुंबई, 12 मई (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) की ओर से मंगलवार को कहा गया कि तमिलनाडु में चुनाव के बाद ऐतिहासिक सत्ता परिवर्तन हुआ। जिसमें विजय की पार्टी टीवीके ने जीत दर्ज की। टीवीके ने डीएमके और एआईएडीएमके की जीत का क्रम तोड़ दिया। उद्धव ठाकरे गुट ने पार्टी के मुखपत्र 'सामना' में एक संपादकीय में कहा कि राज्य में जश्न का माहौल है, लेकिन आगे का रास्ता चुनौतियों से भरा है। मुखपत्र में कहा गया कि विजय की सरकार के पास मामूली बहुमत है। रिपोर्ट से पता चलता है कि स्थिरता बनाए रखना एक चुनौती होगी, खासकर दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह जैसे नेताओं के केंद्रीय प्रभाव को देखते हुए। नए मुख्यमंत्री ईसाई हैं, उन्होंने सभी धर्मों के नेता बनने का संकल्प लिया है और जोर देकर कहा है कि प्रत्येक नागरिक को सुरक्षा प्रदान करना उनका प्राथमिक कर्तव्य है। 'सामना' में कहा गया कि विजय जब सिल्वर स्क्रीन से सचिवालय की ओर कदम बढ़ा रहे हैं, तो पूरा देश यह देखने के लिए उत्सुक है कि क्या वे शासन की जटिल वास्तविकताओं से निपटते हुए अपनी 'आम आदमी' की छवि को बरकरार रख पाएंगे?

मुखपत्र में कहा गया कि शपथ ग्रहण समारोह में राष्ट्रवाद का स्पष्ट प्रदर्शन देखने को मिला। समारोह की शुरुआत 'वंदे मातरम' से हुई, उसके बाद राष्ट्रगान 'जन गण मन' गाया गया, और अंत में तमिलनाडु राज्य गीत के साथ इसका समापन हुआ।

संपादकीय में कहा गया कि यह क्रम राष्ट्रीय भावना को प्राथमिकता देने के लिए बनाया गया प्रतीत होता है। संपादकीय में यह भी कहा गया कि विजय ने जनता के दिलों को छू लिया और तमिलनाडु के आठ करोड़ लोगों को अपना परिवार घोषित किया। उन्होंने अपनी सादगी पर जोर देते हुए कहा कि वे न तो राजकुमार हैं और न ही देवदूत, बल्कि एक आम आदमी हैं।

'सामना' में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने अपने मंत्रिमंडल और विधायकों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि वे सार्वजनिक धन की लूट बर्दाश्त नहीं करेंगे। युवाओं में बढ़ते नशे की लत से निपटने के लिए, नशीली दवाओं के नेटवर्क को खत्म करने के लिए एक विशेष कार्य बल गठित करने का आदेश दिया गया है। 'सामना' में कहा गया कि पुलिस विभाग में एक समर्पित महिला सुरक्षा विंग की स्थापना को मंजूरी दे दी गई है। राज्य पर 10 लाख करोड़ रुपये के कर्ज को स्वीकार करते हुए, विजय ने सख्त वित्तीय अनुशासन का आह्वान किया।

टीएमसी के आरोपों पर सीएम शुभेंदु अधिकारी का पलटवार

मनोज अग्रवाल की नियुक्ति पर दिया जवाब

कोलकाता, 12 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज अग्रवाल को राज्य का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। इस फैसले पर मुख्य विपक्षी दल तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने कड़ी आपत्ति जताई है। टीएमसी का सीधा आरोप है कि हालिया विधानसभा चुनाव में भाजपा का कथित तौर पर साथ देने का इनाम उन्हें दिया गया है। इन सब आरोपों के बीच पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने टीएमसी को जवाब दिया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मनोज अग्रवाल की नियुक्ति का पर कहा कि मनोज अग्रवाल सिर्फ एक पूर्व सीईओ नहीं हैं, बल्कि वह राज्य के सबसे वरिष्ठ सिविल सेवक भी हैं। उन्होंने विरोधियों पर निशाना साधते हुए स्पष्ट किया कि अगर किसी को कोई परेशानी है, तो वह जाकर दूसरों से बात करे।

सीएम ने बेहद सख्त लहजे में कहा कि भाजपा की सरकार पूरी तरह से कानून और नियमों के दायरे में रहकर काम कर रही है। मनोज अग्रवाल 1990 बैच के अनुभवी आईएएस अधिकारी हैं। प्रशासनिक नियमों के मुताबिक वरिष्ठता के आधार पर ही उन्हें मुख्य सचिव का यह अहम पद सौंपा गया है। भाजपा सरकार ने साफ कर दिया है कि वह विपक्ष के दबाव में नियमों से कोई भी समझौता नहीं करेगी। इस पूरी नियुक्ति पर टीएमसी के नेताओं का गुस्सा सातवें आसमान पर है।

खबरें जरा हटके

दुनिया की इकलौती मछली, समुद्र की गहराई में है 'चलती', होंठों पर लगाती है लाली-लिपिस्टिक!

समुद्र की गहराइयों में छिपी अनगिनत रहस्यमयी जीवों में से एक है रेड-लिप्ड बैटफिश. यह मछली ना सिर्फ देखने में बेहद अजीब है बल्कि अपनी आदतों के कारण भी पूरी तरह यूनिक है. जहां बाकी मछलियां तैरती हैं, वहीं यह मछली समुद्र के फर्श पर 'चलती' है. सबसे मजेदार बात— इसके होंठ इतने चटक लाल हैं कि देखकर लगता है मानो उसने लिपस्टिक लगा रखी हो. रेड-लिप्ड बैटफिश का नाम बैटफिश इसलिए पड़ा क्योंकि इसका सिर चमगादड़ की तरह चौड़ा और सपाट होता है. यह मुख्य रूप से गालापागोस द्वीपों के आसपास और पूर्वी प्रशांत महासागर में पाई जाती है. यह 20 से 40 मीटर की गहराई में रहती है, हालांकि कभी-कभी 100 मीटर तक भी नीचे उतर जाती है. इसकी सबसे बड़ी खासियत है चलना. इसके पेक्टोरल और पेल्विक फिन्स पैरों की तरह मजबूत है. इनकी मदद से वह समुद्र के तल पर चलती-फिरती है. तैरने की बजाय चलना इसे ऊर्जा बचाने में मदद करता है.

लिपस्टिक वाले होंठ क्यों?

वैज्ञानिकों के अनुसार इसके चमकदार लाल होंठ संभवतः प्रजनन और संचार के लिए हैं. गहरे पानी में जहां रोशनी कम होती है, वहां चटक रंग साथी को आकर्षित करने में मदद करते हैं. ये लाल होंठ इसे बेहद आकर्षक और फोटोजेनिक भी बनाते हैं, जिसकी वजह से सोशल मीडिया पर यह वायरल हो रही है. रेड-लिप्ड बैटफिश के सिर पर एक छोटा सा अंग होता है जिसे इलिसियम कहते हैं. इसके सिरे पर चारा लगा होता है. यह मछली इस चारे को हिलाकर छोटी मछलियों, क्रस्टेशियंस और अन्य जीवों को लुभाती है. जब शिकार पास आता है तो बैटफिश अपना मुंह खोलकर उसे झपट लेती है. प्रकृति ने इसे वाकई फिशिंग रॉड दे रखी है.

खुदाई में अचानक आने लगी 'खट-खट' की आवाज, मिट्टी हटाते ही दिखा 'लाल खजाना', रातों-रात चमक गई किस्मत!

म्यांमार की धरती एक बार फिर बेशकीमती रत्नों की वजह से दुनिया भर में चर्चा का विषय बनी हुई है. हाल ही में यहां की एक खदान में काम करने वाले मजदूरों की किस्मत उस वक्त रातों-रात बदल गई, जब खुदाई के दौरान उन्हें अचानक जमीन के नीचे से कुछ सख्त टकराने की आवाज सुनाई दी. जहां से खट-खट की आवाज आई, वहां से मजदूरों ने सावधानीपूर्वक मिट्टी हटाई, उनकी आंखों के सामने चमकता हुआ 'लाल खजाना' दिखाई देने लगा. यह कोई मामूली पत्थर नहीं, बल्कि 11,000 कैरेट का एक बेहद दुर्लभ और कीमती लाल पत्थर था. सरकारी मीडिया के माध्यम से जैसे ही इस खोज की खबर सार्वजनिक हुई, अंतरराष्ट्रीय रत्न बाजार में हलचल मच गई और विशेषज्ञों ने इसे म्यांमार के इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण खोजों में से एक बताया है.

जानकारी के मुताबिक, म्यांमार के नेप्यीडॉ क्षेत्र की एक खदान में मिले इस दुर्लभ लाल पत्थर का कुल वजन लगभग 2.26 किलोग्राम मापा गया है. आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, यह म्यांमार में अब तक मिला दूसरा सबसे बड़ा लाल पत्थर है. इससे पहले साल 1996 में यहां सबसे बड़ा रूबी मिला था, जिसका वजन 21,450 कैरेट था. हालांकि, वर्तमान में मिले इस 11,000 कैरेट के पत्थर का वजन पिछले रिकॉर्ड के मुकाबले करीब आधा है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि इसकी रंगत, स्पष्टता और ओवरऑल क्वालिटी पिछले पत्थरों की तुलना में कहीं अधिक बेहतर है. इसी उच्च गुणवत्ता की वजह से इसे बाजार में पुराने रिकॉर्ड धारक पत्थर से भी ज्यादा मूल्यवान और कीमती माना जा रहा है. म्यांमार को वैश्विक स्तर पर लाल रत्नों की राजधानी माना जाता है, क्योंकि दुनिया भर में पाए जाने वाले करीब 90% लाल रत्न इसी देश की खदानों से निकलते हैं. इस नई खोज ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि म्यांमार की खदानों में अभी भी अतुलनीय प्राकृतिक संपदा छिपी हुई है. इस 2.26 किलो के पत्थर की खोज ने न केवल वहां काम करने वाले मजदूरों को चकित कर दिया है, बल्कि सरकारी तंत्र भी इसकी सुरक्षा और मूल्यांकन को लेकर काफी सक्रिय हो गया है.

ये है दुनिया का सबसे महंगा दूध, 20 लाख रुपए प्रति लीटर है कीमत, एक चम्मच भी है बेशकीमती!

दुनिया में कई अनोखी और महंगी चीजें हैं, लेकिन दूध की बात करें तो आमतौर पर गाय, भैंस या बकरी का दूध ही याद आता है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया का सबसे महंगा दूध एक छोटे से जानवर का है. जी हां, चुहिया (माउस) का दूध दुनिया में सबसे महंगा आता है. इसकी कीमत 20 लाख रुपये प्रति लीटर तक बताई जाती है. सुनकर हैरानी होती है ना?ज्यादातर लोग सोचते हैं कि शेरनी, बाघिन या हथिनी का दूध सबसे महंगा होगा, लेकिन हकीकत कुछ और ही है. चुहिया का दूध ना सिर्फ दुर्लभ है बल्कि निकालना भी बेहद मुश्किल काम है.

बेहद दुर्लभ है ये दूध

वैज्ञानिकों के अनुसार, एक लीटर चुहिया का दूध इकट्ठा करने के लिए लगभग 4000 चुहियों का दूध निकालना पड़ता है. एक चुहिया से एक बार में सिर्फ आधा चम्मच या उससे भी कम दूध मिल पाता है. दरअसल, चुहिया बहुत छोटी होती है, इसलिए उसका दूध उत्पादन भी बेहद कम होता है. मादा चुहिया अपने बच्चों को दूध पिलाती है, लेकिन वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं में इसे विशेष मशीनों की मदद से निकाला जाता है. यह प्रक्रिया समय लेने वाली, श्रमसाध्य और महंगी होती है. यही वजह है कि इसकी कीमत आसमान छूती है. इस दूध में खास पोषक तत्व पाए जाते हैं जो मानव स्वास्थ्य और मेडिकल रिसर्च के लिए बहुत उपयोगी हैं. इसमें हाई प्रोटीन, एंटीबॉडीज और अन्य कंपाउंड्स होते हैं जो कैंसर रिसर्च, इम्यूनिटी स्टडी और दवाओं के विकास में मदद करते हैं. यही कारण है कि फार्मास्यूटिकल कंपनियां और रिसर्च लैब्स इसे बेशकीमती मानती है.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 13 मई, 2026 3

मेरा हैदराबाद

सुविचार: सकारात्मक सोच के अभाव में जीवन बोझ बन जाता है।

फर्नीचर स्टोर कर्मचारी से 15 लाख रुपये की नकदी चोरी

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पंजागुट्टा क्षेत्र में एक फर्नीचर स्टोर के कर्मचारी से 15 लाख रुपये नकद से भरा बैग चोरी होने का मामला सामने आया है। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार, नागराजू नामक व्यक्ति बंजारा हिल्स स्थित एक फर्नीचर दुकान में काम करता है। दुकान मालिक ने उसे जुबली हिल्स के एक बैंक में 15 लाख रुपये जमा कराने के लिए भेजा था। बताया जा रहा है कि बैंक जाते समय नागराजू पंजागुट्टा फ्लाईओवर के पास स्थित एक स्टांप पेपर की दुकान पर रुक गया। उसने नकदी से भरा बैग दुकान के बाहर एक कुर्सी पर रखा और स्टांप पेपर खरीदने के लिए अंदर चला गया। कुछ देर बाद जब वह वापस लौटा तो बैग वहां से गायब था। घटना के बाद नागराजू ने पंजागुट्टा पुलिस स्टेशन पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और मामले की जांच कर रही है।

जर्मन भाषा में दक्षता से खुलेंगे वैश्विक अवसर : डॉ. विवेक

मंत्री ने प्रशिक्षु नर्सों से संवाद किया

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम, रोज़गार और खान मंत्री डॉ. विवेक वेंकटस्वामी ने ट्रिपल विन प्रोग्राम के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर रही नर्सों से वैश्विक करियर के लिए स्वयं को तैयार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जर्मन भाषा और प्रभावी संवाद कौशल में महारत हासिल कर तेलंगाना के युवा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। मंगलवार को हैदराबाद स्थित टूरिज्म प्लाजा में टॉमकॉम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मंत्री ने प्रशिक्षु नर्सों से संवाद किया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि जर्मनी में काम करना एक बड़ा अवसर होने के साथ-साथ चुनौती भी है, क्योंकि वहां नई भाषा, नए वातावरण और कार्य संस्कृति के अनुरूप स्वयं को ढालना पड़ता है। उन्होंने कहा कि समर्पण और कड़ी मेहनत से सफलता अवश्य प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा, नर्स मरीजों में आत्मविश्वास और आशा जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। नर्सों द्वारा दिए गए भरोसे से आधी बीमारी दूर हो जाती है। मंत्री ने नर्सिंग समुदाय की सेवाओं की सराहना की। विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि टॉमकॉम युवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के रोजगार अवसर उपलब्ध करा रहा है और यह केवल शुरूआत है। उन्होंने कहा कि यदि वर्तमान बैच जर्मनी में अच्छा प्रदर्शन करता है तो भविष्य में तेलंगाना के युवाओं के लिए और अधिक अवसर खुलेंगे। अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस की शुभकामनाएं देते हुए मंत्री ने नर्सिंग पेशे को सबसे महान सेवाओं में से एक बताया। उन्होंने प्रशिक्षुओं को विशेष रूप से जर्मन भाषा सीखने पर ध्यान देने की सलाह दी और कहा कि सही स्वास्थ्य सेवा और डॉक्टरों द्वारा लिखी गई दवाओं के उचित उपयोग के लिए प्रभावी संवाद अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के कारण विदेशी भाषाएं सीखना अब पहले की तुलना में काफी आसान हो गया है। अपने व्यावसायिक जीवन का अनुभव साझा करते हुए मंत्री ने कहा, मैंने केवल पांच लाख रुपये से अपना व्यवसाय शुरू किया था। जब मैं बैंक ऋण लेने चेन्नई गया तो भाषा नहीं जानने के कारण काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

उसी अनुभव ने मुझे संवाद कौशल और भाषा दक्षता का महत्व समझाया। उन्होंने तमिल अभिनेता विजय का उदाहरण देते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक, सोशल मीडिया और बेहतर संवाद कौशल लोगों को बड़ी सफलता दिला सकते हैं। उन्होंने नर्सों को प्रतिदिन कम से कम एक घंटा अपने कौशल विकास के लिए देने और जर्मन भाषा में किताबें पढ़ने योग्य बनने का लक्ष्य रखने की सलाह दी। मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने टॉमकॉम की पहलों के लिए बजट में विशेष धनराशि आवंटित की है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि राज्य में अधिक नर्सिंग कॉलेज स्थापित करने और नर्सिंग सीटों की संख्या बढ़ाने के मुद्दे पर वह मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से चर्चा करेंगे। कार्यक्रम में श्रम, रोजगार एवं प्रशिक्षण आयुक्त हरिचंदना ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्होंने पहली बार हिंदी सीखने में काफी संघर्ष किया था। उन्होंने बताया कि उनके पिता ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत थे और उन्होंने धीरे-धीरे हिंदी फिल्में देखकर भाषा सीखी। उन्होंने कहा, आपको भी नई भाषा सीखने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। राज्य सरकार, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और मंत्री विवेक वेंकटस्वामी युवाओं के लिए विदेशों में रोजगार अवसर उपलब्ध कराने के लिए विशेष पहल कर रहे हैं। हरिचंदना ने प्रशिक्षुओं को नियमित रूप से अपने मित्रों के साथ जर्मन भाषा में बातचीत करने और खाली समय में अभ्यास करने की सलाह दी। टॉमकॉम निदेशक कांति वेस्ली ने बताया कि टॉमकॉम ने जर्मनी की फेडरल एम्प्लॉयमेंट एजेंसी के साथ समझौता किया है। अब तक 46 नर्सों ने जर्मन भाषा प्रशिक्षण पूरा कर लिया है, जिनमें से 15 को ऑफर लेटर मिल चुके हैं, जबकि सात नर्सें पहले से जर्मनी में कार्यरत हैं।

खुले पानी के गड्ढे में गिरने से किशोरी की मौत

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मियापुर क्षेत्र स्थित एक अपार्टमेंट परिसर में खुले पानी के गड्ढे में गिरने से 13 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई। घटना सोमवार रात की बताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान सारा के रूप में हुई है। वह चरण और रेणुका की बेटी थी। परिवार मूल रूप से भद्राद्री कोठागुडेम जिले के तेकुलपल्ली मंडल के मद्दीराला थांडा का निवासी है। पुलिस के अनुसार, परिवार पिछले करीब दस वर्षों से मियापुर क्षेत्र में विभिन्न अपार्टमेंट में सुरक्षाकर्मी के रूप में काम कर रहा था। हाल ही में सारा के पिता ने गोकुल फ्लैट्स के पास स्थित श्री साई रेसिडेंसी में चौकीदार की नौकरी शुरू की थी।

बताया जा रहा है कि सोमवार रात करीब आठ बजे सारा अपार्टमेंट परिसर में खेल रही थी। इसी दौरान वह कथित रूप से खुले पानी के गड्ढे में गिर गई। काफी देर तक दिखाई नहीं देने पर परिवार ने उसकी तलाश शुरू की और बाद में उसे गड्ढे के अंदर बेहोशी की हालत में पाया। परिजन उसे तुरंत निजामपेट स्थित एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर मियापुर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। लड़की के पिता ने आरोप लगाया है कि अपार्टमेंट मालिक सीसीटीवी फुटेज दिखाने से इनकार कर रहा है और सबूतों से छेड़छाड़ की कोशिश की जा रही है। उन्होंने पुलिस पर भी पक्षपात करने का आरोप लगाया है। वहीं, पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

सीपीआई ने नीट संकट पर सरकार को घेरा, छात्रों को मुआवजे की मांग

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने नीट परीक्षा के संचालन पर कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि बार-बार प्रश्नपत्र लीक के आरोपों ने देश की शिक्षा व्यवस्था की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। मंगलवार को जारी बयान में डॉ.के. नारायण ने कहा कि इस परीक्षा प्रक्रिया में अनियमितताओं के आरोपों के कारण लगभग 22 लाख छात्रों और उनके अभिभावकों का भरोसा गंभीर रूप से प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि देश में केवल लगभग 1.3 लाख मेडिकल सीटें उपलब्ध हैं, जिससे प्रतिस्पर्धा अत्यधिक तनावपूर्ण और असमान हो जाती है। सीपीआई नेता ने आरोप लगाया कि लगातार सरकारों ने निजी कॉर्पोरेट शिक्षा व्यवस्था को बढ़ावा दिया है, जिससे शिक्षा का व्यवसायीकरण हुआ है और छात्रों पर दबाव बढ़ा है। उन्होंने इस स्थिति को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार की असफलता बताते हुए शर्मनाक करार दिया। डॉ. नारायण ने केंद्र सरकार को इस संकट के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए सभी नीट अभ्यर्थियों को मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने कॉर्पोरेट शैक्षणिक संस्थानों पर सख्त नियंत्रण लगाने, पारदर्शी और छात्र-हितैषी सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने तथा कथित पेपर लीक में शामिल लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग भी की।

दो ट्रकों की भिड़ंत के बाद लगी आग

दो लोगों की जिंदा जलकर मौत

खम्मम, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम जिले के तिरुमलयापलेम मंडल स्थित मेकाला थंडा के पास मंगलवार को खम्मम-वारंगल राष्ट्रीय राजमार्ग पर दो ट्रकों की आमने-सामने की टक्कर में दो लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। हादसे के बाद राजमार्ग पर लंबा जाम लग गया। पुलिस के अनुसार, आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम से महाराष्ट्र जा रहा कोयले से लदा ट्रक महबूबाबाद जिले के मारीपेडा से खम्मम आ रहे आलू से भरे ट्रक से टकरा गया। तेज रफ्तार के कारण टक्कर इतनी भीषण थी कि कोयले से लदे ट्रक में आग लग गई। आग की चपेट में आने से ट्रक चालक और एक अन्य व्यक्ति की मौके पर ही जलकर मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर तिरुमलयापलेम के उपनिरीक्षक के. जगदीश पुलिस टीम और दमकल कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। दुर्घटना के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर करीब पांच किलोमीटर लंबा जाम लग गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है।

कपड़े सुखाते समय करंट लगने से महिला की मौत

संगारेड्डी, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिले के अमीनपुर मंडल स्थित नर्रेगुडेम गांव में मंगलवार को कपड़े सुखाते समय करंट लगने से एक महिला की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। मृतका की पहचान येल्लम्मा (45) के रूप में हुई है, जो नर्रेगुडेम स्थित एक बेडरूम आवास कॉलोनी में रहती थी। बताया जा रहा है कि उसने कपड़े धोने के बाद उन्हें सुखाने के लिए तार पर डाला था। इसी दौरान कपड़े सुखाने वाला तार किसी तरह बिजली के चालू तार के संपर्क में आ गया, जिससे उसे जोरदार करंट लगा। गंभीर हालत में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। बीआरएस नेता माणिक यादव ने मृतका के परिवार से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया।

नीट-यूजी 2026 रद्द होने से छात्रों और डॉक्टरों में नाराजगी

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नीट-यूजी 2026 परीक्षा रद्द किए जाने के बाद तेलंगाना के चिकित्सा समुदाय में निराशा और नाराजगी का माहौल है। एमबीबीएस अभ्यर्थियों, डॉक्टरों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इस फैसले को शिक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर झटका बताया है। छात्रों और चिकित्साविदों ने कहा कि वर्ष 2024 में भी इसी तरह के आरोप सामने आए थे, लेकिन उस समय प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। उनका मानना है कि यदि तब सख्त कदम उठाए गए होते तो वर्तमान स्थिति पैदा नहीं होती। तेलंगाना जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन ने परीक्षा रद्द होने की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि इससे राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश प्रक्रिया की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचा है। संगठन ने कहा कि गंभीरता से तैयारी करने वाले छात्रों को मानसिक और भावनात्मक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

प्रख्यात संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. रंगा रेड्डी बुर्री ने मौजूदा परीक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि लगातार पेपर लीक और प्रवेश प्रक्रिया में अनियमितताओं के कारण परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता कम हो रही है। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रवेश के लिए शैक्षणिक प्रदर्शन को अधिक महत्व दिया जाना चाहिए। हेल्थकेयर रिफॉर्म्स डॉक्टर्स एसोसिएशन ने इसे व्यवस्थागत विफलता बताते हुए कहा कि प्रश्नपत्र लीक होना योग्यता आधारित चयन प्रक्रिया पर सीधा हमला है। वहीं, टीपीसीसी के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अध्यक्ष डॉ.एम. राजीव ने केंद्र सरकार और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी पर छात्रों के भविष्य को संकट में डालने का आरोप लगाया।

फर्जी नंबर प्लेट के इस्तेमाल पर आरोपी गिरफ्तार, आपराधिक मामला दर्ज

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी ट्रैफिक पुलिस ने प्रवर्तन कार्रवाई के दौरान फर्जी नंबर प्लेट के उपयोग का मामला उजागर किया है। इस सूचना के आधार पर अत्तापुर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सैयद रिजवान अली (उम्र 28 वर्ष), पुत्र सैयद आदिल अहमद, निवासी हैप्पी होम फॉर्च्यून, उप्परपल्ली, राजेंद्रनगर, रंगारेड्डी जिला, मूल निवासी एलुगेंडल (गांव), करीमनगर जिला के रूप में हुई है। जांच के दौरान पाया गया कि आरोपी ने सरकारी अधिकारियों एवं प्रवर्तन एजेंसियों को भ्रमित करने तथा ट्रैफिक चालान से बचने के उद्देश्य से फर्जी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट का उपयोग किया।

आरोपी द्वारा वाहन पर एमएच04केडब्ल्यू7706 (हुंडई क्रेटा) की फर्जी नंबर प्लेट लगाई गई थी। इस फर्जी नंबर प्लेट के कारण वास्तविक वाहन मालिक मुंबई निवासी यश मनोज पालरेचा (रहवासी वसईली नगर, मुलुंड वेस्ट, मुंबई) के नाम पर गलत ट्रैफिक चालान जनरेट हो गए। इस मामले में अत्तापुर पुलिस स्टेशन में एफआईआर संख्या 547/2026 दर्ज की गई है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 319(2) तथा मोटर वाहन अधिनियम की धारा 192 के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को बीएनएस की धारा 35(3) के तहत नोटिस जारी किया गया है, जो कि सीआरपीसी की धारा 41 के समकक्ष है। पुलिस आगे की जांच कर रही है ताकि आरोपी द्वारा उपयोग किए गए वास्तविक वाहन नंबर का पता लगाया जा सके।

यह मामला हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस और अट्टापुर पुलिस के संयुक्त प्रयासों से उजागर हुआ है। ट्रैफिक पुलिस ने जनता को चेतावनी दी है कि फर्जी, समान या छेड़छाड़ की गई नंबर प्लेट का उपयोग एक गंभीर अपराध है और इसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता तथा मोटर वाहन अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी और एएनपीआर कैमरों जैसी आधुनिक तकनीकों के माध्यम से ऐसे वाहनों की पहचान और निगरानी की जा रही है।

राजा नरसिम्हा ने नीट रद्द होने पर एनटीए की कड़ी आलोचना की

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने नीट परीक्षा रद्द किए जाने पर गहरी निराशा व्यक्त करते हुए इसे एक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति बताया है। मंगलवार को जारी एक बयान में मंत्री ने कहा कि इस वर्ष तेलंगाना के लगभग 70,000 छात्र और देशभर के 22 लाख से अधिक छात्र नीट परीक्षा में शामिल हुए थे और अब वे अपने परिणामों का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि एजेंसी छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है और नीट परीक्षा को सही तरीके से संचालित करने में पूरी तरह विफल रही है। राजा नरसिम्हा ने कहा कि पिछले अनुभवों से सबक लेने के बावजूद अधिकारियों ने परीक्षा को सुरक्षित और पारदर्शी ढंग से कराने में लापरवाही बरती है। एनटीए की गंभीर चूक के कारण 22 लाख छात्रों का भविष्य संकट में पड़ गया है और परीक्षा रद्द होने से लाखों छात्र एवं उनके परिवार भारी मानसिक तनाव का सामना कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार को इस गंभीर मामले पर तुरंत प्रतिक्रिया देनी चाहिए और इस बड़ी चूक के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। मंत्री ने आगे कहा कि राज्य सरकार इस मुद्दे पर प्रभावित छात्रों और उनके परिवारों के साथ खड़ी है और हर संभव समर्थन प्रदान करेगी।

जेलें केवल सजा नहीं, सुधार के केंद्र बनें : राज्यपाल

विशेष रूप से तैयार किए गए फील द जेल सेल्स का निरीक्षण

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि सामाजिक प्रगति के लिए केवल दंड ही नहीं, बल्कि सुधार भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जेलों को केवल कैद के केंद्रों से आगे बढ़ाकर आत्ममंथन, व्यक्तित्व विकास और नई शुरूआत के संस्थानों में परिवर्तित किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने मंगलवार को हैदराबाद के चंचलगुड़ा स्थित स्टेट इंस्टीट्यट ऑफ करेक्शनल एडमिनिस्ट्रेशन में फील द जेल अनुभवात्मक कार्यक्रम और जेल संग्रहालय का उद्घाटन करने के बाद ये बातें कहीं। अपने दौरे के दौरान राज्यपाल ने विशेष रूप से तैयार किए गए फील द जेल सेल्स का निरीक्षण किया, जिनका उद्देश्य आगंतुकों को जेल जीवन और कारावास की वास्तविकताओं का प्रत्यक्ष अनुभव कराना है। इसके बाद उन्होंने जेल संग्रहालय का उद्घाटन कर विभिन्न दीर्घाओं का अवलोकन किया, जिनमें जेल व्यवस्था के इतिहास और विकास को प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी में निजाम काल की जेलों, नागार्जुन सागर बांध निर्माण में कैदियों के योगदान, प्रसिद्ध हस्तियों जैसे दाशरथि कृष्णमाचार्युलु और कंचेरला गोपन्ना से जुड़े मॉडल जेल सेल, कैदियों के पुनर्वास, जेल उद्योगों तथा विभाग की उपलब्धियों को दर्शाया गया।

राज्यपाल ने कैदियों द्वारा निर्मित उत्पादों का भी अवलोकन किया और वाल्मीकि नामक डॉक्यूमेंट्री देखी, जिसमें कैदियों के व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए किए जा रहे सुधारात्मक उपायों को दर्शाया गया। सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि जेल संग्रहालय का उद्घाटन केवल एक नई सुविधा का शुभारंभ नहीं, बल्कि राज्य की अधिक मानवीय और सुधारोन्मुख न्याय प्रणाली की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि पुरानी बेड़ियों और जेल कोठरियों का प्रदर्शन अतीत की कठोर दंड व्यवस्था की याद दिलाता है, जबकि कौशल विकास और जेल में निर्मित उत्पादों पर दिया गया जोर प्रतिशोध से परिवर्तन की दिशा में सार्थक बदलाव को दर्शाता है। राज्यपाल ने कहा कि किसी भी प्रगतिशील समाज का वास्तविक चरित्र इस बात से तय होता है कि वह अपराध करने वालों के सुधार के प्रति कितनी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी दिखाता है। उन्होंने कहा कि कैदियों का पुनर्वास समाज की नैतिक जिम्मेदारी है। राज्यपाल ने इस पहल की परिकल्पना और क्रियान्वयन के लिए डॉ. सौम्या मिश्रा तथा विभाग के अन्य अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने विश्वास जताया कि जेल संग्रहालय केवल एक पर्यटन आकर्षण ही नहीं, बल्कि शिक्षा, शोध और जनजागरूकता का महत्वपूर्ण मंच भी बनेगा।

20 लाख का इनामी माओवादी नेता पत्नी संग आत्मसमर्पण

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। माओवादी विरोधी अभियान में बड़ी सफलता हासिल करते हुए वरिष्ठ माओवादी नेता पसुनूरी नरहरि उर्फ संतोष ने अपनी पत्नी के साथ तेलंगाना पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया।

नरहरि पर 20 लाख रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हनमकोंडा जिले के काजीपेट मंडल के सोमदी गांव निवासी नरहरि पिछले करीब तीन दशकों से भूमिगत था। वह वर्ष 1996 में माओवादी संगठन से जुड़कर सक्रिय हुआ था और लंबे समय से संगठन की विभिन्न गतिविधियों में शामिल रहा। बताया जा रहा है कि कॉलेज के दिनों में वह पूर्व जनयुद्ध नेताओं पुली अंजैया और क्रांति राणादेव से प्रभावित हुआ था। इसके बाद उसने माओवादी संगठन में शामिल होकर कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालीं। आत्मसमर्पण के समय 57 वर्षीय नरहरि झारखंड में माओवादी संगठन के पूर्वी क्षेत्रीय ब्यूरो में तकनीकी जिम्मेदारी निभा रहा था। खुफिया विभाग के सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा बलों द्वारा सरंडा जंगल में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाए जाने के बाद नरहरि और उसकी पत्नी ने आत्मसमर्पण करने का फैसला किया।

निःशुल्क कोचिंग कार्यक्रम संपन्न, 150 छात्रों ने लिया लाभ

कुमराम भीम आसिफाबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कागजनगर कस्बे के संभागीय संसाधन केंद्र (डीआरसी) परिसर में तेलंगाना पॉलिटेक्निक कॉमन एंट्रेंस टेस्ट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आयोजित एक माह का निःशुल्क कोचिंग कार्यक्रम मंगलवार को संपन्न हो गया। इस पहल का संचालन जिला विज्ञान अधिकारी कटकम मधुकर के निर्देशन में किया गया।

कटकम मधुकर ने बताया कि यह कोचिंग कार्यक्रम 15 अप्रैल से शुरू होकर 12 मई तक चला। कार्यक्रम में मधुकर, शब्बीर, मोहन, श्यामसुंदर, त्रिवेनी और शांति कुमारी सहित कई विषय विशेषज्ञों और सरकारी शिक्षकों ने करीब 150 छात्रों को प्रशिक्षण दिया। इसमें जिले के विभिन्न सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के कक्षा 10 के छात्र शामिल हुए।

उन्होंने बताया कि सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक चलने वाली कोचिंग में छात्रों को टीजी पॉलीसेट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई गई। साथ ही सरकारी नौकरियों की तैयारी के लिए भी विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को निजी कॉलेजों की ओर से नाश्ता और कोनेरू ट्रस्ट की ओर से दलिया उपलब्ध कराया गया। मधुकर ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में 400 से अधिक छात्र इस कोचिंग कार्यक्रम से लाभान्वित हो चुके हैं। इनमें से लगभग 350 छात्र विभिन्न आवासीय विद्यालयों और अन्य प्रवेश परीक्षाओं में सफल रहे हैं। छात्रों ने कोचिंग कार्यक्रम के लिए शिक्षकों और मंडल शिक्षा अधिकारी वसाला प्रभाकर का आभार व्यक्त किया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, No. 14682167F, Hav, Raja R, R,/o, Dist: Tiruvannamalai, Tamil Nadu, changed my Father's name from A Ragu to Raghu A, vide Affidavit No. 466669 dt. 11.05.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, JC 775353N, Sub, Ajith Kumar S, R/o, Dist: Kollam, Kerala, changed my Son's name from Ayush Ajit to Ayush Ajith, vide Affidavit No. 466674 dt. 11.05.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, JC 778042L, Sub, A Martin, R/o, Dist: Tiruchirappalli, Tamil Nadu, changed my Mother's name from Annammal to Annammal A, vide Affidavit No. 466675 dt. 11.05.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या

बीजेपी जिला मंत्री समेत 8 पर एफआईआर, मां बोली-एनकाउंटर के बाद ही अंतिम संस्कार करेंगे

धौलाना, 12 मई (एजेंसियां)। हापुड़ में प्रॉपर्टी डीलर की सोमवार रात 11 बजे गोली मारकर हत्या कर दी गई। प्रॉपर्टी डीलर अतुल तोमर (32) कार से शादी समारोह से लौट रहे थे, तभी चार लोगों ने उनकी कार रुकवाई। शीशा खोलने का इशारा किया। बात न मानने पर बदमाशों ने शीशा तोड़कर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

एक गोली अतुल के सीने में लगी। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। गोलियों की आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोग दौड़ते हुए मौके पर पहुंचे। खून से लथपथ अतुल को देखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने अतुल को अस्पताल में भर्ती कराया। देर रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मामला जिला मुख्यालय से 15 किमी दूर पिलखुआ क्षेत्र में रिलायंस रोड का है। परिजनों का आरोप है कि पिछले एक साल से एक प्लॉट को लेकर कुछ लोगों से विवाद चल रहा था। उन्होंने ही अतुल को मारा है।

प्रयागराज संगम पर लुप्त सरस्वती नदी मिल गई?

वैज्ञानिकों को मिले पुख्ता सबूत

प्रयागराज, 12 मई (एजेंसियां)। वैज्ञानिकों ने प्रयागराज में गंगा और यमुना के बीच आधुनिक उपकरणों की मदद से एक बड़ी रिसर्च की है। उन्हें जमीन में काफी गहराई पर एक बड़ा दबा हुआ पैलियो नदी चैनल मिला है। इसका आकार वैसा ही है जैसी गंगा और यमुना का। क्या यह वही सरस्वती नदी है जिसके बारे में कहा जाता है कि वह प्राचीन काल में लुप्त हो गई थी।

प्रयागराज में तीन नदियों का संगम, मौजूद सिर्फ दो

भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में सदियों से प्रयागराज को तीन नदियों गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम माना जाता रहा है। इनमें से गंगा और यमुना को तो सभी देखते हैं, लेकिन सरस्वती दिखाई नहीं देती है। सरस्वती के बारे में कहा जाता है कि वह अदृश्य हो चुकी है। फिर भी संगम पर गंगा और यमुना के साथ सरस्वती की भी पूजा होती है। देश के एक बड़े शोध संस्थान के वैज्ञानिकों ने अब यह दावा किया है कि जमीन के नीचे एक तीसरे दबे हुए नदी के चैनल के पक्के साइंटिफिक सबूत मिले हैं। उनका यह दावा अतीत में सरस्वती नदी का भी अस्तित्व होने के दावे को मान्यता देने वाले हैं।

गंगा और यमुना के बीच पैलियो नदी चैनल मिला

एनडीटीवी की एक रिपोर्ट के अनुसार, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और नेशनल जियोफिजिकल रिसर्च इंस्टिट्यूट (एनजीआरआई), हैदराबाद के शोधकर्ताओं ने प्रयागराज के पास एडवांस्ड एयरबोर्न जियोफिजिकल टेक्नीक और कन्फर्मेटरी ड्रिलिंग का इस्तेमाल करके गंगा-यमुना दोआब में गंगा और यमुना के बीच बहने वाले एक बड़े पैलियो नदी चैनल की पहचान की है। पैलियो नदियां वे पुरानी नदियां हैं जो कभी सतह पर बहती थीं, लेकिन अब मिट्टी की परतों के नीचे दबी हुई हैं।

जमीन के नीचे नदी चैनल की पुष्टि हुई

वैज्ञानिक और पैलियो नदी चैनलों के विशेषज्ञ डॉ सुभाष चंद्रा का कहना है कि यह खोज साइंटिफिक रूप से मजबूत और फिजिकली वेरिफाइड दोनों है। डॉ चंद्रा ने कहा, इस बात की पुष्टि हो गई है और इसे सील कर दिया गया है। हमने पहचाने गए पैलियो चैनल पर खास ड्रिलिंग की है और असल में इसके होने की पूरी तरह से पुष्टि हो गई है। इसमें कोई शक नहीं है।

जमीन से 10-15 मीटर नीचे छुपी नदी

पैलियो नदी जमीन की सतह से 10 से 15 मीटर नीचे है, जो पूरी तरह से जलोढ़ जमाव से ढकी हुई है। इसका सतह पर कोई निशान नहीं दिखता है। डॉ चंद्रा के अनुसार, इसकी खासियतें इसे जमीन के नीचे की नदियों या छोड़ी गई नदियों से अलग बनाती हैं। उन्होंने बताया, यह एक बड़ी पैलियो नदी है जिसकी साइज बराबर है, गंगा और यमुना के बेस लेवल जैसी ही है। क्योंकि उनकी गहराई का लेवल एक जैसा है, इससे पता चलता है कि यह पूरी तरह से एक तीसरी नदी है, न कि वही नदी जो आगे बढ़ रही है या रास्ता बदल रही है।

गंगा और यमुना की तरह बहाव के पैटर्न

जमीन के नीचे दबी हुई नदी लगभग चार से पांच किलोमीटर चौड़ी है, जो गंगा और यमुना दोनों के बराबर है। चैनल में भी गंगा-यमुना नदियों जैसे घुमावदार पैटर्न दिखते हैं, जिससे पता चलता है कि यह काफी समय तक उनके साथ-साथ बहती थी।

करीब 200 किलोमीटर की लंबाई

इस रिसर्च की शुरुआत में वैज्ञानिकों ने जमीन के नीचे की नदी के 45 किलोमीटर के हिस्से का मैप बनाया। बाद के फेज में नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा के सपोर्ट से सर्वे को कानपुर तक बढ़ाया गया, जिससे कुल लंबाई लगभग 200 किलोमीटर तय हुई। वैज्ञानिकों के मुताबिक इस बात की बहुत ज्यादा संभावना है कि पैलियो नदी और भी पश्चिम में फैली हो, संभवतः हिमालयी इलाके की ओर।

आगरा में बड़ा हादसा

यमुना में डूब गए छह युवक-युवतियां और किशोर, चार की मौत

आगरा, 12 मई (एजेंसियां)। आगरा के बल्केश्वर घाट पर मंगलवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। भीषण गर्मी में यमुना में डुबकी लगाने के लिए कूदे छह युवक-युवतियां संग एक किशोर डूब गया। इन सभी को एक साथ डूबते हुए देख घाट पर अफरा-तफरी मच गई। मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद थाना पुलिस और राहत टीम मौके पर पहुंच गई।

पुलिस और स्थानीय गोताखोरों ने तत्काल बचाव कार्य शुरू कर दिया। कड़ी मशक्कत के बाद पांच युवक-युवतियों को यमुना से बाहर निकाल लिया गया। इनमें से हालत गंभीर होने पर तीन को उपचार के लिए एसएन अस्पताल की इमरजेंसी भेजा गया, जहां दो युवक और एक युवती की मौत हो गई। उधर घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजन भी मौके पर पहुंच गए। उनका रो-रोकर हाल बेहाल है। वहीं यमुना में दो घंटे की तलाश के बाद किशोर की भी लाश मिल गई। किशोर के शव को देख परिजनों में चीख पुकार मच गई।

डीसीपी सिटी सैय्यद अली अब्बास ने बताया कि यमुना में नहाने के लिए 19 वर्षीय महक पुत्री कालीचरण, 22 वर्षीय कान्हा पुत्र रिंकू सिंह, 20 वर्षीय अंशु पुत्री कालीचरण निवासी कुंजनपुर, थाना सादाबाद और 17 वर्षीय रिया पुत्री मनोज, 11 वर्षीय विक्की पुत्र राकेश आए थे। डीसीपी ने बताया कि महक , रिया ,कान्हा, काजल, अंशु को यमुना नदी से बाहर निकाल लिया गया है।

इन सभी को उपचार के लिए एसएन अस्पताल की इमरजेंसी भेजा गया, जहां उपचार के दौरान कान्हा, महक और रिया की मौत हो गई। वहीं विक्की की लाश भी यमुना से निकाल ली गई।

26 घंटे में 3 हत्याएं करने वाला साइको किलर ढेर

यूपी पुलिस बोली-आरोपी ने पिस्तौल छीनकर फायरिंग की, एनकाउंटर में मारा गया

चंदौली, 12 मई (एजेंसियां)। यूपी में चलती ट्रेन और अस्पताल में तीन हत्याएं करने वाला साइको किलर सोमवार रात 12 बजे पुलिस एनकाउंटर में मारा गया। चंदौली एसपी आकाश पटेल ने बताया- पुलिस आरोपी को क्राइम सीन रीक्रिएट कराने के लिए लेकर गई थी। इसी दौरान उसने पुलिस अफसर की पिस्टल छीन ली और फायरिंग करते हुए भागने की कोशिश की।

पुलिस की जवाबी फायरिंग में उसे सिर और सीने में गोली लग गई। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मुठभेड़ शहर से 15 किमी दूर दरियापुर रेलवे लाइन के पास हुई। इसमें दो पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। सेना से रिटायर साइको किलर गुरप्रीत सिंह (45) पंजाब का रहने वाला था। उसने चंदौली में 26 घंटे के भीतर बेवजह तीन हत्याएं की थीं। तीनों वारदातों का पैटर्न एक जैसा था- गोली सीधे कनपटी पर मारी गई थी।

आरोपी ने 26 घंटे में 3 हत्याएं की थीं

गुरप्रीत ने पहली हत्या रविवार (10 मई) सुबह करीब 7 बजे पैसेंजर ट्रेन में एक युवक को गोली मार दी। दूसरी हत्या रविवार रात 2 बजे जम्मूतवी एक्सप्रेस ट्रेन में बाथरूम गए युवक को गोली मार दी। तीसरी हत्या सोमवार सुबह साढ़े 8 बजे की। इसमें आरोपी ने प्राइवेट अस्पताल में घुसकर बेड पर लेटी महिला की कनपटी पर पिस्टल सटाकर गोली मार दी। महिला की हत्या करके भागने लगा तो भीड़ ने पकड़कर पीटा, फिर पुलिस के हवाले कर दिया। पिटाई से गुरप्रीत जख्मी हो गया था। पुलिस ने उसका इलाज कराया। जब वह बोलने लायक हुआ तो महिला की हत्या करने की वजह पूछी गई। जवाब में उसने कहा- मैं मन का राजा हूं। शराब पीने के बाद मैं होश में नहीं रहता। घूम-घूमकर जो मन में आता है, करता हूं। एक नहीं, दो-तीन को मारकर आया हूं। ये जवाब सुनकर पुलिस चौंक गई। सख्ती से पूछताछ करने पर अपने सारे जुर्म कबूल कर लिए।

6 साल पहले सेना से रिटायर हुआ था

गुरप्रीत सिंह छह साल पहले आर्मी से रिटायर हुआ था। वह पंजाब के तरनतारन जिला के तरहतूचक गांव का रहने वाला था। उसके परिवार में पिता तरसेम सिंह (65), भाई सर्वजीत सिंह (47), भाई मनजीत सिंह (40), पत्नी रमनजीत कौर और दो बच्चे अश्विन कौर (14) और गुरसेवक सिंह (13) हैं।

46 साल पुराने हत्या मामले में पूर्व विधायक विजय मिश्रा दोषी करार

प्रयागराज, 12 मई (एजेंसियां)। विशेष न्यायाधीश एमपी/एमएलए कोर्ट के जज योगेश कुमार तृतीय ने 1980 के एक हत्या मामले में पूर्व विधायक विजय मिश्रा समेत चार लोगों को दोषी ठहराया है। विजय मिश्रा भदोही जिले के विधायक थे और वर्तमान में जेल में बंद हैं।

यह हत्याकांड साल 1980 का है, जब प्रयागराज कचहरी परिसर के भीतर ही दिनदहाड़े हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया था। इस मामले में विजय मिश्रा को मुख्य आरोपियों बनाया गया था। विजय मिश्रा तीन बार सपा और एक बार निषाद पार्टी से विधायक रह चुके। कोर्ट द्वारा दोषी ठहराए जाने के बाद अब सभी की निगाहें सजा के एलान पर टिकी हैं। विशेष अदालत जल्द ही विजय मिश्रा समेत अन्य तीन दोषियों की सजा पर फैसला सुनाएगी।

कानूनी जानकारों के अनुसार, हत्या जैसे संगीन मामले में दोष सिद्ध होने पर विजय मिश्रा को उम्रकैद या इससे भी कठोर सजा मिल सकती है। फैसले के बाद कोर्ट परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है।

राम, श्याम, इमरान, खुर्शीदा के खाते में एक ही नंबर 40 करोड़ से अधिक का मिला ट्रांजेक्शन

कानपुर, 12 मई (एजेंसियां)। कानपुर में साइबर ठगों, डिजिटल अरेस्ट करने वाले और सट्टेबाजों की रकम 100 से अधिक म्यूल खातों में ठिकाने लगाई गई है। इनमें 42 बैंक अकाउंट ऐसे हैं, जिनको 16 से 18 मोबाइल नंबरों के सहारे खोला गया। पुलिस जांच में एक ही मोबाइल नंबर से चार, पांच और छह अलग अलग बैंकों में खाता खोले जाने की जानकारी हुई है। राम मनोहर, श्याम सुंदर, इमराम अली, खुर्शीदा बेगम जैसे खाताधारकों के अकाउंट एक ही नंबर पर चलते मिले।

42 खातों में लगभग 40 करोड़ का ट्रांजेक्शन हुआ है। बर्रा पुलिस ने 30 अप्रैल को अवैध रकम ठिकाने लगाने में आठ आरोपियों को जेल भेजा। एक्सिस बैंक कन्नौज शाखा के ऑपरेशनल हेड धर्मेंद्र सिंह, डिप्टी मैनेजर अमित सिंह, स्वरूपनगर के सीएसबी बैंक मैनेजर अमित कुमार, यूनिटी स्मॉल बैंक फाइनेंस के रिलेशनशिप मैनेजर आशीष कुमार, वरुण विहार के सोनू शर्मा, सतीश पांडेय, तनिष गुप्ता और गोविंदनगर के साहिल विश्वकर्मा शामिल हैं।

कई टीमें आरोपियों की तलाश में लगी हुई हैं

पुलिस को आरोपियों की जांच में बर्रा आठ के राजबीर सिंह यादव की जानकारी हुई। वह गिरोह का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। उस पर आगरा के संचित अग्रवाल के साथ मिलकर कई म्यूल खातों को खुलवाने और उसमें रुपये के लेनदेन की बात सामने आई। पुलिस की कई टीमें आरोपियों की तलाश में लगी हुई हैं। बर्रा इंस्पेक्टर रविंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी रकम को दूसरे, तीसरे, चौथे, पांचवें और उसके आगे की लेयर तक पहुंचाने का कार्य कर रहे थे।

खाते अलग-अलग बैंकों में, उनमें लगा मोबाइल नंबर एक ही

कई बार चेन बीच में तोड़ी गई है, जिससे पुलिस या अन्य जांच एजेंसियां गिरोह तक न पहुंच सके। पुलिस को आरोपियों के पास से 100 से अधिक म्यूल खातों का पता चला है। यह फर्जी दस्तावेजों और मोबाइल नंबरों से खुलवाए गए हैं। इनमें 42 खाते तो ऐसे हैं, जिनमें 16 से 18 मोबाइल नंबरों से खोला गया है। यह खाते अलग अलग बैंकों में जरूर हैं, लेकिन उनमें लगे मोबाइल नंबर एक ही है। इन नंबरों की जांच कराई जा रही है।

तीन बैंक कर्मियों के मोबाइल पर खुले खाते

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक यह गिरोह कानपुर ही नहीं कई शहरों में फैला हुआ है। कानपुर और आसपास के जिलों के गिरोह की जिम्मेदारी म्यूल खाते खुलवाने और रकम को ठिकाने लगाने की थी। जांच में सामने आया है कि म्यूल खातों में मोबाइल नंबर तीन बैंक कर्मियों के लगे हुए हैं। उनकी जांच की जा रही है।

पुलिस उनको जल्द ही हिरासत में ले सकती है। बर्रा इंस्पेक्टर के मुताबिक एक निजी बैंक को म्यूल खातों को खोले जाने के साथ कुछ जानकारियां साझा न करने की वजह से नोटिस जारी किया गया है। दो अन्य बैंकों से पुराने दस्तावेजों के संबंध में जानकारी जुटाई गई है।

'अखिलेश यादव के सामने एबटाबाट का मौलाना भी फेल, ब्रेन वाश में माहिर हैं'

ओमप्रकाश राजभर फिर बरसे

लखनऊ, 12 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के समाजवादी पार्टी के सांसद अजेंद्र सिंह लोधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर अमर्यादित टिप्पणी की और उन्हें 'देश विरोधी' तक कह दिया। इस पर उत्तर प्रदेश के मंत्री और एनडीए के सहयोगी दल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने तीखी प्रतिक्रिया जताई है। उन्होंने कहा है कि लोधी का बयान वास्तव में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के शब्द हैं।

ब्रेन वाश करने में इतने माहिर हैं अखिलेश

ओपी राजभर ने एक्स पर एक पोस्ट में सपा सांसद के बयान पर अखिलेश यादव से माफी मांगने के लिए कहा है। राजभर ने अपनी पोस्ट में लिखा है, 'अखिलेश यादव ब्रेन वाश करने में इतने माहिर हैं कि पाकिस्तान के एबटाबाट का मौलाना भी उनके सामने फेल है। मैं उनके साथ गठबंधन में रहा हूं, इसलिए ठीक से जानता हूं। उनसे मिलने के बाद कोई आम इंसान भी किसी को गाली दे दे, पीट दे या गोली मार दे तो ये बहुत सामान्य बात है।' उन्होंने लिखा है, 'ऐसा अक्सर होता है, जो उनके कार्यकर्ता करते रहते हैं, उनका रूटीन वर्क है, माननीय योगी आदित्यनाथ जी की सरकार में वे जेल भी जाते हैं, जिसे पूरा प्रदेश आए दिन देखता है। लेकिन एक बात और है अखिलेश यादव अगर ढंग से किसी को समझा दें तो वह ह्यूमन बम बनकर भी फट सकता है।' राजभर ने लिखा है, 'सपा के हमीरपुर सांसद ने कल माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के लिए जिस शब्द का इस्तेमाल किया है, वो अखिलेश यादव के ही शब्द हैं। वरना इस तरह की भाषा का प्रयोग कोई जनप्रतिनिधि तो छोड़िए, सामान्य व्यक्ति भी नहीं करता।

पहलवान विनेश बोलीं-इन बेशर्मों को क्या फर्क पड़ता है, गोंडा से हरियाणा लौटीं

बृजभूषण के सांसद बेटे का जवाब-जाहिलों को सिखा नहीं सकते

गोंडा, 12 मई (एजेंसियां)। गोंडा में हो रही सीनियर नेशनल ओपन कुश्ती चैंपियनशिप में खेलने पर अड़ीं पहलवान विनेश फोगाट मंगलवार सुबह हरियाणा लौट गई हैं। उन्होंने आज चैंपियनशिप में कुश्ती लड़ने का ऐलान किया था, लेकिन गोंडा नहीं पहुंचीं। विनेश को भारतीय कुश्ती महासंघ ने 9 मई को एंटी-डोपिंग नियमों के उल्लंघन के आरोप में कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए चैंपियनशिप में बैन कर दिया था। इसके बावजूद वह सोमवार को गोंडा के स्टेडियम पहुंच गई थीं। वहां दैनिक भास्कर से बातचीत में कहा- मुझे कोई भी दिक्कत आए, इन बेशर्मों को क्या फर्क पड़ता है। इसके बाद विनेश गोंडा से अयोध्या वापस आ गई थीं।

इधर, पहलवान साक्षी मलिक विनेश फोगाट के समर्थन में उतर आई हैं। उन्होंने पीएम, खेल मंत्री और रेसलिंग फेडरेशन से अपील की कि विनेश का ट्रायल कराया जाए, ताकि वह देश के लिए पदक जीत सकें। वहीं, पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के सांसद बेटे करण भूषण सिंह ने विनेश के बयान पर पलटवार करते हुए उन्हें जाहिल बता दिया। कैसरगंज से भाजपा सांसद ने कहा-कोई जाहिल है तो उसको हम लोग सिखा नहीं सकते। हर किसी को अपनी मर्यादा पता होनी चाहिए। हम लोगों को भी कई बातें बुरी लगती हैं, लेकिन हम कुछ नहीं कहते।

'विनेश दर्शक बनकर कुश्ती देखना चाहें तो देख सकती हैं'

इससे पहले, डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा- विनेश कुश्ती नहीं खेल सकती हैं। वह दर्शक बनकर कुश्ती देखना चाहें तो देख सकती हैं। विनेश से मेरी बात हुई है। अभी तक उन्होंने कारण बताओ नोटिस का जवाब नहीं दिया। इसके बावजूद वह कह रही थीं कि उन्हें इस टूर्नामेंट में कुश्ती लड़ने दी जाए। डब्ल्यूएफआई के नियमों के अनुसार, बिना जवाब दिए वे टूर्नामेंट में नहीं लड़ सकतीं। उन्हें यही बात बताई गई। हालांकि, विनेश ने दावा किया कि उन्होंने जवाब दाखिल कर दिया है।

गोंडा में विनेश ट्रेनिंग सेंटर बंद होने पर लौट गई थीं

सोमवार शाम 4 बजे विनेश फोगाट गोंडा के नंदनी नगर स्टेडियम के ट्रेनिंग सेंटर पहुंची थीं, लेकिन ट्रेनिंग सेंटर बंद मिला। इसके बाद विनेश ने मीडियाकर्मियों के सामने ही डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह को फोन किया, लेकिन फोन बिजी आ रहा था। इसके बाद उन्होंने मीडियाकर्मियों से बातचीत की। उन्होंने कहा- मैंने एक जवाब दे दिया है। दूसरा जवाब भी तैयार कर रही हूं। मेरे पूरे जवाब से पहले ही मुझे कैसे दोषी करार दे दिया गया, इसके बाद वह गोंडा से लौट गईं। रात में अयोध्या में एक होटल में रुकीं।

संजय सिंह बोले-भाजपा राज में नौजवानों का भविष्य सुरक्षित नहीं

माफिया का गठजोड़ देश को बर्बाद कर रहा

लखनऊ, 12 मई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने मंगलवार को नीट परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर भाजपा सरकार पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी शिक्षा माफिया के साथ मिलकर देश के नौजवानों का भविष्य बर्बाद करने में लगी हुई है।

उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा का पेपर पहली बार लीक नहीं हुआ है, इससे पहले वर्ष 2024 में भी पेपर लीक हुआ था और अब 3 मई को हुई परीक्षा में 180 में से 135 सवाल लीक होने का मामला सामने आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा से जुड़े लोग शिक्षा माफिया के पूरे गिरोह को संरक्षण दे रहे हैं, जिसकी वजह से बार-बार पेपर लीक की घटनाएं हो रही हैं और लाखों छात्र-छात्राओं तथा उनके परिवारों का भविष्य अंधकार में धकेला जा रहा है।

संजय सिंह ने कहा कि देश के लाखों नौजवान दिन-रात मेहनत करके प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन भाजपा सरकार और उसके संरक्षण में पल रहे शिक्षा माफिया उनके सपनों को कुचलने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आखिर यह पता लगाया जाना चाहिए कि पेपर लीक कराने वाले लोग कौन हैं, किसके संरक्षण में यह पूरा खेल चल रहा है और किन भाजपा समर्थित लोगों के जरिए शिक्षा के नाम पर यह संगठित कारोबार चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब भी निष्पक्ष जांच होगी तो यह साफ हो जाएगा कि इस पूरे नेटवर्क के तार कहीं न कहीं भाजपा से जुड़े लोगों तक पहुंचते हैं और यही कारण है कि दोषियों को बार-बार बचाया जाता है। संजय सिंह ने कहा कि इस बार नीट परीक्षा में करीब 22 लाख छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया था।

सीएम सम्राट चौधरी का बिहार के प्राइवेट स्कूलों को फरमान-यह बातें नहीं मानी तो कड़ी कार्रवाई तय

पटना, 12 मई (एजेंसियां)। पिछले कई दिनों से बिहार के प्राइवेट स्कूलों के मनमानी पर रोक लगाने की मांग हो रही थी। अभिभावक बच्चों की महंगी फीस और हर साल महंगी-महंगी किताबों के बदलने से परेशान हैं। अब इसको लेकर बिहार सरकार ने गंभीरता से लिया है। सरकार ने निजी स्कूलों की मनमानी पर लगाम लगाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री सम्राट ने कहा कि प्रदेश के निजी विद्यालयों में फीस नियंत्रण, पारदर्शिता और छात्रों-अभिभावकों के हितों की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है।

फीस से जुड़ी सारी जानकारी सार्वजनिक करना अनिवार्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब निजी विद्यालयों को फीस से जुड़ी पूरी जानकारी सार्वजनिक करना अनिवार्य होगा। साथ ही मनमाने तरीके से फीस बढ़ाने और अनावश्यक शुल्क वसूलने पर रोक लगाई जाएगी। इसके अलावा अभिभावकों को किताबें और यूनिफॉर्म अपनी सुविधा अनुसार कहीं से भी खरीदने की स्वतंत्रता मिलेगी। स्कूल किसी विशेष दुकान से खरीदारी के लिए दबाव नहीं बना सकेंगे। सीएम सम्राट चौधरी ने यह भी स्पष्ट किया है कि फीस बकाया रहने की स्थिति में भी किसी छात्र को परीक्षा देने या परिणाम प्राप्त करने से वंचित नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट ने कहा कि आदेशों का उल्लंघन करने वाले निजी स्कूलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बरेली में आलीशान घर में महारानी की तरह रहती थी विप्रा शर्मा

पुलिस ने तलाशी ली तो रह गई दंग

बरेली, 12 मई (एजेंसियां)। बरेली में खुद को आईएएस बताकर लाखों रुपये की ठगी करने की आरोपी विप्रा शर्मा आलीशान घर में इतने रुतबे से रहती थी कि किसी को उसके फर्जी अधिकारी होने पर शक ही नहीं हो सका। उसके घर की तलाशी ली तो पुलिस भी हैरत में थी। पुलिस को घर से करीब दो सौ जोड़ी ब्रांडेड कंपनी के कपड़े मिले। अधिकांश कपड़ों से टैग ही नहीं हटे थे। विप्रा शर्मा की पोल खुली तो पड़ोसी भी हैरान रह गए।

पहला मामला दर्ज होने के बाद जब बारादरी थाना प्रभारी विजेंद्र सिंह व उनकी टीम ने विप्रा शर्मा व उसकी बहनों की गिरफ्तारी की तो भी आरोपी बहनें शुरू में पुलिस को दबाव में लेने की कोशिश करती रही। हालांकि पीड़ित को पुलिस के साथ देखकर तीनों बहनें माजरा समझ गईं और मामला रफादफा करने का प्रयास करने लगीं। पुलिस ने उनकी एक न सुनी और उन्हें थाने ले आई। इससे पहले साक्ष्य जुटाने के लिए परिजनों की मौजूदगी में ही विप्रा के घर की तलाशी ली गई। बेहद पढ़े लिखे लोगों की कॉलोनी गोल्डन ग्रीन पार्क में पुलिस ने पड़ोसियों से पूछताछ की तो वह लोग भी विप्रा की असलियत जानकर हैरत में थे। पड़ोस में रहने वाले बुजुर्ग वकील भी यहां थे। उन्होंने बताया कि सामने पड़ने पर विप्रा को वह खुद ही अभिवादन कर लेते थे। उन्हें इस बात पर गौरव की अनुभूति होती थी कि उनके पड़ोस की कोई लड़की इतने बड़े पद पर है। जब उसकी सच्चाई सामने आई तो होश उड़ गए। बारादरी थाना प्रभारी विजेंद्र सिंह के मुताबिक आलीशान घर में सुख सुविधा और विलासिता के सभी इंतजाम थे। लाइट जाने पर जनरेटर की भी व्यवस्था थी और नौकर भी थे। अलमारियां खोलने पर महिला पुलिसकर्मी हैरत में पड़ गईं। नामी ब्रांडों के करीब दो सौ जोड़ी कपड़े मौजूद थे। अधिकांश कपड़े बिल्कुल नए थे। उन पर कीमत व कंपनी का टैग भी लगा था। टैग देखकर लगा कि कोई भी कपड़ा सस्ता या हल्के ब्रांड का नहीं था।

'इतिहास इसे जरूर याद रखेगा'

अमेरिका-रूस के बीच फंसे भारत के किस फैसले पर बोलीं प्रिंयका चतुर्वेदी?

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में तनाव में आई कमी के बावजूद भारत ने रूस से लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) खरीदने से मना कर दिया है। भारत ने रूस के उस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है जिसमें रूस ने उसे अमेरिका द्वारा प्रतिबंधित एलएनजी बेचने की पेशकश की थी। मामले की प्रत्यक्ष जानकारी रखने वाले दो सूत्रों ने बताया कि इसके चलते भारत जा रहा एक टैंकर अधर में लटका हुआ है, जबकि स्वीकृत कार्गो पर बातचीत जारी है। इस बीच, शिवसेना (यूबीटी) गुट की पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने इस मसले पर केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा है।

इतिहास इसे जरूर याद रखेगाः प्रियंका चतुर्वेदी

प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि अमेरिका के साथ एक व्यापार समझौते की खातिर, भारत ने अपनी ऊर्जा ज़रूरतों से जुड़े संप्रभु निर्णय लेने की अपनी क्षमता ही खो दी। इतिहास इसे जरूर याद रखेगा। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि अब घबराहट पैदा करने वाले भाषणों का दौर शुरू हो चुका है। अमेरिका के साथ एक व्यापार समझौते की खातिर, भारत ने अपनी ऊर्जा जरूरतों से जुड़े संप्रभु निर्णय लेने की अपनी क्षमता ही खो दी। इतिहास इसे जरूर याद रखेगा। प्रियंका चतुर्वेदी, पूर्व राज्यसभा सांसद

अमेरिका के साथ एक व्यापार समझौते की खातिर, भारत ने अपनी ऊर्जा जरूरतों से जुड़े संप्रभु निर्णय लेने की अपनी क्षमता ही खो दी। इतिहास इसे जरूर याद रखेगा।

पूर्व राज्यसभा सांसद ने एक्स पर लिखा, एक व्यापार समझौते की आड़ में, अमेरिका के सामने रूसी तेल और गैस खरीदने के अपने अधिकार सरेंडर करने के बाद, अमेरिका ने खरीद के लिए 16 मई तक का समय दिया था। ऐसा लगता है कि अब इस समय-सीमा को आगे नहीं बढ़ाया जाएगा, और इसके जो भी परिणाम होंगे, वे भारतीयों को ही भुगतने पड़ेंगे। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि अब घबराहट पैदा करने वाले भाषणों का दौर शुरू हो चुका है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने एक सूत्र के हवाले से बताया कि भारत की हिचकिचाहट के कारण, बाल्टिक सागर में स्थित रूस के उस पोर्टोवाया प्लांट से आया एलएनजी कार्गो खाली नहीं हो पा रहा है, जिस पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगा रखे हैं; जबकि अप्रैल के मध्य में इस कार्गो का गंतव्य भारत ही बताया गया था। सूत्र ने आगे कहा कि जहाज पर नज़र रखी गई, भले ही दस्तावेज़ों में यह दर्शाया गया था कि यह कार्गो रूसी नहीं है।

भारत का कार्गो सिंगापुर के समुद्री क्षेत्र के पास रुका

रॉयटर्स ने अप्रैल के मध्य में, एलएसईजी शिपिंग डेटा का हवाला देते हुए बताया था कि 138,200-क्यूबिक-मीटर वाला टैंकर 'कुनपेंग' पश्चिमी भारत में एलएनजी आयात टर्मिनल की ओर बढ़ रहा था। एलएसईजी के अनुसार, यह जहाज़ अब सिंगापुर के समुद्री क्षेत्र के पास है और इसने अपनी मंजिल के बारे में कोई जानकारी जारी नहीं की है। सूत्रों में से एक ने बताया कि रूस से समुद्री रास्ते से आने वाले कच्चे तेल के सबसे बड़े खरीदार भारत ने, 30 अप्रैल को रूस के उप ऊर्जा मंत्री पावेल सोरोकिन की भारत यात्रा के दौरान, उन्हें यह फ़ैसला बता दिया था कि वह रूस से ऐसा कोई भी एलएनजी नहीं खरीदेगा जिस पर प्रतिबंध लगे हों। इस यात्रा के दौरान सोरोकिन ने भारत के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी सहित कई भारतीय अधिकारियों से मुलाकात की थी। सूत्र ने यह भी बताया कि दो महीनों के भीतर यह उनकी दूसरी मुलाक़ात थी, और सोरोकिन जून में आगे की बातचीत के लिए दोबारा भारत आ सकते हैं।

शुभेंदु अधिकारी की सरकार को टीएमसी ने कहा 'कलयुगी रामराज्य'

कीर्ति आजाद भड़के-थर्ड अंपायर मुख्य सचिव कैसे बन गए

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की नई सरकार में अधिकारियों की जिस तरह से नियुक्तियां की गई हैं, उसपर तृणमूल कांग्रेस भड़क गई है और बीजेपी के साथ-साथ चुनाव आयोग पर भी गंदा खेल खेलने का आरोप लगा दिया है। टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने मनोज अग्रवाल को बंगाल का नया मुख्य सचिव बनाए जाने पर जमकर अपनी भड़ास निकाली है।

'बंगाल में कलियुगी रामराज्य चल रहा है'

शुभेंदु अधिकारी सरकार ने अपने शुरुआती फैसलों में ही पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज अग्रवाल को सोमवार को पश्चिम बंगाल का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया। अग्रवाल 1990 बैच के बंगाल कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। नए मुख्यमंत्री ने कुछ और भी इसी तरह की ट्रांसफर-पोस्टिंग की हैं, जिसपर टीएमसी ने जमकर हमला बोला है। टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में इसको लेकर बीजेपी पर हमला किया है। यह पूरी तरह से स्पष्ट है कि बंगाल में कलियुगी रामराज्य चल रहा है। मनोज अग्रवाल, जिन्हें बंगाल में चुनाव आयोग का सीईओ बनाया गया था, जो थर्ड या न्यूट्रल अंपायर की भूमिका में थे, उन्हें राज्य का सबसे टॉप पोस्ट दे दिया गया। टीएमसी सांसद ने इसपर भी आपत्ति जताई कि सुब्रत गुप्ता को मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी का सलाहकार नियुक्त किया गया है। कीर्ति आजाद ने कहा, '..इसी तरह से सुब्रत गुप्ता, जो कि उन 30 लाख वोटरों का मुद्दा देख रहे थे,जो कि योग्य वोटर थे,लेकिन वोट नहीं दे सके...अब पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के एडवाइजर हैं।' टीएमसी नेता ने आरोप लगाया है कि 'हम शुरू से ही यह जान रहे थे कि बीजेपी ने चुनाव आयोग के साथ मिलकर डर्टी ट्रिक्स डिपार्टमेंट चलाया...हम जानते हैं कि यह सब योजनाबद्ध था, वो बहुमत के वोटों से नहीं जीते हैं, बल्कि वह हेराफेरी करके जीते हैं।'

बंगाल में आयुष्मान भारत योजना लागू होने पर पीएम ने जताई खुशी

> कहा-हर घर तक पहुंचेगी केंद्र की योजना

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में आयुष्मान भारत योजना को लागू करने के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि दो इंजन वाली सरकार प्रमुख केंद्रीय योजनाओं का सुचारू रूप से कार्यान्वयन सुनिश्चित करेगी। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को घोषणा की कि राज्य केंद्र की प्रमुख योजना को लागू करेगा, जिसके तहत प्रत्येक पात्र परिवार को प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया जाता है।

बंगाल के मेरे भाई-बहनों का कल्याण सर्वोपरि- पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा 'पश्चिम बंगाल के मेरे भाई-बहनों का कल्याण सर्वोपरि है। मुझे बहुत खुशी है कि राज्य के लोगों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ मिलेगा, जो विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना है। इससे उच्च गुणवत्ता वाली एवं किफायती स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करती है।' आगे कहा कि 'डबल इंजन वाली सरकार प्रमुख केंद्रीय योजनाओं का निर्बाध कार्यान्वयन सुनिश्चित करेगी।'

क्या है आयुष्मान भारत योजना?

केंद्र सरकार ने इस योजना की शुरुआत साल 2018 में की थी। इस योजना का नाम अब बदलकर प्रधानमंत्री जन-आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) कर दिया गया है। इस योजना के तहत सरकार पात्र परिवारों को 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा देती है। योजना के पात्र परिवारों को आयुष्मान गोल्डन कार्ड दिया जाता है। इस कार्ड को दिखाकर पात्र व्यक्ति सूचीबद्ध अस्पतालों में पांच लाख रुपये तक का फ्री इलाज करा सकता है।

छह ऐतिहासिक निर्णय लिए

अपनी पहली कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करने के बाद अधिकारी ने कहा कि नई भाजपा सरकार ने पश्चिम बंगाल में आयुष्मान भारत योजना को लागू करने सहित छह ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं, जिनका उद्देश्य राज्य में असल परिवर्तन लाना है। तृणमूल कांग्रेस को करारी हार देने के बाद भाजपा ने पश्चिम बंगाल में पहली बार सत्ता संभाली। भाजपा ने 294 सदस्यीय विधानसभा में 207 सीटें हासिल कीं, जिससे टीएमसी को 80 सीटों तक सीमित कर दिया गया।

कलकत्ता हाईकोर्ट में जस्टिस मंथा ने सुनवाई से खुद को किया अलग

पीड़िता के परिवार की बढ़ी चिंता

कोलकाता, 12 मई (एजेंसियां)। कोलकाता में चर्चित आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या मामले में सोमवार को नया मोड़ सामने आया। कलकत्ता हाईकोर्ट के जस्टिस राजशेखर मंथा की बेंच ने मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। अदालत ने कहा कि कोर्ट में मामलों की संख्या अधिक है और इस संवेदनशील केस को पर्याप्त समय देने वाली बेंच के सामने सुनवाई होना न्यायहित में होगा। हाईकोर्ट की ओर से यह भी संकेत मिला है कि राज्य सरकार इस मामले को लेकर न्यायिक आयोग गठित कर सकती है। वहीं, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने इस केस में अपनी स्टेटस रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश की, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। पिछली सुनवाई के दौरान जस्टिस मंथा की बेंच ने कहा था कि जरूरत पड़ने पर सीबीआई दोषी और अन्य संदिग्धों से पूछताछ कर सकती है।

संजय कपूर संपत्ति विवाद देख ठनका सुप्रीम कोर्ट का माथा

> जज साहब बोले-इसके आगे तो महाभारत भी छोटी लगेगी

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। करिश्मा कपूर के एक्स हस्बैंड और दिवंगत बिजनेमैन संजय कपूर की 30,000 करोड़ रुपये की संपत्ति और आरके फैमिली ट्रस्ट को लेकर चल रहे परिवारिक विवाद में एक बार फिर नया मोड़ आ गया है. संजय कपूर की 80 साल की मां रानी कपूर ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में नई याचिका दायर कर प्रिया सचदेव कपूर और अन्य लोगों को 'आरके फैमिली ट्रस्ट' के कामकाज में दखल देने से रोकने की मांग की है. साथ ही 18 मई को होने वाली बोर्ड मीटिंग पर तत्काल रोक लगाने की अपील की है.

इस मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट की एक टिप्पणी ने पूरे विवाद को सुर्खियों में ला दिया. दरअसल, जस्टिस जेबी परदीवाला की बेंच ने याचिका पर संज्ञान लिया और मामले की सुनवाई 14 मई को तय की. सुनवाई के दौरान बेंच ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा, 'ये केस अब ऐसे मोड़ पर है जहां महाभारत भी छोटी लगेगी. हम इसे देखेंगे.'

सुप्रीम कोर्ट में दायर रानी कपूर की नई याचिका में कहा गया है कि रघुवंशी इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 8 मई को जारी नोटिस और एजेंडा के तहत 18 मई को बोर्ड मीटिंग बुलाई गई है, जिसमें अतिरिक्त डायरेक्टर्स की नियुक्ति की कोशिश की जा रहा है. याचिकाकर्ता का आरोप है कि यह मीटिंग चल रहे विवाद के बीच ट्रस्ट और परिवार की संपत्ति को प्रभावित कर सकती है. सुप्रीम कोर्ट ने 7 मई 2026 को इस पूरे उत्तराधिकार विवाद को मध्यस्थता के लिए भेज दिया था. पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को मध्यस्थ नियुक्त किया गया है. कोर्ट ने तब कहा था, 'यह परिवारिक विवाद है, इसे परिवार तक ही सीमित रखा जाए. इसे मनोरंजन का साधन नहीं बनाया जाना चाहिए.' कोर्ट ने सभी पक्षों से जल्द से जल्द विवाद सुलझाने की अपील भी की थी.

रानी कपूर ने 2017 में ब्रेन स्ट्रोक के बाद संजय कपूर और उनकी पत्नी प्रिया सचदेव पर आरोप लगाया था कि उन्होंने उनकी मेडिकल स्थिति का फायदा उठाकर फैमिली ट्रस्ट के दस्तावेजों में हेरफेर किया. उन्होंने ट्रस्ट को 'नल एंड वॉयड' (कोई चीज कानूनी रूप से मान्य नहीं है या उसका कोई कानूनी प्रभाव नहीं है) घोषित करने की मांग की है.

14 मई को होगी अहम सुनवाई

14 मई को होने वाली सुनवाई में बोर्ड मीटिंग पर स्टे और ट्रस्ट में दखलंदाजी को लेकर अंतिम फैसला हो सकता है. इस मामले की पूरे देश में चर्चा है क्योंकि इसमें सोना ग्रुप जैसी बड़ी ऑटो कंपोनेंट कंपनी की संपत्ति शामिल है.

क्या है मामला

संजय कपूर के निधन के बाद उनकी मां रानी कपूर और पत्नी प्रिया सचदेव कपूर के बीच संपत्ति और ट्रस्ट नियंत्रण को लेकर तनाव बढ़ गया. प्रिया सचदेव पहले ही रानी कपूर को ट्रस्ट से हटाने का नोटिस जारी कर चुकी हैं. यह विवाद दिल्ली हाईकोर्ट से होते हुए सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है. कोर्ट ने परिवार से अपील की है कि 80 साल की उम्र में रानी कपूर को लंबी कानूनी लड़ाई से बचाया जाए और मामले को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाया जाए.

उपद्रवी कार्यकर्ताओं पर टीवीके सख्त, मुख्यमंत्री विजय ने सदन को बताया लोकतंत्र का दिल और दिमाग

चेन्नई, 12 मई (एजेंसियां)। सत्तारूढ़ टीवीके ने मंगलवार को सार्वजनिक स्थानों पर पार्टी के बैनर और पोस्टर लगाने पर स्पष्ट रूप से प्रतिबंध लगा दिया, जिससे लोगों को असुविधा हो या यातायात बाधित हो।

इसने अपने कार्यकर्ताओं को सख्त निर्देश जारी करते हुए चेतावनी दी है कि सार्वजनिक उपद्रव करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह निर्देश पार्टी के सार्वजनिक कल्याण को प्राथमिकता देने के घोषित लक्ष्य को सुदृढ़ करने की दिशा में उठाए गए कदमों का हिस्सा है। पार्टी के महासचिव और मंत्री एन आनंद द्वारा जारी एक बयान में कहा है कि टीवीके नेतृत्व ने इन निर्देशों का उल्लंघन करने वाले किसी भी सदस्य के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। इस आदेश को पार्टी अध्यक्ष की स्पष्ट स्वीकृति प्राप्त है। वहीं, आज तमिलनाडु विधानसभा में अपने

भाषण के दौरान मुख्यमंत्री विजय ने कहा, यहां सभी समान हैं। इस सदन में एक सदस्य द्वारा प्रतिनिधित्व की जाने वाली पार्टियों के विचारों को भी उतना ही महत्व दिया जाना चाहिए जितना कि अधिक बहुमत रखने वाले तमिलगा वेट्रूरी कजगम के सदस्यों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों को। अच्छे सुझावों को स्वीकार किया जाना चाहिए और अनुपयुक्त सुझावों को अस्वीकार किया जाना चाहिए। यह विधानसभा लोकतंत्र के हृदय और मस्तिष्क दोनों के रूप में कार्य करे। इसी दृष्टि से तमिलगा वेट्रूरी कजगम ने इस प्रतिष्ठित विधानसभा की अध्यक्षता के लिए एक महान गरिमा और ऐतिहासिक कद वाले विशिष्ट व्यक्ति का नाम प्रस्तावित किया है, और आज आप उस कुर्सी पर आसीन हैं। इसके साथ ही एएमएमके के संस्थापक दिनाकरन का कहना है कि टीवीके को एकतरफा समर्थन देने के कारण एएमएमके विधायक को पार्टी से निकाल दिया गया है।

दिल्ली में पूर्वोत्तर की महिला से बदसलूकी : मेघालय सीएम ने की दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

शिलॉन्ग, 12 मई (एजेंसियां)। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने दिल्ली में पूर्वोत्तर की एक महिला के साथ हुई कथित मारपीट की घटना पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। मुख्यमंत्री ने असम की रहने वाली महिला के साथ हुए शारीरिक और नस्लीय उत्पीड़न की निंदा की। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हिंसा और भेदभाव के ऐसे बार-बार होने वाले कृत्यों को अलग-थलग घटनाओं के रूप में खारिज नहीं किया जा सकता है। कानून के तहत इन्हें सबसे सख्त सजा मिलनी चाहिए। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को बताया कि दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के नेहरू प्लेस स्थित एक होटल के बाहर कथित तौर पर पुरुषों के एक समूह ने असम और बिहार की दो महिलाओं के साथ छेड़छाड़ और मारपीट की। पुलिस ने कहा कि इस घटना में शामिल सभी चार संदिग्धों को हिरासत में ले लिया गया है। यह घटना 10 मई की सुबह करीब 6:30 बजे होटल के बाहर एक चाय की दुकान के पास हुई थी।

निदा खान को छिपाने वाले एआईएमआईएम पार्षद की संपत्ति अवैध

जा सकती है सदस्यता भी, नगर निकाय ने दिया नोटिस

मुंबई, 12 मई (एजेंसियां)। नासिक टीसीएस मामले की आरोपी निदा खान ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के पार्षद मतीन पटेल के जिस बंगले में छिपी हुई थी, उसे औरंगाबाद नगर निकाय (एएमसी) ने अवैध बताते हुए मतीन पटेल को नोटिस जारी किया है। नगर निकाय ने पार्षद से नोटिस में कहा कि उनकी कुछ संपत्तियां अवैध रूप से बनाई गई। एएमसी के मेयर समीर राजुरकर ने कहा कि अगर मतीन पटेल कारण बताओ नोटिस का संतोषजनक जवाब नहीं दे पाते हैं तो नगर निकाय उन अवैध संपत्तियों के ढांचों को गिरा देगा। उन्होंने आगे यह भी कहा कि अवैध निर्माण का सबूत मिलने पर नगर निगम में मतीन पटेल की सदस्यता भी रद्द की जा सकती हैं। निदा खान नासिक टीसीएस मामले में 10 अप्रैल से ही फरार थी, जिसे 7 मई को छत्रपति संभाजी नगर के नारेगांव इलाके में एक दो-मंजिला बंगले से गिरफ्तार किया गया। निदा वहां अपने चार रिश्तेदारों के साथ रह रही थी। आरोप है कि यह बंगला मतीन पटेल का है।

पार्षद की जा सकती है सदस्यता भी

इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए राजुरकल ने कहा, "9 मई को ही मतीन पटेल के पास नोटिस भेजी जा चुकी है। उनकी दो संपत्तियां कौसर बाग स्थित वह बंगला, जहां निदा खान कथित तौर पर रह रही थी और उसी इलाके में स्थित उनका एक ऑफिस को अवैध निर्माण के तौर पर चिन्हित किया गया है।"

राजुरकर ने कहा, "प्रथम दृष्टया, हमें लगता है कि दोनों संपत्तियां थोड़ा या पूरी तरह अवैध निर्माण हैं। नियम के मुताबिक, उन्हें तीन दिन के भीतर जवाब देना होगा। अगर जवाब संतोषजनक नहीं लगा, तो कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी।"

टीसीएस नासिक मामला : जांच में मिले 171 इस्लामिक लिंक, ब्रेनवॉश के लिए किए इस्तेमाल

मुंबई, 12 मई (एजेंसियां)। नासिक की एक अदालत ने टीसीएस यौन उत्पीड़न-जबरन धर्मांतरण मामले में मुख्य आरोपी निदा खान को 24 मई तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया। वहीं, पुलिस को जांच के दौरान कुछ अहम डिजिटल साक्ष्य मिले हैं, जिनमें 171 इस्लामिक लिंक शामिल हैं। दावा है कि इनके माध्यम से पीड़ितों का ब्रेनवाश करने की कोशिश की गई।

खान को पुलिस हिरासत खत्म होने के बाद कड़ी सुरक्षा के बीच सोमवार को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश केजी जोशी की अदालत में पेश किया गया था। मामले की सुनवाई बंद कमरे में की गई। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस और अभियोजन पक्ष ने कोर्ट में जांच से जुड़े कई अहम खुलासे किए। पुलिस ने अदालत को बताया कि डिजिटल फारेंसिक जांच के दौरान उन्हें 171 इस्लामिक लिंक मिले, जिन्हें निदा खान ने पीड़िता को भेजा था। इन लिंक में इस्लामिक आयतें और इस्लाम धर्म अपनाने संबंधी संदेश मौजूद थे।

इन डिजिटल रिकॉर्ड्स को जांच का अहम हिस्सा माना जा रहा है। अभियोजन पक्ष का दावा है कि आरोपी ने पीड़िता का नाम भी बदलने की कोशिश की थी। अभियोजन पक्ष ने कोर्ट को बताया कि डिजिटल डाटा की जांच साइबर और फोरेंसिक विशेषज्ञों की मदद से की गई है। इसके आधार पर कई सबूत जुटाए गए हैं, जिन्हें अदालत में पेश किया जाएगा। मामले को सुनने के बाद अदालत ने निदा खान को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में नासिक केंद्रीय जेल में भेज दिया।

कब सामने आया था मामला?

टीसीएस की नासिक इकाई में कर्मचारियों की शिकायतों के बाद यह मामला सामने आया था। इस संबंध में नौ एफआईआर दर्ज की गई हैं और मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित की गई है। केस दर्ज होने के बाद से निदा खान फरार थी। उसे 7 मई को छत्रपति संभाजीनगर से असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम पार्टी के एक पार्षद के घर से गिरफ्तार किया गया था। 27 वर्षीय आरोपी निदा खान के खिलाफ बीएनएस की कई धाराओं के अलावा अनुसूचित जाति, अनसूचित जनजाती (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत भी केस दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता अनुसूचित जाति की है, जिसका निदा खान ने जबरन धर्म परिवर्तन कराने का प्रयास किया।

मुख्य आरोपी निदा खान को 24 तक न्यायिक हिरासत

निदा खान को शरण देने के आरोप में गिरफ्तार एआईएमआईएम नेता मतीन पटेल की पार्षदी भी खतरे में हैं। पटेल पर अवैध निर्माण के आरोप हैं। छत्रपति संभाजीनगर के महापौर समीर राजुरकर ने कहा कि पटेल से सभी दस्तावेज मंगवाए जाएंगे और उनकी जांच की जाएगी। अगर उनका मकान अवैध निकला तो नगर निगम अधिनियम के तहत कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा, यदि पटेल किसी गैर-कानूनी गतिविधि में लिप्त थे तो निश्चित तौर पर उनकी पार्षदी रद्द की जानी चाहिए।

भय के साए में थे कर्मचारी, निष्क्रिय थी पॉश कमेटी

टीसीएस नासिक यूनिट से जुड़े मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की ओर से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को सौंपी गई 50 पन्नों की जांच रिपोर्ट में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है।

इसमें दावा किया गया है कि यहां महिला कर्मचारियों के साथ यौन शोषण, मानसिक उत्पीड़न और धार्मिक अपमान जैसी घटनाएं देखी गईं। कर्मचारी भय के साये में थे और महिला सुरक्षा से संबंधित पॉश कमेटी पूरी तरह निष्क्रिय थी। शिकायतें मिलने के बाद राष्ट्रीय महिला आयोग ने टीसीएस नासिक मामले का संज्ञान लिया। आयोग की चेयरमैन विजया राहटकर के निर्देश पर फैक्ट फाइंडिंग कमेटी गठित की गई और सेवानिवृत्त जज जस्टिस साधना जाधव की अध्यक्षता में मामले की जांच की गई। इसके बाद कुछ सुझाव और सिफारिश के साथ 50 पन्नों की रिपोर्ट तैयार कर मुख्यमंत्री फडणवीस को सौंपी गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, मामले में गिरफ्तार किए गए कई लोगों पर आरोप है कि उन्होंने न केवल दफ्तर का माहौल बिगाड़ा बल्कि कुछ कर्मचारियों पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने की कोशिश की। आरोपी हिंदू मान्यताओं, परंपराओं और रीति-रिवाजों का अपमान करके महिला कर्मचारियों को यह बताते थे कि इस्लाम धर्म कितना श्रेष्ठ है। उनका दफ्तर में इतना प्रभाव था कि नौकरी जाने या तबादले के भय से कोई भी कर्मचारी उनके खिलाफ आवाज उठाने की हिम्मत नहीं कर पा रहा था।

सीसीटीवी कैमरे तो थे लेकिन वह काम नहीं कर रहे थे

रिपोर्ट में बताया गया है कि जांच में महिला कर्मचारियों की सुरक्षा पॉश कानून लगभग शून्य पाया गया। सहायक जनरल मैनेजर अश्विनी चैनानी ने मामले में चुप्पी साधी, जिससे आरोपियों के हौसले बुलंद हुए। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में संबंधित आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 75,78,79 और 299 के तहत कठोर कार्रवाई करने की सिफारिश करते हुए कहा है कि गवाहों को विटनेस प्रोटेक्शन एक्ट के तहत सुरक्षा प्रदान की जाए।

ईरान की चेतावनी: हमला हुआ तो बनाएंगे 90% संवर्धित यूरेनियम

ईरानी सांसद ने अमेरिका को दी चेतावनी

तेहरान, 12 मई (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया संकट फिर गहराने लगा है। अमेरिका के प्रस्तावों का ईरान की ओर से दिया जवाब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पसंद नहीं आया तो तल्ख बयानों की झड़ी लग गई। इस बीच ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर उस पर दोबारा हमला किया गया तो वह यूरेनियम संवर्धन की दर 90 प्रतिशत कर देगा। ईरानी संसद की कमीशन के प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने दावा किया कि इस विकल्प पर संसद में समीक्षा की जाएगी। उन्होंने 90 प्रतिशत संवर्धन की बात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की। यूरेनियम को 90 प्रतिशत तक समृद्ध करना हथियार स्तर का संवर्धन माना जाता है।

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के मुताबिक ईरान पहले ही 60 प्रतिशत तक यूरेनियम संवर्धन कर चुका है, जो वेपन ग्रेड के काफी करीब माना जाता है। आईएईए की रिपोर्ट के अनुसार ईरान ने हाल के वर्षों में 60 फीसदी शुद्धता तक यूरेनियम संवर्धन तेज किया है। इस बीच अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का बयान भी बढ़ते तनाव और टकराव की तस्दीक करता है। उन्होंने कहा है कि ईरान में बड़े पैमाने पर मिलिट्री एक्शन के दोबारा होने की पूरी आशंका है।

ट्रंप के पहले चरण के दौरान नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर रहे एच.आर. मैकमास्टर का अनुमान है कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान फिर से शुरू होगा। सीएनएन के एक शो में उनसे ट्रंप के उस बयान को लेकर सवाल किया गया था जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान के साथ सीजफायर लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर है। यानी ये अत्यंत कमजोर स्थिति में है। सुर्खियों में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की टिप्पणी भी है। जिन्होंने एक टीवी साक्षात्कार में कहा कि ईरान के साथ युद्ध तब तक जारी रहेगा जब तक देश के पास बहुत ज्यादा संवर्धित यूरेनियम का भंडार है।

ईरान युद्ध खत्म नहीं हुआ है, क्योंकि अभी भी परमाणु पदार्थ, यानी एनरिच्ड यूरेनियम, उनके पास है जिसे ईरान से बाहर ले जाना है। अभी भी एनरिचमेंट साइट्स हैं जिन्हें खत्म करना है। इस बीच ट्रंप ने सोमवार को ईरान के नए परमाणु प्रस्ताव को 'कचरे का एक टुकड़ा' बताते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने व्हाइट हाउस में मातृत्व स्वास्थ्य और प्रजनन सेवाओं से जुड़े एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि युद्धविराम 'लाइफ सपोर्ट पर' है। वाइट हाउस के ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि तेहरान की परमाणु वार्ता में दी गई नई प्रतिक्रिया 'पूरी तरह अस्वीकार्य' है। यह एक बेवकूफी भरा प्रस्ताव है। ट्रंप ने बताया कि ईरान पहले इस बात पर सहमत हुआ था कि हाल ही में अमेरिकी सैन्य हमलों से क्षतिग्रस्त संवर्धन (एनरिचमेंट) सुविधाओं से 'परमाणु धूल' हटाने की अनुमति देगा, लेकिन बाद में उसने अपना रुख बदल दिया। ट्रंप के अनुसार, बाद में ईरानी अधिकारी इस समझौते से पीछे हट गए क्योंकि वे इसे लिखित रूप में नहीं देना चाहते थे। उन्होंने कहा कि अमेरिका की स्थिति वही है जो पहले थी। मेरा बहुत सीधा-सादा प्लान है: ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होना चाहिए, हम दुनिया की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं कहूंगा कि युद्धविराम बहुत कमजोर हालत में है। जैसे डॉक्टर आए और कहे कि आपके मरीज के बचने की सिर्फ एक प्रतिशत संभावना है।

ट्रंप ने ईरान पर हाल के अमेरिकी सैन्य अभियानों की भी तारीफ की और कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान की क्षमता को बहुत नुकसान पहुंचाया है।

लव ट्रायंगल में युवक की चाकू गोदकर हत्या

दुर्ग-भिलाई, 12 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में एक ही लड़की से 2 लड़के बातचीत करते थे। जिसे लेकर दोनों के बीच मारपीट हो गई। इसके बाद कुछ लड़कों ने मिलकर युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी। जबकि उसके 2 दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए। लव ट्रायंगल के चलते हुई वारदात के बाद पुलिस ने 10 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। मृतक की पहचान जितेश ठाकुर (20) के रूप में हुई है। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है। पुलिस शाम तक मामले का खुलासा करेगी। दरअसल, राजीव नगर निवासी जितेश ठाकुर अपने दोस्त राहुल ठाकुर और नेहरू ठाकुर के साथ सोमवार देर रात केजू राइस मिल के पास था। इसी दौरान गर्लफ्रेंड से बातचीत करने को लेकर कुछ युवकों के साथ उनका विवाद हो गया। बात बढ़ते-बढ़ते मारपीट तक पहुंच गई और आरोपियों ने चाकू से हमला कर दिया। हमले में जितेश ठाकुर को गंभीर चोटें आईं। आसपास मौजूद लोगों ने तीनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जितेश को मृत घोषित कर दिया।

क्या पद छोड़ेंगे स्टार्मर : ब्रिटेन की कीर सरकार की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

एक और मंत्री ने दिया इस्तीफा

लंदन, 12 मई (एजेंसियां)। ब्रिटेन की राजनीति में उथल-पुथल तेज हो गई है। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की सरकार को उस समय बड़ा झटका लगा जब जूनियर आवास, समुदाय और स्थानीय सरकार मंत्री मियाट्टा फाहनबुले ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने सिर्फ सरकार छोड़ी ही नहीं, बल्कि स्टार्मर से सुव्यवस्थित सत्ता हस्तांतरण के लिए समयसीमा तय करने की भी मांग कर दी।

फाहनबुलेह ने अपना इस्तीफा ऐसे समय दिया जब कैबिनेट की अहम बैठक के लिए मंत्री नंबर 10 डाउनिंग स्ट्रीट में जुटे हुए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लेबर पार्टी के चार अन्य वरिष्ठ नेता भी प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। स्थानीय चुनावों में खराब प्रदर्शन के बाद स्टार्मर अपने नेतृत्व के सबसे बड़े राजनीतिक संकट का सामना कर रहे हैं।

इसी बीच ब्रिटेन के हेल्थ सेक्रेटरी वेस स्ट्रीटिंग को स्टार्मर के लिए सबसे बड़ी चुनौती माना जा रहा है। खबर है कि स्ट्रीटिंग मंगलवार को नेतृत्व चुनौती पेश करने की तैयारी में हैं। उनके कई करीबी सहयोगी पहले ही सरकार से इस्तीफा दे चुके हैं।

कौन हैं मियाट्टा फाहनबुले?

मियाट्टा फाहनबुले पहली बार 2024 में सांसद चुनी गई थीं और उसी साल सरकार में शामिल हुईं। इतनी जल्दी मंत्री पद छोड़ना ब्रिटिश राजनीति में एक बड़ा और साहसिक कदम माना जा रहा है। राजनीति में आने से पहले वह वामपंथी थिंक टैंक न्यू इकोनॉमिक्स फाउंडेशन की प्रमुख रह चुकी हैं। बाद में उन्हें पूर्व लेबर नेता एड मिलिबैंड के नेतृत्व में मंत्री पद मिला। उन्होंने पहले ऊर्जा सुरक्षा और नेट जीरो विभाग में काम किया और बाद में हाउसिंग, कम्युनिटीज और लोकल गवर्नमेंट मंत्रालय में भेजा गया। फाहनबुलेह को एड मिलिबैंड का करीबी सहयोगी माना जाता है। इस्तीफे के साथ उन्होंने कहा कि अब एक नई टीम को वह बदलाव लागू करना चाहिए जिसका वादा जनता से किया गया था।

सरकार की नीतियों पर उठाए गंभीर सवाल

हालांकि, उन्होंने सरकार की नीतियों पर गंभीर सवाल भी उठाए। फाहनबुलेह ने लिखा कि विंटर फ्यूल पेमेंट जैसे फैसलों और दिव्यांग लोगों को मिलने वाली सहायता में कटौती ने जनता का भरोसा कमजोर किया है।

उन्होंने अपने इस्तीफे में लिखा कि जनता का संदेश साफ था प्रधानमंत्री, आपने लोगों का भरोसा और विश्वास खो दिया है। अपने पत्र के अंत में उन्होंने स्टार्मर से देश और पार्टी के हित में सत्ता परिवर्तन की स्पष्ट समयसीमा घोषित करने की अपील की।

पाकिस्तान ने ईरान के एयरक्राफ्ट छिपाने में मदद की

अमेरिका से बचाने के लिए एयरबेस पर रखा, पाक बोला- बातचीत के लिए आए थे

इस्लामाबाद, 12 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने अमेरिका-ईरान संघर्ष के दौरान ईरानी सैन्य विमानों को अपने एयरबेस पर जगह दी। रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया गया कि अप्रैल में सीजफायर के ऐलान के कुछ दिन बाद ईरान ने कई विमान पाकिस्तान एयरफोर्स के नूर खान एयरबेस भेजे।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भेजे गए विमानों में ईरानी एयरफोर्स का आरसी-130 विमान भी शामिल था। यह लॉकहीड सी-130 हरक्यूलिस ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट का खुफिया और निगरानी मिशन वाला वर्जन माना जाता है।

दूसरी तरफ पाकिस्तान ने भी माना है कि ये विमान उसके एयरबेस पर पहुंचे थे। विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा, पाकिस्तान में मौजूद ईरानी विमान युद्धविराम के दौरान आए थे और उनका किसी सैन्य अभियान से कोई संबंध नहीं है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान ने कुछ नागरिक विमान अफगानिस्तान भी भेजे। एक अफगान सिविल एविएशन अधिकारी ने दावा किया कि माहान एयर का एक विमान युद्ध शुरू होने से पहले काबुल पहुंचा था। ईरानी एयरस्पेस बंद होने के बाद वह विमान काबुल एयरपोर्ट पर ही रुका रहा। मार्च में पाकिस्तान और तालिबान सरकार के बीच तनाव बढ़ने पर काबुल एयरपोर्ट पर हमले की आशंका बनी। इसके बाद तालिबान के सिविल एविएशन अधिकारियों ने माहान एयर के विमान को सुरक्षा कारणों से ईरान सीमा के पास हेरात एयरपोर्ट भेज दिया। तालिबान के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने अफगानिस्तान में ईरानी विमानों की मौजूदगी से इनकार किया।

पाकिस्तान एक तरफ खुद को अमेरिका के सामने मध्यस्थ और स्थिरता लाने वाले देश के रूप में पेश कर रहा है।

वहीं दूसरी तरफ वह ईरान और चीन को नाराज करने से बचने की कोशिश कर रहा है।

फेरीवाले कपड़ों की आड़ में बेच रहे गांजा

धमतरी/महासमुंद, 12 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में अब फेरीवाले कपड़े बेचने की आड़ में गांजा बेच रहे हैं। महासमुंद और धमतरी जिले में पुलिस ने ऐसे ही अंतरराज्यीय तस्करों को पकड़ा है, जो बाइक पर कपड़े लादकर गली-गली कपड़े के बीच गांजा छिपाकर बेच रहे थे।

आरोपियों की बाइक पर लोहे का सीक्रेट बॉक्स मिला है, जिसमें गांजा था।

पुलिस ने महासमुंद और धमतरी में 4 अलग-अलग कार्रवाई में 378 किलो गांजा जब्त किया है, जिसकी कीमत करीब 1.90 करोड़ रुपए है।

महासमुंद से 10 तस्कर और धमतरी में एक नाबालिग समेत 3 तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि, गांजा ओडिशा से लाकर दूसरे राज्यों में सप्लाई किया जा रहा था। महासमुंद जिले के बसना पुलिस को सूचना मिली थी कि, ओडिशा की तरफ से कुछ लोग गांजा लेकर महासमुंद की ओर आ रहे हैं।

थाईलैंड घूमने गए पांच भारतीयों में से चार अचानक हुए बेहोश, एक की मौत

जांच में जुटी पुलिस

फुकेट (थाईलैंड), 12 मई (एजेंसियां)। थाईलैंड के फुकेट से एक अजीबोगरीब घटना सामने आई है। यहां घूमने गए चार भारतीय नागरिक एक कैफे में भोजन के दौरान अचानक बेहोश हो गए। इस रहस्यमयी घटना में एक भारतीय पर्यटक की मौत हो गई है, जबकि तीन अन्य का अस्पताल में उपचार चल रहा है। थाईलैंड स्थित भारतीय दूतावास ने घटना की पुष्टि की है और आवश्यक जानकारी साझा की है। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, दूतावास थाई अधिकारियों के संपर्क में है और उस घटना पर करीब से नजर रख रहा है, जिसमें 9 मई 2026 को फुकेट में चार भारतीय पर्यटक बेहोश हो गए थे और बाद में उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दूतावास ने कहा कि उनमें से एक युवा भारतीय पर्यटक की मौत पर हमारी गहरी संवेदनाएं। दूतावास के अधिकारी इस दुख की घड़ी में हर तरह की मदद देने के लिए मृतक के परिवार के संपर्क में हैं। हम संबंधित थाई अधिकारियों के संपर्क में हैं, जो इस घटना की जांच कर रहे हैं और दूसरों की स्वास्थ्य की स्थिति पर भी नजर रख रहे हैं।

बैंकॉक पोस्ट के अनुसार, पुलिस ने पुष्टि की है कि शनिवार सुबह फुकेट के एक कैफे में रहस्यमय तरीके से बेहोश होने के बाद 26 साल के एक भारतीय पर्यटक की मौत हो गई और तीन अन्य अभी भी अस्पताल में हैं।

स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, यह घटना कथू जिले के कमला बीच इलाके में हुई। एक मशहूर कैफे में चार विदेशी पर्यटकों के बेहोश होने के बाद उन्हें मदद के लिए बुलाया गया। तीन को पटोंग अस्पताल और एक को थालांग अस्पताल ले जाया गया। मामले की जांच कर रही पुलिस ने दोनों अस्पतालों में जाकर पीड़ितों का बयान दर्ज करने की कोशिश की। हालांकि, तीनों युवक बयान नहीं दे पा रहे थे। कैफे के सुरक्षाकर्मियों ने जांच करने वालों को बताया कि शुक्रवार रात करीब 11 बजे पांच भारतीय आदमी एक साथ कैफे में आए थे। उनकी पहचान कुशाग्र अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, राहुल अग्रवाल नाम का एक और आदमी, अमन अग्रवाल और आर्यन वर्मा के तौर पर हुई।

सुबह करीब 1.54 बजे समूह के चार सदस्य एक-एक करके बेहोश हो गए। कैफे के कर्मचारियों ने तुरंत आपात सेवा को बुलाया और उन सभी को अस्पताल ले जाया गया। पांचवें व्यक्ति आर्यन वर्मा में कोई लक्षण नहीं दिखे। पटोंग अस्पताल ने बाद में बताया कि दो व्यक्ति कुशाग्र अग्रवाल और राहुल अग्रवाल कोमा में थे और उन्हें आगे के इलाज के लिए वचिरा फुकेट अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

शनिवार दोपहर करीब दो बजे पुलिस को बताया गया कि कुशाग्र अग्रवाल की मौत हो गई है। बाकी तीन मरीजों की हालत स्थिर बताई गई है। थाई अधिकारियों ने भारतीय दूतावास को सूचित कर दिया है और मौत का कारण पता लगाने के लिए विस्तृत पोस्टमॉर्टम जांच करने के लिए फोरेंसिक विशेषज्ञों के साथ काम कर रहे हैं।

ट्रैक्टर ने बाइक सवारों को मारी टक्कर

एक की मौत, दूसरा गंभीर रूप से जख्मी आक्रोशित लोगों ने किया हाईवे जाम

जामताड़ा, 12 मई (एजेंसियां)। गोविंदपुर-साहिबगंज नेशनल हाईवे पर मंगलवार को नारायणपुर थाना क्षेत्र के पबिया में एक सड़क हादसा हुआ। ओवरलोड बालू लदे तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आने से दुधानी गांव निवासी 50 वर्षीय राजा मणि मंडल की मौके पर ही मौत हो गई।

इस दुर्घटना में रायडीह गांव निवासी राजकुमार सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार, राजा मणि मंडल और राजकुमार सिंह बाइक से अपने गांव रायडीह लौट रहे थे। जामताड़ा की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि इसकी आवाज काफी दूर तक सुनाई दी। हादसे के बाद ट्रैक्टर सड़क किनारे एक पेड़ के सहारे खड़ा हो गया।

दुर्घटना में बाइक चालक राजा मणि मंडल ट्रैक्टर के पहिए के नीचे आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पीछे बैठे राजकुमार सिंह गंभीर रूप से घायल हुए। मृतक राजा मणि मंडल अपने पीछे दो बेटे और तीन बेटियां छोड़ गए हैं। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने मुआवजे तथा दोषियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर हाईवे जाम कर दिया। सड़क जाम के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात पूरी तरह बाधित हो गया।

हिंदुओं पर हमला हुआ तो इस्तीफा दे दूंगा

बांग्लादेश के मंत्री का बड़ा ऐलान, कहा- मुस्लिमों की सुरक्षा करे भारत

ढाका, 12 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश के धार्मिक मामलों के मंत्री काजी शाह मोफज्जल हुसैन कैकोबाद ने कहा है कि वे अल्पसंख्यकों पर किसी भी तरह के जुल्म के खिलाफ कड़ा रुख अपनाएंगे। उन्होंने कहा 'अगर जरूरत पड़ी तो वे अपने मंत्री पद से इस्तीफा भी दे देंगे लेकिन देश में अल्पसंख्यकों या दूसरे धर्मों को मानने वालों के खिलाफ ज़ुल्म, अन्याय या उत्पीड़न बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करेंगे।' बांग्लादेशी मंत्री ने ये बातें बांग्लादेश सेक्रेटेरिएट रिपोर्टर्स फोरम (बीएसआरएफ) की तरफ से आयोजित एक चर्चा के दौरान कहीं। यह फोरम सेक्रेटेरिएट की खबरें कवर करने वाले पत्रकारों का एक संगठन है।

यह कार्यक्रम सोमवार को सेक्रेटेरिएट के मीडिया सेंटर में आयोजित किया गया था।

काजी शाह मोफज्जल हुसैन कैकोबाद का ये बयान उस वक्त आया है जब पश्चिम बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने के बाद देश में हिंदुओं को धमकियां दी जा रही हैं। बांग्लादेश में पश्चिम बंगाल के चुनावी नतीजों को लेकर रैलियां निकाली जा रही हैं और चेतावनी दी जा रही है कि 'अगर बंगाल में मुस्लिमों के खिलाफ हिंसा होती है तो बांग्लादेश में भी हिंदू सुरक्षित नहीं रहेंगे।' एक सवाल का जवाब देते हुए काज़ी शाह मोफ़ज़्ज़ल हुसैन ने कहा कि 'भारत एक विशाल देश है और वह इसका सम्मान करते हैं क्योंकि यह लोकतंत्र को बनाए रखता है।'

हालांकि इस दौरान बोलते हुए उन्होंने यह भी कहा कि 'अगर भारत अल्पसंख्यकों को अपना ले उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करे और उन्हें अपनी आबादी का एक अभिन्न अंग मानते हुए समान अधिकार और सुरक्षा प्रदान करे तो वह भारत का और भी अधिक सम्मान करेंगे।'

धार्मिक मामलों के मंत्री ने आगे कहा लेकिन मैं एक बात कहना चाहूंगा। भारत में जो कुछ हो रहा है वह मुख्य मुद्दा नहीं है। सिर्फ इसलिए कि भारत में कुछ होता है तो इसका मतलब यह नहीं है कि बांग्लादेश में भी उसे होने दिया जाएगा। अगर जरूरत पड़ी तो मैं मंत्रालय से इस्तीफा दे दूंगा, लेकिन मैं यहां अल्पसंख्यकों या किसी अन्य धर्म के अनुयायियों के खिलाफ किसी भी तरह के उत्पीड़न, अन्याय या अत्याचार को बर्दाश्त नहीं करूंगा।

रांची-हजारीबाग में तेज हवा के साथ हुई बारिश

रांची, 12 मई (एजेंसियां)। झारखंड में मौसम का मिजाज 17 मई तक बदला रहेगा। मंगलवार को दोपहर बाद देवघर, हजारीबाग, पाकुड़, रामगढ़ और रांची में तेज हवा और गरज के साथ बारिश हुई।

बारिश की वजह से सुबह से लोगों को महसूस हो रही उसम भरी गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग के अनुसार, 12 मई को रांची सहित 13 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन इलाकों में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने, वज्रपात और बारिश की संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग के मुताबिक 13 मई को राज्य के पूर्वी हिस्सों में कहीं-कहीं तेज हवा चल सकती है। 14 और 15 मई को भी अधिकांश जिलों में दोपहर बाद मौसम खराब रहेगा। इस दौरान 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है।

वहीं, मेघ गर्जन और वज्रपात की चेतावनी दी गई है। 15 मई को पूरे राज्य में यलो अलर्ट जारी किया गया है। लोगों को खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे जाने से बचने की सलाह दी गई है।

16 और 17 मई को राज्य के उत्तर-पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में मौसम का प्रभाव ज्यादा देखने को मिल सकता है। इन क्षेत्रों में गरज के साथ तेज हवा और वज्रपात की संभावना जताई गई है।

ग्रीनलैंड पर बिना गोली चलाए होगा अमेरिका का 'सैन्य कब्जा'

वॉशिंगटन/कोपेनहेगन, 12 मई (एजेंसियां)। ग्रीनलैंड पर कब्जे को लेकर लगातार धमकियां दे रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए खुशखबरी है। अमेरिका नाटो सहयोगी देश डेनमार्क के साथ ग्रीनलैंड में 3 सैन्य अड्डे बनाने को लेकर बातचीत कर रहा है। ये सैन्य अड्डे देश के दक्षिणी हिस्से में बनाए जाएंगे। ग्रीनलैंड यूरोपीय देश डेनमार्क का अर्द्ध स्वायत्त इलाका है। इन सैन्य अड्डों को लेकर डेनमार्क और अमेरिका के बीच कई महीने से बातचीत चल रही थी। डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की धमकी दी थी। इसके बाद से ही अमेरिका और अन्य यूरोपीय नाटो देशों के बीच तनाव बढ़ गया था। इसके बाद अमेरिका और डेनमार्क के बीच में बातचीत शुरू हुई और अब 3 सैन्य अड्डे बनाने पर सहमति बनती दिख रही है।

अमेरिका डेनमार्क के साथ सीक्रेट बातचीत कर रहा है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक हाल के महीनों में दोनों देशों के बीच बातचीत आगे बढ़ी है। वाइट हाउस ने भी इस बात की पुष्टि की है कि ग्रीनलैंड और डेनमार्क के साथ उनकी उच्चस्तरीय बातचीत जारी है। हालांकि उसने बातचीत का डिटेल नहीं बताया। वहीं डेनमार्क के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, 'अमेरिका के साथ कूटनीतिक बातचीत जारी है। विदेश मंत्रालय इससे ज्यादा और जानकारी नहीं दे सकता है।'

रिपोर्ट के मुताबिक वाइट हाउस के अधिकारी ने कहा कि अमेरिका सरकार का मानना है कि ये बातचीत सही दिशा में बढ़ रही है। अमेरिका की इच्छा है कि वह ग्रीनलैंड के दक्षिणी हिस्से में 3 नए सैन्य अड्डे बनाना चाहता है। डोनाल्ड ट्रंप के ग्रीनलैंड पर ताकत के बल पर कब्जा करने की धमकी के बाद डेनमार्क के साथ तनाव भड़क उठा था। इससे पहले जनवरी महीने में ट्रंप ने दावा किया था कि अमेरिका को ग्रीनलैंड का 'स्वामित्व' लेना चाहिए ताकि चीन और रूस को वहां से बाहर रखा जाए। उन्होंने कहा कि यह आसानी से हो सकता है या नहीं तो 'सख्त तरीका' अपनाना होगा।

अमेरिका ने एक प्रस्ताव दिया है जिसके तहत 3 सैन्य अड्डे बनाएं जाएंगे और उस पर लिखा होगा कि यह अमेरिका का संप्रभु इलाका है। ग्रीनलैंड के दक्षिणी इलाके में सैन्य अड्डा बनाकर अमेरिका रूस और चीन की उत्तरी अटलांटिक महासागर से लेकर ग्रीनलैड, आइसलैंड और ब्रिटेन तक के इलाके की नगिरानी करना चाहता है।

इस बीच रिपोर्ट में कहा गया है कि अभी अमेरिका और डेनमार्क के बीच कोई औपचारिक समझौता नहीं हुआ है।

पाकिस्तान के नजदीक आ रहा रूस?

मॉस्को में इस्लामाबाद के दूत ने बढ़ाई भारत की टेंशन

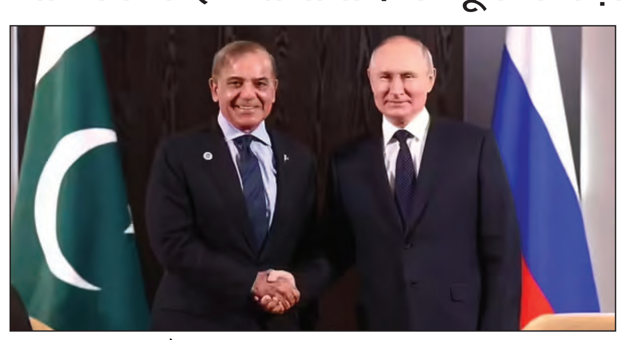

इस्लामाबाद, 12 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान और रूस के संबंधों में तेजी देखी जा रही है। इससे भारत की टेंशन बढ़ सकती है। हाल में ही रूस में पाकिस्तान के राजदूत फैसल नियाज तिरमिजी ने कहा है कि उनका देश रूसी तेल ज्यादा मात्रा में खरीदने की योजना बना रहा है। ऐसा पहली बार नहीं है, जब पाकिस्तान ने रूसी तेल खरीदने की बात की है। रूस पहले भी कई टैंकर तेल पाकिस्तान को बेच चुका है। इसके अलावा पाकिस्तान और रूस सैन्य सहयोग भी तेजी से बढ़ा रहे हैं। दोनों देशों के बीच सालाना मिलिट्री एक्सरसाइज पहले से ही जारी है।

पाकिस्तान के राजदूत फ़ैसल नियाज तिरमिजी के हवाले से बताया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य संकट के दौरान पाकिस्तान रूस से तेल का आयात बढ़ाने की योजना बना रहा है। अप्रैल में, रूस के ऊर्जा निर्यात से होने वाली आय पिछले महीने के मुकाबले 4 प्रतिशत बढ़कर 733 मिलियन यूरो (861 मिलियन डॉलर) प्रतिदिन हो गई, जो पिछले ढाई साल में सबसे ज्यादा है। पाकिस्तान विदेशी मुद्रा भंडार की कमी और बढ़ती महंगाई के कारण रूस से सस्ते ईंधन को खरीदने के लिए मजबूर हुआ था। रूस से तेल खरीदने के पहल की शुरुआत पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान ने रूस यात्रा के दौरान की थी। हालांकि, इसके बाद पाकिस्तान में सरकार बदल गई और अमेरिका समर्थित शहबाज शरीफ ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली।

पापों से मुक्ति और अपार पुण्य देने वाला व्रत

अपरा एकादशी का व्रत 13 मई, बुधवार के दिन किया जाएगा। पद्म पुराण के अनुसार ज्येष्ठ कृष्ण एकादशी तिथि पर व्रत करने से जातक के पापों का नाश होता है और विष्णुलोक में स्थान मिलता है।

अपरा एकादशी पर क्या नहीं करना चाहिए?

एकादशी तिथि से एक दिन पहले यानी दशमी तिथि पर तामसिक भोजन जैसे- लहसुन, प्याज आदि चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए।

अपरा एकादशी पर भूलकर भी चावल का सेवन नहीं करना चाहिए। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है। साथ ही, परिवार के सदस्यों को भी एकादशी पर इस नियम का ख्याल रखना चाहिए।

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि पर तुलसी के पत्ते तोड़ना वर्जित माना गया है। ऐसे में पूजा के लिए पहले से ही तुलसी दल रख लेने चाहिए।

एकादशी का व्रत का पारण द्वादशी तिथि पर तुलसी के पत्ते के साथ ही किया जाता है। लेकिन इस दिन भी व्रती को तुलसी के पत्ते नहीं तोड़ने चाहिए।

मान्यता है कि व्रती को एकादशी के दिन मंजन नहीं करना चाहिए। साथ ही, इस दिन अपने मन में किसी भी प्रकार के नकारात्मक विचार नहीं रखने चाहिए।

एकादशी तिथि पर व्रती को दोपहर के समय शयन नहीं करना चाहिए। साथ ही, अगर संभव हो तो व्रत के दौरान बेड पर भी नहीं सोना चाहिए।

एकादशी तिथि के दिन नाखून और बाल काटना भी वर्जित माना जाता है। ऐसा करने से प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

मान्यता है कि अगर अपरा एकादशी पर आपके घर के दरवाजे पर कोई जरूरतमंद आए तो उसे खाली हाथ वापस नहीं भेजना चाहिए।

अपरा एकादशी के व्रत में नमक का सेवन करना वर्जित माना गया है। ऐसा करने से व्रत बीच में टूट सकता है।

एकादशी के दिन झूठ, क्रोध, बुराई, लालच आदि भावनाओं से दूर रहना चाहिए। साथ ही, एकादशी पर दूध और दही का सेवन करना भी वर्जित माना गया है।

अपरा एकादशी पर क्या करना चाहिए ?

अपरा एकादशी के दिन सुबह सूर्योदय से पहले उठकर स्नानादि करना चाहिए। इसके बाद, व्रत का संकल्प लेकर पूरे दिन विधि-पूर्वक व्रत करना चाहिए।

अगर आप एकादशी का व्रत करने वाले हैं, तो इसके नियमों का पालन दशमी तिथि से ही करना शुरू कर देना चाहिए। मान्यता है कि दशमी तिथि यानी व्रत से एक दिन पहले केवल सात्विक भोजन करना चाहिए।

एकादशी व्रत में जमीन पर शयन करना उचित माना जाता है। लेकिन अगर स्वास्थ्य संबंधी समस्या हो, तो एक डॉक्टर से परामर्श जरूर लें।

कैसे पड़ा अयोध्या के राम की पैड़ी का नाम?

यहां स्नान से मिलता सभी तीर्थों के बराबर फल

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में सरयू नदी के पावन तट पर स्थित राम की पैड़ी केवल एक घाट नहीं, बल्कि सनातन आस्था, इतिहास और पौराणिक परंपराओं का जीवंत प्रतीक है। अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह स्थान विशेष महत्त्व रखता है। हर दिन हजारों श्रद्धालु यहां सरयू स्नान कर आध्यात्मिक शांति और पुण्य की प्राप्ति की कामना करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, त्रेतायुग में भगवान श्रीराम इसी मार्ग से होकर सरयू नदी में स्नान करने जाया करते थे। यही कारण है कि इस स्थल का नाम "राम की पैड़ी" पड़ा। "पैड़ी" शब्द का अर्थ सीढ़ियां होता है और यह घाट सीढ़ीनुमा स्वरूप में सरयू नदी तक पहुंचता है।

खुद भगवान ने बताई खासियत

अयोध्या के पवन दास शास्त्री बताते हैं कि राम की पैड़ी का महत्त्व केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि आध्यात्मिक रूप से भी खास है। पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार लक्ष्मण ने भगवान श्रीराम से सभी तीर्थों के दर्शन करने की इच्छा जताई। तब भगवान राम ने सरयू तट के इस पवित्र स्थल का महत्त्व बताते हुए कहा कि जो श्रद्धालु यहां श्रद्धा और नियमपूर्वक स्नान करेगा, उसे समस्त तीर्थों के दर्शन के बराबर पुण्य प्राप्त होगा। यही वजह है कि आज भी दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालु राम की पैड़ी में स्नान कर स्वयं को धन्य मानते हैं।

नष्ट हो जाएंगे पाप

मान्यता यह भी है कि जब भगवान विष्णु ने राम रूप में अयोध्या में अवतार लिया, तब सरयू नदी और उसका तट अत्यंत पवित्र और दिव्य हो गया। धार्मिक ग्रंथों में वर्णित है कि सरयू स्नान से व्यक्ति के अनेक जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं और मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। यही कारण है कि विशेष पर्वों, अमावस्या, पूर्णिमा और रामनवमी जैसे अवसरों पर यहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है।

आज प्रमुख केंद्र

दीपोत्सव के समय राम की पैड़ी की भव्यता देखते ही बनती है। लाखों दीपों से जगमगाता सरयू तट पूरी अयोध्या को अलौकिक आभा से भर देता है। देश-विदेश से आने वाले पर्यटक और श्रद्धालु इस अद्भुत दृश्य के साक्षी बनते हैं। आधुनिक सौंदर्यीकरण के बाद राम की पैड़ी अब धार्मिक आस्था के साथ-साथ पर्यटन का भी प्रमुख केंद्र बन चुकी है। आज यह स्थल अयोध्या की पहचान और भगवान श्रीराम की दिव्य स्मृतियों का प्रतीक माना जाता है।

राम प्रसाद बिस्मिल की फांसी से पहले मां के कौन से शब्दों ने बदल दिया इतिहास

क्रांतिकारी राम प्रसाद बिस्मिल को जब जेल में फांसी होने वाली थी, तो उन्होंने अपनी मां को पत्र लिखा। पत्र में उन्होंने लिखा, ''केवल एक ही इच्छा थी कि तुम्हारे चरणों की सेवा कर अपना जीवन सफल करूं। किंतु यह इच्छा पूरी होती नजर नहीं आती। शायद मेरी फांसी की सूचना तुम्हें जल्दी ही मिले। मां, मुझे विश्वास है कि तुम यह समझकर धैर्य रख लोगी कि तुम्हारा पुत्र भारत-माता की सेवा में भेंट हो गया, उसने तुम्हारी कोख को कलंकित नहीं किया।''फांसी का हुक्म सुनाए जाने के बाद एक दिन मां बिस्मिल से मिलने गोरखपुर जेल आई तो बिस्मिल अपनी मां को देखकर रो पड़े। तब मां बोली, ''मैं तो समझती थी कि मेरा बेटा बहादुर है, जिसके डर से अंग्रेज भी कांपते हैं। मुझे पता नहीं था कि मेरा बेटा मौत से डरता है। अगर तुम्हें रोकर ही मरना था तो क्रांतिकारी क्यों बने?''

बिस्मिल बोले, ''मां मुझे मृत्यु से जरा भी भय नहीं है। मैं तो तुम्हारे चरणों को अपने आंसुओं से धोना चाहता हूं। तुम विश्वास रखो, मातृभूमि के लिए बलिदान देने में मुझे अपार प्रसन्नता है।''

फांसी के दिन मां जब बिस्मिल से मिलने जेल आई तो फूट-फूट कर रोने लगी। यह देख बिस्मिल ने पूछा, ''मां क्या तू मुझे बचाने के लिए क्षमा मांगने आई है? तू कहेगी तो मैं क्षमा मांग लूंगा, पर तेरी आंखों में आंसू नहीं देखे जाते।''

मां बोली, ''मेरे बाल, मैं इसलिए थोड़े ही रो रही हूं कि आज तुझे फांसी लगने वाली है। इस दिन तो मेरी शान बढ़ेगी। मुझे तो यह सोचकर रोना आ गया कि तुझे फांसी के बाद भविष्य में जब दूसरी मांएं अपने बेटों को देश पर न्यौछावर करेंगी, तो फिर से न्यौछावर करने को मेरे पास मेरा पुत्र नहीं होगा।'

भीष्म पितामह की वो सबसे बड़ी गलती, जिससे दुर्योधन समेत 100 कौरवों का हो गया सर्वनाश!

महाभारत में भीष्म पितामह का किरदार बेहद ही शक्तिशाली है। गंगा पुत्र भीष्म की प्रतीज्ञा हो या फिर उनकी वीरता के किस्से, उनके समान कोई दूसरा हस्तिनापुर में नहीं था। वे हस्तिनापुर के राज सिंहासन की सेवा के प्रति वचनबद्ध थे। इसकी वजह से उन्होंने कई युद्ध लड़े। लेकिन उन्होंने इस दौरान एक ऐसी गलती की, जिसकी वजह से दुर्योधन समेत 100 कौरवों का सर्वनाश हो गया। वो गलती धृतराष्ट्र और गांधारी के विवाह के बाद की है।

गांधारी की कुंडली में था वैधव्य योग

गांधारी गांधार नरेश सुबाल की पुत्री थीं। उनका विवाह धृतराष्ट्र से हुआ था। उनको जब पता चला कि धृतराष्ट्र दृष्टिहीन हैं तो उन्होंने अपनी आंखों पर पट्टी बांध ली थी। विवाह के बाद पितामह भीष्म को पता चला कि गांधारी की कुंडली में वैधव्य योग है। ज्योतिषाचार्यों ने बताया कि इस वजह से गांधारी के पहले पति की असमय मृत्यु हो जाएगी।

इस अशुभ योग के दुष्प्रभाव से बचने के लिए राजा सुबाल ने गांधारी का विवाह एक बकरे से कराया। बाद में उस बकरे की बलि दे दी गई, ताकि उस अशुभ योग का दुष्प्रभाव खत्म हो जाए।

नाराज हो गए पितामह भीष्म

गांधारी के बकरे से विवाह और वैधव्य योग की बात छिपाने से पितामह भीष्म बहुत क्रोधित हो गए। उन्होंने इसे हस्तिनापुर के साथ धोखा माना। हस्तिनापुर की सेवा के प्रण ने उनको कठोर कदम उठाने पर विवश कर दिया। उन्होंने गांधार नरेश सुबाल और उनके 100 पुत्रों को हस्तिनापुर आमंत्रित किया।

गांधार नरेश को पुत्रों समेत जेल में डाला

गुस्से में पितामह भीष्म ने गांधार नरेश सुबाल और उनके 100 पुत्रों को जेल में बंद कर दिया। यह बात गांधार नरेश को अच्छी नहीं लगी। और यही घटना भीष्म की बड़ी गलती भी थी। यहीं पर गांधार नरेश के छोटे पुत्र शकुनि ने कौरवों के सर्वनाश की प्रतिज्ञा ली। शकुनि ने महाभारत के युद्ध की पटकथा लिखी और दुर्योधन समेत 100 कौरवों का अंत हो गया। इस युद्ध में शकुनि भी मारा गया।

हकीकत या फसाना?

गांधार नरेश सुबाल और उनके 100 पुत्रों को जेल में डालने की घटना हकीकत है या फिर फसाना? वेद व्यास रचित महाभारत में इस घटना का वर्णन नहीं है। शकुनि के चरित्र को और प्रभावशाली बनाने के लिए लोक नाटकों, उपन्यास और कहानी में ऐसी बातें जोड़ दी गईं।

जब पितामह भीष्म ने गांधारी से धृतराष्ट्र के विवाह का प्रस्ताव रखा था, तो राजा सुबल उनके दृष्टिहीन होने की वजह से असमंजस में थे। लेकिन भीष्म के कुल और हस्तिनापुर को देखते हुए तैयार हो गए। विवाह के बाद कोई युद्ध या राजा सुबाल को बंदी बनाने की घटना का जिक्र महाभारत में नहीं है। गांधारी से प्रेम की वजह से शकुनि हस्तिनापुर में रुक गया था।

प्रेम, श्रद्धा, स्नेह से जीवन में भक्ति आसानी से उतर आती है

ईश्वर संदेह का नहीं, जिज्ञासा का विषय है। संदेह की जब अति हो जाती है तो लोग अपना अज्ञान भी भगवान पर आरोपित कर देते हैं। हमारा अज्ञान, हमारा अहंकार हमको ईश्वर से दूर कर देता है। काकभुशुंडि जी कह रहे हैं- ते सठ हठ बस संसय करहीं, निज अग्यान राम पर धरहीं। वे मूर्ख हठ के वश होकर संदेह करते हैं और अपना अज्ञान श्रीराम जी पर आरोपित करते हैं।

ऐसा उन्होंने इसलिए कहा कि पक्षीराज गरुड़ को संदेह हो गया था श्रीराम जी के ऊपर। उसके निवारण में काकभुशुंडि जी ने रामचरित उनको सुनाया। ईश्वर से जुड़ने का, उन पर भरोसा करने का सबसे सरल तरीका है- भक्ति की जाए। तीन बातें छंदोबद्ध हो जाएं तो जीवन में भक्ति आसानी से उतर जाती है- प्रेम, श्रद्धा और स्नेह। प्रेम समान लोगों से होता है। यह समतल होता है। श्रद्धा अपने से बड़ों से होती है। स्नेह छोटों के प्रति रहता है। ये तीनों यदि रिद्मिक हो जाएं, एक-दूसरे में घुलमिल जाएं तो भक्ति बन जाती है। भक्त जिज्ञासु तो होता है, पर संदेहग्रस्त नहीं रहता।

अपरा एकादशी पर जानें बड़े से बड़े संतों की आत्माएं भी क्यों नहीं पहुंच पातीं वैकुंठ धाम

अपरा एकादशी केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और संयम का प्रतीक भी है। इस दिन व्रत रखकर भगवान विष्णु की विधि विधान के साथ पूजा अर्चना करने पर सभी संकटों से मुक्ति मिलती है। अपरा एकादशी पर आज हम आपको बैकुंठ धाम के सात अदृश्य द्वार के बारे में बताएंगे, जिनको बड़े से बड़े संत की आत्माएं भी पार नहीं कर पातीं। जब तक कोई व्यक्ति इन सभी सात द्वारों को पार नहीं करता, मोक्ष के द्वार कभी पूरी तरह नहीं खुलते।

ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को अपरा एकादशी का व्रत किया जाता है। धर्म शास्त्रों में बताया गया है कि भगवान विष्णु को समर्पित अपरा एकादशी का व्रत करने से सभी संकटों से मुक्ति मिलती है और व्यक्ति जन्म-मृत्यु के बंधन से मुक्त हो जाता है। अपरा एकादशी के मौके हम आपको बैकुंठ धाम के सात ऐसे अदृश्य द्वार के बारे में बताएंगे, जो बड़े से बड़े संत तक पार नहीं कर पाते। हिंदू शास्त्रों में वैकुंठ को भगवान विष्णु का शाश्वत निवास बताया गया है, जो एक दिव्य लोक है जहां दर्द, डर, मृत्यु और पुनर्जन्म का कोई स्थान नहीं है। लेकिन प्राचीन वैष्णव परंपराओं के अनुसार, वैकुंठ तक पहुंचना आसान नहीं है। मानव आत्मा और भगवान विष्णु के बीच सात अदृश्य द्वार होते हैं। ये साधारण पत्थर या सोने के दरवाजे नहीं हैं, बल्कि ये आध्यात्मिक बाधाएं हैं, जो हर इंसान के भीतर छुपी होती हैं। तो आखिर ये रहस्यमय द्वार किस चीज की रक्षा कर रहे हैं?

पहला द्वार है इच्छा – वैकुंठ की ओर यात्रा काम यानी इच्छा से शुरू होती है। हिंदू दर्शन यह नहीं कहता कि सभी इच्छाएं बुरी हैं, लेकिन अनियंत्रित लालसा मन को हमेशा बेचैन रखती है। लोग लगातार धन, रिश्ते, प्रतिष्ठा और क्षणिक सुखों के पीछे भागते हैं, मानते हैं कि संतुष्टि उनके बाहर है। लेकिन जितना मन चाहता है, शांति उतनी ही दूर चली जाती है। शास्त्रों में इच्छा को पहली आध्यात्मिक बाधा बताया गया है क्योंकि सांसारिक लालसाओं से जुड़ाव आत्मा को असंतोष के अंतहीन चक्र में फंसा देता है।

क्रोध बनता है दूसरी बाधा – इच्छा के बाद आता है क्रोध। आध्यात्मिक परंपराएं क्रोध को ज्ञान और शांति को नष्ट करने का सबसे तेज तरीका मानती हैं। एक पल का गुस्सा रिश्तों को नुकसान पहुंचा सकता है, निर्णय को भ्रमित कर सकता है और वर्षों तक चलने वाला दुख पैदा कर सकता है। इसलिए संतों ने धैर्य को दिव्य गुण माना है। इस द्वार को पार करने का मतलब भावनाओं को पूरी तरह दबाना नहीं है, बल्कि बिना नफरत या विनाश के प्रतिक्रिया देना सीखना है।

वह द्वार जिसे कम लोग पहचानते हैं – तीसरा द्वार है लोभ। बुनियादी जरूरतों के अलावा, लोभ कभी खत्म नहीं होता। कोई व्यक्ति धन, सफलता या शक्ति पा सकता है, फिर भी अधूरा महसूस करता है। हिंदू दर्शन चेतावनी देता है कि लोभ एक अंतहीन भूख पैदा करता है, जिसमें संतुष्टि असंभव हो जाती है। लोग तुलना, प्रतिस्पर्धा और संग्रह में लग जाते हैं, लेकिन भीतर शांति नहीं मिलती।

मोह जिसे कहते हैं भावनात्मक जाल – चौथा द्वार है मोह, जो भावनात्मक लगाव और भ्रम का प्रतीक है। इंसान स्वाभाविक रूप से परिवार, रिश्तों और जीवन से प्यार करता है, लेकिन आध्यात्मिक शिक्षाएं चेतावनी देती हैं कि अस्थायी चीजों पर भावनात्मक निर्भरता ठीक नहीं है। प्राचीन ऋषियों ने सिखाया कि मोह से हानि का डर पैदा होता है, जिससे दर्द और चिंता जन्म लेती है। इस द्वार को पार करने का मतलब प्यार छोड़ना नहीं है बल्कि बिना डर, नियंत्रण या भावनात्मक निर्भरता के प्यार करना है।

अभिमान और ईर्ष्या बंद करते हैं अगले द्वार – पांचवां और छठा द्वार है, अभिमान और ईर्ष्या। अभिमान लोगों को खुद को श्रेष्ठ मानने पर मजबूर करता है, जबकि ईर्ष्या दूसरों की सफलता से दुखी करती है। ये दोनों भावनाएं चुपचाप मन को विषाक्त कर देती हैं। आध्यात्मिक परंपराएं कहती हैं कि अभिमान इंसान को विनम्रता से दूर करता है, जबकि ईर्ष्या कृतज्ञता को नष्ट करती है। आज के तुलना और प्रतिस्पर्धा वाले युग में ये द्वार पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हो सकते हैं।

सबसे कठिन है अंतिम द्वार – सातवां और आखिरी द्वार है अहंकार। हिंदू दर्शन के अनुसार, अहंकार वह झूठी पहचान है जो इंसान को खुद को दिव्य से अलग मानने पर मजबूर करती है। यह स्थिति, पहचान, नियंत्रण और व्यक्तिगत महत्व से जुड़ाव पैदा करता है। यहां तक कि आध्यात्मिक प्रगति भी अहंकार का रूप ले सकती है अगर मन में अभिमान आ जाए। इसलिए संतों ने अंतिम द्वार को सबसे कठिन बताया है।

अपरा एकादशी का आध्यात्मिक महत्व – हिंदू धर्म में अपरा एकादशी का विशेष आध्यात्मिक महत्व माना जाता है। यह व्रत भगवान भगवान विष्णु को समर्पित होता है और ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को रखा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन विधि-विधान से व्रत और पूजा करने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति मिलती है तथा जीवन में सुख-समृद्धि का आगमन होता है। पुराणों के अनुसार, अपरा एकादशी का व्रत करने से तीर्थ स्नान, दान और यज्ञ के समान पुण्य फल प्राप्त होता है। मान्यता है कि जो श्रद्धालु इस दिन उपवास रखकर भगवान विष्णु की आराधना करते हैं, उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस अवसर पर भक्त विष्णु सहस्रनाम और गीता पाठ भी करते हैं।

कैसे राजेंद्र प्रसाद ने एक लालची व्यक्ति का किया हृदय परिवर्तन

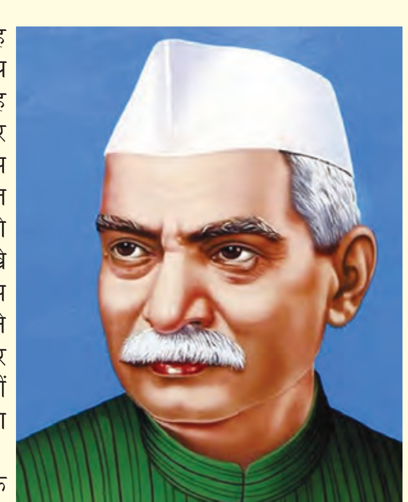

उन दिनों डॉ. राजेंद्र प्रसाद पटना हाईकोर्ट में वकालत करते थे। वह हमेशा कमजोर लोगों व पीड़ितों के पक्ष में खड़े होते थे और उन्हें न्याय दिलाने का भरपूर प्रयास करते थे। अपने इस सिद्धांत के चलते वह लाखों रुपए फीस के प्रस्ताव भी आसानी से ठुकरा देते थे। एक बार एक समाज सुधारक का सिफारिशी पत्र लेकर एक व्यक्ति उनके पास आया। उसका अपनी किसी निकट संबंधी विधवा महिला से संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था, जोकि असहाय थी। वह राजेंद्र बाबू को अपना वकील बनाना चाहता था। राजेंद्र बाबू ने उसके कागजात देखे तथा गंभीर होकर बोले, "कागज देखकर मैं समझ गया हूं कि इस संपत्ति के असली मालिक तुम नहीं, वह विधवा महिला है। तुमने इतनी चालाकी से कागज तैयार किए हैं कि कानूनी दृष्टि से तुम हकदार बन सकते हो। मैं किसी का हक छीनने में तुम्हारी मदद बिल्कुल नहीं कर सकता। यह मेरे सिद्धांत के खिलाफ बात होगी। इसीलिए मेरा सुझाव यह है कि तुम उस बेचारी की संपत्ति हजम करने से बचो।" राजेंद्र बाबू की बात सुनकर उसका हृदय बदल गया और उसने उनके सामने ही वे कागज फाड़कर फैंक दिए। इस तरह से राजेंद्र बाबू लोगों का विचार बदल देते थे और कई बार मामला न्यायिक प्रक्रिया में जाने से पहले ही सुलझ जाता था। उनसे प्रभावित होकर कई लोग देश सेवा के रास्ते पर चले आए थे।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 13 मई - 2026

भारत की अर्थव्यवस्था पर दबाव

पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को अस्थिर कर दिया है और इसका प्रभाव अब भारत पर भी साफ दिखाई देने लगा है। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी, व्यापारिक मार्गों पर खतरा और वैश्विक बाजारों में बढ़ती अनिश्चितता ने भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्था के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। पेट्रोलियम उत्पादों की बढ़ती कीमतें केवल आम आदमी की जेब पर असर नहीं डालतीं, बल्कि वे पूरे आर्थिक तंत्र को प्रभावित करती हैं। यही कारण है कि केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री द्वारा नागरिकों से संयमित उपभोग तथा अनावश्यक खर्चों से बचने की अपील को केवल सलाह नहीं, बल्कि समय की मांग के रूप में देखा जाना चाहिए। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात के माध्यम से पूरा करता है। ऐसे में यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होता है या आपूर्ति बाधित होती है, तो उसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ता है, रुपये की कीमत कमजोर होती है और महंगाई नई ऊंचाइयों तक पहुंच जाती है। यह स्थिति केवल आर्थिक आंकड़ों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि इसका प्रभाव आम परिवारों की रसोई, परिवहन और रोजमर्रा की जरूरतों पर भी पड़ता है। आज देश जिस परिस्थिति का सामना कर रहा है, उसमें सबसे बड़ी चुनौती महंगाई को नियंत्रित रखने की है। यदि कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ती रहीं, तो पेट्रोल-डीजल के दामों में वृद्धि लगभग तय मानी जाएगी। इससे माल ढुलाई महंगी होगी और हर वस्तु की कीमत पर असर पड़ेगा। खाद्य पदार्थों से लेकर निर्माण सामग्री तक, हर क्षेत्र में लागत बढ़ेगी। इसका सबसे अधिक असर मध्यम और निम्न वर्ग पर पड़ेगा, जिनकी आय सीमित है और जिनका मासिक बजट पहले से ही दबाव में है। ऐसे समय में सरकार की जिम्मेदारी केवल आर्थिक प्रबंधन तक सीमित नहीं हो सकती। उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता बनी रहे और जमाखोरी या मुनाफाखोरी जैसी गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगे। साथ ही सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को भी सामाजिक जिम्मेदारी निभानी होगी ताकि संकट के दौर में आम जनता पर अतिरिक्त बोझ न पड़े। प्रधानमंत्री द्वारा स्थानीय वस्तुओं को प्राथमिकता देने, विदेशी यात्राओं से बचने और ऊर्जा की बचत करने की अपील एक व्यापक आर्थिक रणनीति का हिस्सा है। यह केवल सरकारी प्रयासों से हल होने वाला संकट नहीं है। जब वैश्विक परिस्थितियां अस्थिर हों, तब नागरिकों की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। बिजली, ईंधन और संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग देश की आर्थिक मजबूती में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। हालांकि यह भी उतना ही जरूरी है कि संकट के समाधान के नाम पर आम जनता पर अत्यधिक बोझ न डाला जाए। सरकार को गरीब और मध्यम वर्ग के हितों की रक्षा के लिए राहतकारी कदम उठाने होंगे। सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना, वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना और घरेलू उत्पादन क्षमता में वृद्धि करना अब केवल विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुके हैं। यह संकट भारत के लिए एक चेतावनी भी है कि ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को अब और तेजी से आगे बढ़ाना होगा। सौर ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में निवेश बढ़ाकर ही भविष्य की चुनौतियों से सुरक्षित रहा जा सकता है। यदि भारत इस संकट को अवसर में बदलने में सफल होता है, तो वह न केवल अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा, बल्कि वैश्विक मंच पर भी अधिक आत्मविश्वास के साथ खड़ा हो सकेगा। स्पष्ट है कि वर्तमान परिस्थिति केवल आर्थिक संकट नहीं, बल्कि धैर्य, अनुशासन और दूरदर्शिता की परीक्षा है। सरकार, उद्योग और नागरिक-तीनों को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी। तभी भारत इस कठिन दौर से मजबूती के साथ बाहर निकल पाएगा।

एशिया में अल्पवर्षा-युग की शुरुआत हो चुकी है

अनिकेत सिंह

इस वर्ष कम वर्षा होने की भविष्यवाणी की गई है। दुनिया के सभी विकसित देशों के पास समृद्ध मौसम विभाग होते हैं। जिस प्रकार रक्षा मंत्रालय और वित्त मंत्रालय को विशेष महत्व दिया जाता है, उसी प्रकार विकसित देशों में मौसम विभाग को भी अत्यधिक महत्व दिया जाता है। इसका सबसे बड़ा लाभ यह है कि बुद्धिमान लोगों का एक विशाल समूह लगातार देश की ऋतुओं, जलवायु परिवर्तन और आने वाले मौसम पर विचार करता रहता है। शोधकर्ताओं की एक बड़ी टीम इस कार्य में लगी रहती है। कैलिफोर्निया में एक वेधशाला का कार्य तो निरंतर बादलों का निरीक्षण करना है। वर्षों के शोध के कारण प्रकृति के कुछ रहस्य वैज्ञानिकों के हाथ लग जाते हैं और उसी आधार पर वे अपने देश के वातावरण को कुछ हद तक स्वयं नियंत्रित कर पाते हैं। भारत और भारत जैसे अन्य देशों की सरकारों को न तो इस बात का ज्ञान है और न ही इसकी कोई चिंता है।

हमारे देश में सभी मंत्री दशकों से एक ही ढोल पीटते आ रहे हैं कि अधिक वृक्ष लगाओ तो अधिक वर्षा होगी। वास्तव में ऐसा नहीं है। वृक्ष एक आधार अवश्य हैं, लेकिन इसके अतिरिक्त पर्याप्त मात्रा में और समय पर वर्षा लाने के अनेक उपाय हैं, जिन्हें अब विकसित देश जानते हैं। हम लोग बाहरी विकास के आडंबरों में ही उलझे हुए हैं, जबकि विकसित देश प्रकृति के साथ काम करने में दक्ष बन चुके हैं। भारत जैसे विकासशील देशों के लिए मौसम विभाग केवल सूचना देने वाला विभाग बनकर रह गया है। वास्तव में वर्षा कब होगी और कितनी होगी, इसका पूर्वानुमान तो पाकिस्तान और इथियोपिया जैसे गरीब देशों के मौसम विभाग भी कर लेते हैं। मौसम विभाग की जिम्मेदारी देश की विभिन्न कृषि फसलों को मार्गदर्शन देना भी है। साथ ही किसानों को मौसम के अनुसार पहले से ही फसल चयन के निर्णय में सहायता करनी चाहिए। सामान्य जनता यह मानती है कि यदि वर्षा हो जाए या सिंचाई का पानी मिल जाए तो खेती अच्छी हो जाएगी। यह धारणा भ्रमपूर्ण है। खेती करने वाले लोग जानते हैं कि फसल केवल पानी पर नहीं, बल्कि पानी के बाद आने वाले मौसम पर भी बहुत अधिक निर्भर करती है। विकसित देशों में विश्वविद्यालय कम से कम वर्ष में चार-पांच बार अपने क्षेत्र के किसानों को बुलाकर उनकी भाषा में सरलता से आधुनिक कृषि तकनीक और जलवायु परिवर्तन का ज्ञान देते हैं। बदले हुए तापमान में पहले जैसी ही उपज कैसे ली जाए, इसका पूरा मार्गदर्शन दिया जाता है।

विश्वविद्यालयों के प्राध्यापक वर्षभर किसानों के खेतों का दौरा भी करते रहते हैं। ऐसा इसलिए संभव होता है, क्योंकि उन देशों की मौसम नीति बहुत व्यवस्थित होती है और उससे देश के अनेक क्षेत्र जुड़े होते हैं। हमारे यहां ऐसा आपसी समन्वय बनने में अभी कई वर्ष लगेंगे। हमारे राज्य और देश की कृषि विश्वविद्यालयों के अध्यापकों को किसानों के खेतों पर जाकर उनसे बातचीत करने में कोई रुचि नहीं है। हमारी वर्तमान खेती व्यवस्था किसी न किसी रूप में हजारों वर्ष पुरानी ही है। और जो लोग केवल वर्षा आधारित खेती करते हैं तथा केवल मेघराजा पर निर्भर रहते हैं, वे तो पांच हजार वर्ष पुरानी पद्धति पर चल रहे हैं।

जोड़-तोड़कर सरकार बनाने की रणनीति

अशोक भाटिया

भारतीय जनता पार्टी ने साल 2014 में पहली बार पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता हासिल की, तब से विपक्षी सांसदों और विधायकों द्वारा पार्टी की निष्ठा बदलकर भाजपा में शामिल होने के कई उदाहरण सामने आए हैं। राघव चड्ढा के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों का हाल ही में भाजपा में शामिल होना इसी का एक उदाहरण है।

मार्च 2020 में मध्य प्रदेश में कमल नाथ की सरकार गिराने के लिए 22 कांग्रेस विधायकों ने इस्तीफा दे दिया। कुछ मामलों में नेता सीधे भाजपा में शामिल नहीं होते, लेकिन उसकी मदद करते हैं। जैसे 2020 में मणिपुर में, आठ कांग्रेस विधायकों ने अपनी पार्टी के आदेश (व्हिप) को नहीं माना और विश्वास मत के दौरान वोटिंग से दूर रहे, जिससे भाजपा सरकार बच गई। इसके अलावा, कई बार नेता सीधे भाजपा में भी शामिल हो जाते हैं।

आम आदमी पार्टी के सात बागी सांसदों ने एक ऐसी विधि का इस्तेमाल किया है जिसका इस्तेमाल अतीत में कई बार किया जा चुका है – दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्यता से बचने के लिए सदन में पार्टी के दो-तिहाई से अधिक सदस्यों को तोड़ना और पीठासीन अधिकारी के फैसले के अधीन भाजपा के साथ विलय का दावा करना। आम आदमी पार्टी के सांसदों का दल-बदल पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल के लिए एक बड़ा झटका रहा है , जिससे यह संदेश जाता है कि पार्टी पर उनका नियंत्रण नहीं है। भाजपा ने केजरीवाल के मुख्यमंत्री रहते हुए उनके मुख्यमंत्री आवास की योजना को फिर से उठाया है और इस तरह उनके खिलाफ अपने शीश महल विवाद को फिर से हवा देने की कोशिश की है।आम आदमी पार्टी के संकट से पहले भी विपक्षी दलों ने भाजपा पर बार-बार आरोप लगाया है कि वह उनकी पार्टियों को विभाजित करने और अलग हुए गुटों के साथ गठबंधन सरकार बनाने के लिए एक के बाद एक राज्यों में ऑपरेशन लोटस चला रही है। विपक्षी विधायकों द्वारा भाजपा में विलय करके सरकार बनाने में मदद करने के कई मामले भी सामने आए हैं।

2023 में अजीत पवार ने एनसीपी को विभाजित कर दिया। इसमें पार्टी के ज्यादातर विधायकों और नेताओं ने उनका समर्थन किया। एनसीपी ने तब एक बयान जारी कर कहा था, "30 जून, 2023 को एनसीपी के विधायी और संगठनात्मक दोनों विंग के सदस्यों के भारी बहुमत से हस्ताक्षरित एक प्रस्ताव पारित किया गया, जिसके तहत अजीत अनंतराव पवार को एनसीपी का अध्यक्ष चुना गया। एनसीपी ने अजीत पवार को महाराष्ट्र विधानसभा में एनसीपी विधायक दल का नेता नियुक्त करने का भी निर्णय लिया और इस निर्णय को एनसीपी विधायकों के भारी बहुमत से पारित प्रस्ताव द्वारा अनुमोदित किया गया।"इसके बाद, दिवंगत अजीत पवार ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर अपने गुट को असली एनसीपी के रूप में मान्यता देने की मांग की, साथ ही उन्होंने शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। 2022 में शिंदे ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना को विभाजित कर दिया और उसके 55 विधायकों में से 40 और 19 सांसदों में से 12 को अपने साथ भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में ले गए। इन दोनों ही मामलों में, चुनाव आयोग ने अलग हुए गुटों को मूल पार्टी चिन्ह दिया और शिंदे सेना और अजीत एनसीपी दोनों को असली पार्टी के रूप में मान्यता दी।

शिंदे का उद्देश्य उद्धव सेना को विभाजित करके भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री बनना था। वहीं, एनसीपी के मामले में, अजीत पवार का लक्ष्य न केवल सरकार में शामिल होना था, बल्कि शरद पवार के नेतृत्व वाली पार्टी की विरासत पर दावा करना और अपनी चचेरी बहन सुप्रिया सुले को दरकिनार करना भी था। दोनों ही मामलों में भाजपा को लाभ हुआ, क्योंकि उद्धव सरकार के पतन के बाद एनडीए सत्ता में आया और फिर उसने अपनी स्थिति और मजबूत कर ली।नवंबर 2024 के विधानसभा चुनावों में एनडीए की शानदार जीत के बाद भाजपा ने देवेंद्र फड़नवीस को अपना मुख्यमंत्री बनाया और सहयोगी दलों ने उनके उपमुख्यमंत्री के पद पर समझौता कर लिया। 2019 में टीडीपी के छह राज्यसभा सांसदों में से चार भाजपा में शामिल हो गए। इससे उच्च सदन में पार्टी की संख्या दो-तिहाई हो गई। एक दिन बाद, तत्कालीन राज्यसभा अध्यक्ष एम। वेंकैया नायडू ने सदन में टीडीपी संसदीय दल को भाजपा में विलय करने का आदेश जारी किया।

पार्टी के लोकसभा सांसदों ने नायडू को पत्र लिखकर कहा कि संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत विलय संगठनात्मक स्तर पर हो सकता है, न कि विधायक दल स्तर पर। इस स्थिति में, दल-बदल करने वाले सांसदों ने उच्च सदन में भाजपा की संख्या को और मजबूत किया। अब, एन चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली टीडीपी आंध्र प्रदेश सरकार और केंद्र दोनों में भाजपा की एक प्रमुख सहयोगी रही है।

गोवा में इस तरह के विलय कई बार हो चुके हैं। 2019 में, कांग्रेस के 15 विधायकों में से 10 भाजपा में शामिल हो गए, जिससे 40 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा की संख्या 27 हो गई। इसे अदालतों में चुनौती दी गई। सुप्रीम कोर्ट ने फरवरी 2026 में फैसला सुनाया कि राज्य में नए विधानसभा चुनाव हो चुके हैं, इसलिए यह मामला अब निरर्थक हो गया है।2022 में भी गोवा में कांग्रेस के 11 विधायकों में से आठ ने भाजपा में विलय की घोषणा की, जिससे भाजपा को आराम से बहुमत मिल गया। 2024 में, राज्य विधानसभा अध्यक्ष रमेश तावडकर ने 10वीं अनुसूची के उल्लंघन के लिए उन्हें अयोग्य घोषित करने की कांग्रेस की याचिका को खारिज कर दिया।

मनोहर परिकर की मृत्यु के बाद मुख्यमंत्री बने प्रमोद सावंत को इन विलयों के कारण स्थिर सरकारें चलाने में मदद मिली। 2019 के विलय ने उन्हें गोवा फॉरवर्ड पार्टी और एमजीपी जैसे क्षेत्रीय सहयोगियों पर निर्भर हुए बिना बहुमत हासिल करने में सक्षम बनाया। 2022 के चुनावों में भाजपा ने 20 सीटें जीतीं और सावंत ने मात्र 666 वोटों से चुनाव जीता, लेकिन इस विलय ने भाजपा सरकार को और मजबूत किया। अरुणाचल प्रदेश में 2016 में, तत्कालीन मुख्यमंत्री पेमा खांडू के नेतृत्व में कांग्रेस के 44 विधायकों में से 43 ने एनडीए के एनईडीए की सहयोगी पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल (पीपीए) में शामिल हो गए। दो महीने बाद, खांडू ने पीपीए को तोड़ दिया और 32 विधायकों के साथ भाजपा में शामिल हो गए। खांडू मुख्यमंत्री बने रहे और इस दौरान वे कमजोर कांग्रेस से केंद्र में मजबूत भाजपा की सत्ता में आने में सफल रहे। 2019 में सिक्किम में विधानसभा चुनावों में सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट की हार के बाद, पार्टी के 13 विधायकों में से 10 भाजपा में शामिल हो गए।

क्रूज़ शिप में महामारी : कोरोना से शुरू होकर हंता और नोरो वायरस तक

स्नेहा सिंह

दुनिया के अनेक देशों में इस समय छुट्टियों का माहौल चल रहा है। भारत और एशिया के कुछ देशों में जहां अत्यधिक गर्मी के कारण अवकाश का माहौल है, वहीं कुछ स्थानों पर अत्यधिक ठंड के कारण छुट्टियां हैं। इन सबके बीच लाखों लोग पर्यटन के लिए निकल पड़े हैं। इसी पर्यटन के बीच एक भयावह समाचार सामने आया है। पिछले कुछ समय से लोग क्रूज वेकेशन पर जाना अधिक पसंद कर रहे हैं। भारत में भी यह चलन बढ़ने लगा है। क्रूज वेकेशन के इस बढ़ते क्रेज के बीच एक ऐसी खबर आई है, जिसने दुनिया को फिर चिंता में डाल दिया है। साफ-सुथरे, सुरक्षित, समयबद्ध और शानदार दिखने वाले ये क्रूज शिप धीरे-धीरे बीमारियों के घर बनते जा रहे हैं। वे दुनिया भर में महामारियों के केंद्र बन रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार महामारी की श्रेणी में रखी जा सकने वाली बीमारियों के फैलाव के लिए ये क्रूज शिप अत्यंत संवेदनशील स्थान बनते जा रहे हैं। पिछले सप्ताह ही दो बड़े क्रूज पर दो अलग-अलग वायरसों का हमला हुआ और कई लोग उसका शिकार बने। एक मामले में एमवी होंडियस जहाज पर घातक हंता वायरस फैला था, जबकि दूसरी ओर कैरेबियन प्रिंसेस नामक क्रूज पर नोरो वायरस का हमला हुआ था।विशेषज्ञों का मानना है कि कोरोना महामारी के बाद लोगों में क्रूज यात्रा का आकर्षण बढ़ा है, लेकिन वे यह भूल जाते हैं कि कोरोना महामारी के समय भी कुछ क्रूज में वायरस फैला था और हजारों लोगों की मौत हुई थी, जिसकी पूरी जानकारी शायद आज भी दुनिया के पास नहीं है। कोई भी देश कोरोना संक्रमित क्रूज को अपने तट पर आने नहीं दे रहा था और स्थिति बेहद गंभीर हो गई थी। ठीक वैसी ही स्थिति अब फिर खड़ी हो रही है। खास बात यह है कि लोग क्रूज में बैठकर अंटार्कटिका और अन्य दूरस्थ ध्रुवीय क्षेत्रों की यात्रा करना पसंद करते हैं। इस महंगी यात्रा पर जाने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है और साथ ही उनके स्वास्थ्य का जोखिम भी बढ़ रहा है।

चिंताजनक बात यह है कि अब तक क्रूज पर ई-कोलाई रोग, लीजियोनेयर्स रोग जैसे संक्रमण देखे जाते थे। उसके बाद कुछ वर्ष पहले कोरोना महामारी फैली। फिर भी लोग इस ओर अधिक आकर्षित होने लगे। अब स्थिति ऐसी हो गई है कि नोरो वायरस फैल चुका है और उसके साथ हंता वायरस की भी एंट्री हो चुकी है। करोड़ों रुपए खर्च करके जाने वाले लोग गंभीर बीमारियों का शिकार बन रहे हैं और उन्हें उसकी गंभीरता का अहसास तक नहीं है। कोरोना में भी अनेक लोगों की संक्रमण फैलने के कारण मृत्यु हुई थी और वर्तमान में हंता वायरस के कारण भी कुछ मौतें हुई हैं तथा अनेक लोगों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। इन परिस्थितियों में यदि इस पर नियंत्रण नहीं पाया गया तो भविष्य में स्थिति और अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकती है। उल्लेखनीय है कि डच संचालन वाले एमवी होंडियस क्रूज पर हंता वायरस का सबसे बड़ा असर देखने को मिला है। उसके कारण अनेक यात्री गंभीर रूप से बीमार हो गए हैं और कुछ की तो मृत्यु भी हो चुकी है। विशेषज्ञों के अनुसार यह घटना इसलिए भी गंभीर है, क्योंकि इसमें एंडीज वायरस के स्ट्रेन भी पाए गए हैं। विशेषज्ञों के अनुसार यह हंता वायरस का एक दुर्लभ स्वरूप माना जा सकता है। पहले यह जानवरों से मनुष्यों में फैला और उसके बाद मनुष्यों से मनुष्यों में फैलने लगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया कि यह वायरस क्लस्टर के रूप में फैला है और उससे जुड़े सभी मामलों की जांच की जा रही है। दूसरी मई को पहली बार इस वायरस के फैलने की खबर सामने आई थी।

उस समय जहाज पर 147 यात्री और क्रू सदस्य मौजूद थे। उनमें से 34 यात्री जहाज से उतर चुके थे। वर्तमान में सभी संक्रमित लोग दक्षिण अफ्रीका, नीदरलैंड और स्विट्जरलैंड में उपचार ले रहे हैं। कुछ लोगों का मानना है कि ये यात्री जहाज पर आने से पहले ही इस वायरस से संक्रमित हो चुके थे। खास बात यह है कि एमवी होंडियस की इस घटना ने एक बार फिर अंटार्कटिका पर्यटन पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। एक्सपीडिशन और टूरिंग के लिए ले जाई जाने वाली यात्राओं में कितने जोखिम छिपे हैं, यह इस घटना ने साबित कर दिया है। वर्तमान में क्रूज टूरिज्म का क्रेज बढ़ रहा है। अब अंटार्कटिका टूर कराने वाले आपरेटर्स की संख्या भी बढ़ रही है और वहां जाने वाले लोगों की संख्या भी बढ़ी है। उल्लेखनीय है कि कोरोना से पहले 2015 में अंटार्कटिका जाने वाले यात्रियों की संख्या केवल 37,000 थी। लेकिन दस वर्ष बाद 2025 में 1,17,000 पर्यटक अंटार्कटिका गए थे। पिछले वर्ष भी 80,000 से अधिक लोग वहां पहुंचे थे। ये लोग जहाज से उतरकर बर्फ पर घूमने भी जाते हैं।

चिंताजनक बात यह है कि ऐसे दूरस्थ और एकांत क्षेत्रों में जाने वाले जहाजों पर पर्याप्त चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं होती। इसके अलावा वहां फैलने वाली बीमारियों और वायरसों के बारे में भी पर्याप्त जानकारी नहीं होती। इससे न केवल मनुष्य बीमार पड़ते हैं, बल्कि प्रकृति को भी नुकसान पहुंचने का खतरा बना रहता है। यदि वहां कोई गंभीर बीमारी फैल जाए तो लोगों को वहां से बचाकर लाना भी अत्यंत कठिन हो जाता है। अंटार्कटिका के आसपास दूर-दूर तक कोई बड़ा भूभाग या बड़ी अस्पताल सुविधा उपलब्ध नहीं है। जहाज पर दवाइयां और डाक्टर भी सीमित संख्या में होते हैं। इसी कारण ऐसे क्षेत्रों की यात्रा एक बड़ा जोखिम और चुनौती बन गई है।

सिर्फ हंता वायरस ही नहीं, नोरो वायरस भी उतना ही खतरनाक है। हंता वायरस घातक है, लेकिन इस बार क्रूज पर नोरो वायरस के कारण अधिक चिंता व्यक्त की गई थी। नोरो वायरस को 'क्रूज शिप वायरस' भी कहा जाता है। हाल ही में सीडीसी ने बताया था कि कैरेबियन प्रिंसेस जहाज पर 100 से अधिक लोग नोरो वायरस के शिकार बने थे। जहाज पर 102 यात्री और 13 क्रू सदस्य नोरो वायरस से संक्रमित हुए थे। अधिकांश मरीजों को भयंकर उल्टी और डायरिया जैसी समस्या हो गई थी।

कमरा नंबर 302

डॉ. सुरेश कुमार

उस ओयो होटल की गलियाँ किसी भूल भुलैया जैसी थीं, जहाँ रोशनी भी डरी-सहमी सी अंदर आती थी। बाहर बोर्ड पर वेलकम ऐसे लिखा था जैसे कोई कसाई बकरे को पुचकार रहा हो। रिसेप्शन पर बैठा लड़का स्मार्टफ़ोन में डूबा था, उसे दुनिया के किसी भी अनैतिक कृत्य से परहेज नहीं था, बस आधार कार्ड ओरिजनल होना चाहिए। उसने अपनी पत्नी से झूठ बोला था कि ऑफिस की कोई जरूरी मीटिंग है। घर पर वह सीधी-सादी स्त्री उसके लिए घी के परांठे बना रही होगी, यह जानते हुए भी उसके माथे पर शिकन नहीं थी। वह सीढ़ियाँ चढ़ते हुए खुद को अधूरा-सा महसूस कर रहा था, जो अपनी ऊब को मिटाने के लिए एक स्पेस की तलाश में है। कमरा नंबर 302 का दरवाजा खुला और एयर कंडीशनर की घरघराहट ने उसका स्वागत किया। यहाँ की हवा में एक अजीब सी बासी खुशबू थी-सस्ते परफ्यूम और सिगरेट के धुएं का एक ऐसा कॉकटेल, जो केवल उन कमरों में मिलता है जहाँ लोग अक्सर अपनी नैतिकता उतार कर खूंटी पर टांग देते हैं। कमरे का इंटीरियर शानदार होने का ढोंग कर रहा था। लाल रंग के भारी परदे ऐसे लटके थे मानो किसी बड़े रहस्य को ढकने की नाकाम कोशिश कर रहे हों। बेड पर बिछी सफ़ेद चादर अपनी सफेदी से उसे चिढ़ा रही थी। उसने खिड़की के पास खड़े होकर बाहर देखा। तुम आ गईं? उसने शून्य में पूछा। सामने वाले सोफे पर एक धुंधली सी आकृति उसे नजर आई। वह उसकी वही पुरानी प्रेमिका थी, जिससे उसने शादी के बड़े-बड़े वादे किए थे, शारीरिक संबंध बनाए थे और फिर अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा की बलि वेदी पर उसे अकेला छोड़ दिया था। देर कर दी तुमने, सोफे से एक महीन आवाज आई। वह हंसा, दुनिया को धोखा देना आसान है, पर खुद की इच्छाओं को नहीं। मेरी पत्नी को लगता है मैं एक आदर्श पुरुष हूँ। वह बेचारी तो उस गाय की तरह है जिसे खूंटे से बांध दिया गया है। उसे क्या पता कि मेरा असली वजूद यहाँ, इस बदबूदार कमरे की तन्हाई में तुम्हारे साथ खिलता है। उसने व्हिस्की का गिलास भरा। शादी का वादा करके हर बार तुम मुकर क्यों जाते हो? उसने सवाल किया। वह बर्फ का टुकड़ा व्हिस्की में डालते हुए बोला, शादी समझौता है डार्लिंग और इस तरह मिलने का सुख ही अलग है। समाज को धोखा देना मेरी मजबूरी थी और तुम्हें पाना मेरी जरूरत। देखो, आज भी मैं सब छोड़कर तुम्हारे पास आता हूँ। वह प्रेमिका खिड़की के पास जाकर खड़ी हो गई। उसकी साड़ी का पल्लू हवा में नहीं लहरा रहा था, जबकि पंखा पूरी रफ्तार पर था। पर वह अपनी ही धुन में मगन था। उसे लग रहा था कि वह एक साथ दो जीवन जीकर ईश्वर को मात दे रहा है। उसे लगा, कितना महान है उसका यह प्रेम कि वह अपनी पति वाली छवि को दांव पर लगाकर यहाँ आता है।

पर उस धोखे का क्या जो तुमने समाज के सामने मुझे दिया? जब मैंने तुमसे कहा था कि मैं तुम्हारे बिना नहीं रह पाऊंगी, तो तुमने मेरा नंबर ब्लॉक कर दिया था,उसकी आवाज अब कमरे की दीवारों से टकराकर लौट रही थी। वह झुंझलाया, धोखा क्या होता है? एक सच को दूसरे सच से बदल देना स्मार्टनेस कहलाता है डार्लिंग। मेरी पत्नी को सुख मिल रहा है, तुम्हें मेरा वक्त मिल रहा है, और मुझे यह सुकून। इसमें बुरा क्या है? कमरे की लाइटें अचानक डिम होने लगीं। ओयो होटल की वह चमक-दमक अब डरावनी सी लगने लगी थी। दीवारों पर टंगी पेंटिंग्स मानो उसे घूर रही थीं। उसने महसूस किया कि वह प्रेमिका कुछ ज्यादा ही शांत है। उसने पास जाकर उसका हाथ पकड़ने की कोशिश की, पर हाथ सिर्फ ठंडी हवा को चीरता हुआ निकल गया। तुम इतनी ठंडी क्यों हो? उसने पूछा। वह मुस्कुराई, एक ऐसी मुस्कुराहट जिसमें सातों जन्मों का हिसाब लिखा था। उसने गौर किया कि कमरे में उसके अलावा किसी और की परछाईं नहीं बन रही थी। दीवार पर टंगे कैलेंडर की तारीखें ठहर गई थीं। उसे याद आया, ठीक एक साल पहले इसी तारीख को उसने उस लड़की को आखिरी बार रुलाया था, और उसने उसके नाम का सुसाइड नोट लिखकर जान दे दी थी। अचानक रिसेप्शन वाले लड़के ने दरवाजा खटखटाया, सर, किससे बात कर रहे हैं आप? रूम में तो आप अकेले ही चेक-इन हुए थे। उसके हाथ से गिलास छूट गया।

साधारण जीवन के असाधारण अर्थ जब आदतें बन जाएँ राष्ट्रधर्म

आरके जैन

अंतरराष्ट्रीय राजनीति के क्षितिज पर जब अस्थिरता और संघर्ष की परछाइयाँ लगातार घनी होती जा रही हैं, तब ऊर्जा संसाधनों की उपलब्धता अब सिर्फ अर्थव्यवस्था का मुद्दा नहीं रह गया, बल्कि देशों के अस्तित्व से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन चुका है। ईरान-इज़राइल-अमेरिका के बीच बढ़ते संघर्ष ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ जैसे रणनीतिक मार्ग को अनिश्चितता की स्थिति में डाल दिया है, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति की रीढ़ डगमगा गई है। भारत जैसे आयात-निर्भर देश इस दबाव को विशेष रूप से झेल रहे हैं। ऐसे संवेदनशील समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दूसरा आह्वान केवल एक सरकारी संदेश नहीं, बल्कि पूरे समाज को सचेत करने वाली गूंज है, जो यह स्पष्ट करता है कि आने वाले समय की दिशा केवल नीतियों से नहीं, बल्कि जनभागीदारी और अनुशासन से तय होगी।

अब समय केवल संसाधन बचाने का नहीं, बल्कि जीवनशैली बदलने का संकेत दे रहा है। प्रधानमंत्री का यह संदेश साफ करता है कि आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए कामकाज और आदतों में बदलाव जरूरी होगा। वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा देना, बैठकों को डिजिटल माध्यम तक सीमित रखना और अनावश्यक यात्राओं से बचना सीधे ऊर्जा खपत को नियंत्रित करने का प्रयास है। जो काम बिना सफर के हो सकते हैं, वे अब केवल सुविधा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित का विषय हैं। यह सोच बताती है कि आधुनिकता केवल तेज रफ्तार में नहीं, बल्कि समझदारी भरे निर्णयों में भी दिखाई देती है। जब करोड़ों लोग अपनी आदतें बदलते हैं, तो उसका असर दुनिया के बाजारों और ऊर्जा संतुलन तक महसूस होता है।

शहरों की सड़कों पर दौड़ती वाहनों की लंबी कतारें अब केवल भीड़ का दृश्य नहीं, बल्कि बढ़ती ईंधन निर्भरता की चेतावनी बन चुकी हैं। ऐसे समय में कार पूलिंग और सार्वजनिक परिवहन को अपनाने का संदेश साधारण सलाह नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी को मजबूत करने वाला कदम है। जब कई लोग एक ही वाहन से सफर करते हैं, तो सिर्फ पेट्रोल की बचत नहीं होती, बल्कि धुआँ और ट्रैफिक का दबाव भी कम होता है। सड़कों की रफ्तार संतुलित होती है, प्रदूषण घटता है और समय की बर्बादी भी कम होती है। यह बदलाव उस नई नागरिक सोच की ओर इशारा करता है, जहाँ व्यक्तिगत आराम से ऊपर सामूहिक हित और पर्यावरण संरक्षण को भी महत्व दिया जा रहा है। देश की अर्थव्यवस्था पर सबसे गहरा असर उन आदतों का पड़ता है, जिन्हें समाज वर्षों से समृद्धि का प्रतीक मानता आया है। सोना भी ऐसी ही परंपरा है, जिसने भारतीय मानसिकता में सुरक्षा, प्रतिष्ठा और गौरव का स्थान बना रखा है। लेकिन जब यही आकर्षण विदेशी मुद्रा पर दबाव बढ़ाने लगे, तब सोच बदलना जरूरी हो जाता है। एक वर्ष तक अनावश्यक सोने की खरीद से बचने की अपील केवल आर्थिक सलाह नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना को झकझोरने वाला संदेश है। यह विचार बताता है कि असली समृद्धि तिजोरियों की चमक में नहीं, बल्कि आर्थिक स्थिरता और आत्मनिर्भरता में बसती है। जब व्यक्तिगत प्रदर्शन और पुरानी परंपराएँ राष्ट्रीय हितों पर बोझ बनने लगें, तब संयम सबसे बड़ा राष्ट्रधर्म बन जाता है।

आज आर्थिक मजबूती केवल सरकारी नीतियों से नहीं, बल्कि नागरिकों की उपभोग आदतों से भी तय हो रही है। विदेशी यात्राओं, डेस्टिनेशन वेडिंग और आयातित वस्तुओं पर बढ़ता खर्च अब निजी पसंद से आगे बढ़कर राष्ट्रीय संसाधनों पर असर डालने लगा है। ऐसे समय में विदेशी निर्भरता घटाने और स्थानीय विकल्प अपनाने का संदेश महत्वपूर्ण हो जाता है। 'लोकल फॉर वोकल' अब केवल नारा नहीं, बल्कि आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की मजबूत रणनीति बन चुका है। जब लोग देश के उत्पादों, उद्योगों और पर्यटन को प्राथमिकता देते हैं, तो विदेशी मुद्रा बचने के साथ स्थानीय बाजार, रोजगार और उत्पादन को भी नई गति मिलती है। यही सोच आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव बन सकती है।

राष्ट्र पर आने वाले बड़े संकट अक्सर युद्धभूमि में नहीं, बल्कि लोगों की रोजमर्रा की आदतों में जीते या हारे जाते हैं। यही कारण है कि इस आह्वान में रसोई के तेल से लेकर खेतों में उर्वरकों के उपयोग तक, हर छोटी बात को राष्ट्रीय जिम्मेदारी से जोड़ा गया है। संदेश स्पष्ट है कि केवल सरकारी नीतियाँ नहीं, बल्कि नागरिकों का अनुशासन भी देश की ऊर्जा और आर्थिक सुरक्षा तय करता है। जब हर घर बचत को संस्कार और संयम को कर्तव्य बना लेता है, तब उसका प्रभाव पूरे राष्ट्र की स्थिरता पर दिखाई देता है। यह सोच आम नागरिक को मात्र उपभोक्ता नहीं, बल्कि संसाधनों का सजग प्रहरी बना देती है।

राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप और विरोध के शोर के बावजूद इस आह्वान की गंभीरता कम नहीं होती। सरकार का कहना है कि फिलहाल ऊर्जा भंडार पर्याप्त हैं, लेकिन वैश्विक अनिश्चितताओं को अनदेखा करना जोखिमपूर्ण हो सकता है। यही कारण है कि यह पहल भय नहीं, बल्कि समय रहते तैयारी मजबूत करने के उद्देश्य से लाई गई है। इस सोच में नागरिकों को केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सहभागी माना गया है। यह मॉडल बताता है कि किसी देश की वास्तविक ताकत केवल सरकारों में नहीं, बल्कि जनता की सामूहिक जिम्मेदारी और सहभागिता में छिपी होती है।

शादी के बाद एक्स की याद क्यों आती है? जानिए रिश्ते पर इसका असर

शादी जीवन का एक महत्वपूर्ण अध्याय है, जिसमें दो लोग रिश्ते में आते हैं और मिलकर नई यादें बनाना शुरू करते हैं। लेकिन कई बार ऐसा होता है कि इस नए सफर के बीच में पुराने रिश्तों की यादें मन में दस्तक देने लगती हैं। आप अपने जीवनसाथी से बहुत प्रेम करते हैं लेकिन उसके बाद भी आपको अपने एक्स या पुराने प्यार की याद आ जाती है। यह अनुभव कई लोगों को कन्फ्यूज कर देता है, साथ ही अपराधबोध का कारण भी बन सकता है। लोग सोचने लगते हैं कि क्या वे अपने वर्तमान रिश्ते के साथ पूरी तरह ईमानदार हैं या नहीं।

असल में एक्स की याद आना हमेशा इस बात का संकेत नहीं होता कि आप अपने वर्तमान पार्टनर से खुश नहीं हैं। यह एक सामान्य मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया भी हो सकती है, जहां हमारा दिमाग पुरानी यादों और भावनाओं को समय-समय पर दोहराता है। हालांकि अगर ये यादें बहुत ज्यादा हावी होने लगें, तो यह आपके शादीशुदा रिश्ते पर असर डाल सकती हैं।

शादी के बाद एक्स की याद क्यों आती हैं, इसके पीछे का मनोवैज्ञानिक या भावनात्मक कारण क्या हो सकता है? ये भी समझें कि इसका असर रिश्ते पर होगा या नहीं।

अधूरी भावनाएं

शादी के बाद भी एक्स पार्टनर की याद आने की सबसे बड़ी वजह होती है, अधूरी भावनाएं। यानी अगर आपका पिछला रिश्ता बिना क्लोज़र के खत्म हुआ था तो उसकी भावनाएं मन में रह सकती हैं। अगर आप किसी से प्यार करते थे, उसके साथ रहना चाहते थे लेकिन किन्हीं कारणों से आपकी शादी आपके एक्स के साथ न हो पाई हो तो भी आप शादी के बाद समय समय पर अपने उस रिश्ते और भावनाओं को मन में रखते हैं जो याद बनकर अक्सर आपके वैवाहिक जीवन में आने लगती है।

शादी के बाद जब जीवन स्थिर होता है, तब दिमाग उन अधूरे पलों को याद करने लगता है। यह एक तरह का इमोशनल बैकलॉग होता है, जो समय-समय पर सामने आता है।

तुलना करने की आदत

कभी-कभी लोग अनजाने में अपने एक्स और वर्तमान पार्टनर की तुलना करने लगते हैं। यह तुलना छोटी-छोटी बातों से शुरू होती है, जैसे व्यवहार, आदतें या रोमांस। यही तुलना धीरे-धीरे एक्स की यादों को ट्रिगर कर सकती है।

दिमाग का 'नॉस्टेल्जिया इफेक्ट'

नॉस्टेल्जिया इफेक्ट का मतलब है, अतीत की यादों में खो जाना, और उन यादों के जरिए सुखद और सकारात्मक महसूस करना। ये इंसानों के नेचर में होता है कि उनका दिमाग अक्सर पुराने अच्छे पलों को ज्यादा याद रखता है और बुरे अनुभवों को पीछे छोड़ देता है। इस वजह से एक्स के साथ बिताए अच्छे पल ज्यादा याद आते हैं, जिससे लगता है कि वो रिश्ता बेहतर था। भले ही वास्तव में ऐसा न भी हो। अच्छे पलों की बातें आपको वर्तमान में भी उन यादों से बाहर नहीं निकलने देती हैं।

एक्स से टकराना

कई बार जब आपका अतीत आपके सामने आ जाता है, तो भी पुरानी यादें वापस से आपके जहन में आ जाती हैं। जैसे पुराने दोस्तों से बातचीत में एक्स का जिक्र होना। सोशल मीडिया के जरिए जब एक्स को अपने वर्तमान जीवन में खुश या दुखी देखना, या कभी किसी मोड़ पर एक्स पार्टनर से अचानक सामना हो जाने पर आप उनकी यादों में खो जाते हैं और उनके जीवन के बारे में जानने की इच्छा आपको बार बार एक्स पार्टनर की याद दिलाता है।

एक्स की याद आने से शादी पर असर पड़ सकता है?

अगर एक्स की यादें केवल कभी-कभार आती हैं, तो यह सामान्य है। लेकिन अगर आप अपने वर्तमान पार्टनर से दूरी महसूस करने लगें, या भावनात्मक दूरी महसूस करने लगे हैं तो यह रिश्ते में दरार ला सकता है। ऐसे में आत्म-चिंतन और खुला संवाद जरूरी है। अपने जीवनसाथी से दूरी पर एक्स की यादों में खो जाने से आप अपने वर्तमान रिश्ते से और दूर होते चले जाते हैं।

एक्स की याद आए तो क्या करना चाहिए?

सबसे जरूरी है कि आप ये समझें कि आपको एक्स की याद आ क्यों रही है। याद आने में कोई बुराई नहीं। लेकिन अगर आप ऐसा करने से अपने जीवनसाथी से दूर हो रहे हैं तो ये गलत है। जरूरी है कि अपने पार्टनर के साथ क्वालिटी टाइम बिताएं। पुराने रिश्ते को क्लोज करने की मानसिक कोशिश करें। अपनी भावनाओं को समझें, उन्हें दबाएं नहीं। जरूरत हो तो काउंसलिंग लें। खुद को वर्तमान में जीने के लिए ट्रेन करें।

मां बनने का फैसला लेने से पहले खुद से पूछें ये 4 जरूरी सवाल

बदलते समय में अब कई महिलाएं अपने करियर, मानसिक स्वास्थ्य, आर्थिक स्थिरता और जीवन की योजनाओं को ध्यान में रखते हुए मातृत्व के बारे में सोचती हैं। लेकिन समाज का दबाव कई बार उनके आत्मविश्वास और फैसलों पर असर डालता है।

दरअसल, यह विषय आज की पीढ़ी के लिए बेहद महत्वपूर्ण बन गया है क्योंकि यह सीधे आत्मनिर्भरता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जुड़ा है। इसलिए मां बनने का फैसला कभी भी समाज के दबाव में आकर नहीं लेना चाहिए।

अगर आप प्रेशर में आकर कोई फैसला लेंगी तो हो सकता है इससे आपको दिक्कत हो। ऐसे जरूरी है कि मां बनने का फैसला लेने से पहले हर महिला खुद से कुछ अहम सवाल पूछे।

पहला सवाल

सबसे पहले सवाल आता है कि क्या मैं मानसिक रूप से तैयार हूं? इसका मतलब सिर्फ खुशी नहीं, बल्कि तनाव, नींद की कमी, लगातार जिम्मेदारियों और भावनात्मक उतार-चढ़ाव को संभालने की क्षमता से है। मां बनने के बाद जीवन पूरी तरह बदल जाता है, इसलिए मानसिक स्थिरता बेहद जरूरी होती है।

दूसरा सवाल

दूसरा महत्वपूर्ण सवाल है कि क्या मेरा शरीर इसके लिए तैयार है? दरअसल, हर महिला का शरीर अलग होता है और गर्भावस्था एक गहरा शारीरिक बदलाव लेकर आती है। इसलिए डॉक्टर की सलाह, हेल्थ चेकअप और शरीर की स्थिति को समझना बेहद जरूरी है, ताकि आगे किसी तरह की जटिलता न हो।

तीसरा सवाल

तीसरा सवाल ये है कि क्या मैं आर्थिक रूप से स्थिर हूं? बच्चे की परवरिश में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और रोजमर्रा की जरूरतों पर लगातार खर्च होता है। इसलिए आर्थिक सुरक्षा सिर्फ आज के लिए नहीं, बल्कि आने वाले कई वर्षों के लिए जरूरी होती है।

चौथा सवाल

अंत में सबसे अहम सवाल कि क्या यह मेरा खुद का फैसला है या दूसरों का दबाव? अक्सर समाज, परिवार या रिश्तेदारों की अपेक्षाएं महिलाओं पर असर डालती हैं। लेकिन मातृत्व तभी सुंदर अनुभव बनता है जब वह पूरी तरह आपका अपना निर्णय हो, न कि किसी बाहरी दबाव का परिणाम।

समाज का दबाव क्यों बढ़ता है?

परंपरागत सोच, परिवार की अपेक्षाएं और सामाजिक तुलना महिलाओं पर अनावश्यक दबाव बनाती हैं। कई बार इसे "नॉर्मल" मान लिया जाता है, लेकिन आज की पीढ़ी इसे सवालों के घेरे में ला रही है।

जरूरी बदलाव की जरूरत

आज समय बदल रहा है। महिलाएं अब शिक्षा, करियर और आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता दे रही हैं। ऐसे में यह समझना जरूरी है कि मां बनना एक विकल्प है, न कि दबाव।

गर्मियों की छुट्टियों में बच्चों को कैसे रखें व्यस्त? ये तरीके आएंगे आपके काम

गर्मियों की छुट्टियां बच्चों के लिए आराम और मस्ती का समय होती हैं, लेकिन आज के डिजिटल दौर में यह समय अक्सर मोबाइल और टीवी तक सीमित होकर रह जाता है। लंबे समय तक स्क्रीन के सामने रहने से बच्चों की सेहत, आंखों और मानसिक विकास पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। ऐसे में माता-पिता के लिए यह जरूरी हो जाता है कि वे बच्चों को कुछ रचनात्मक और एक्टिव गतिविधियों में शामिल करें।

बच्चों के माता-पिता को ये समझना चाहिए कि छुट्टियों को सिर्फ समय बिताने का नहीं, बल्कि नई चीजें सीखने और खुद को विकसित करने का अवसर बनाया जा सकता है। अगर सही तरीके से प्लान किया जाए, तो बच्चे इन छुट्टियों में न सिर्फ एंजॉय करेंगे बल्कि नई स्किल्स भी सीखेंगे।

इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे आसान और मजेदार तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने बच्चों को मोबाइल और टीवी से दूर रखकर उनकी छुट्टियों को प्रोडक्टिव और यादगार बना सकते हैं।

आउटडोर गेम्स में शामिल करें

बच्चों को क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन, साइकिलिंग या पास के पार्क में खेलने के लिए प्रेरित करें।

इससे उनकी शारीरिक फिटनेस बेहतर होती है, ऊर्जा सही दिशा में लगती है और उनका स्क्रीन टाइम भी कम होता है।

आउटडोर खेल बच्चों में टीमवर्क और अनुशासन भी सिखाते हैं।

क्रिएटिव एक्टिविटीज

ड्राइंग, पेंटिंग, पेपर क्राफ्ट और DIY प्रोजेक्ट्स जैसी गतिविधियों में बच्चों को शामिल करें।

इससे उनकी कल्पनाशक्ति, फोकस और हाथों की क्रिएटिव स्किल्स बढ़ती हैं।

बच्चे अपने विचारों को रंगों और आकारों के माध्यम से व्यक्त करना सीखते हैं।

किताबें पढ़ने की आदत

स्टोरी बुक्स, कॉमिक्स और ज्ञानवर्धक किताबें पढ़ने के लिए बच्चों को प्रेरित करें।

इससे उनकी भाषा, शब्दावली और सोचने की क्षमता मजबूत होती है।

पढ़ने की आदत उन्हें मोबाइल से दूर रखने में भी मदद करती है।

नई स्किल सीखें

गर्मियों की छुट्टियां नई चीजें सीखने का बेहतरीन समय होती हैं।

बच्चे डांस, म्यूजिक, कुकिंग, कंप्यूटर बेसिक्स या कोई नई भाषा सीख सकते हैं।

इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और भविष्य के लिए नई संभावनाएं खुलती हैं।

फैमिली टाइम

बोर्ड गेम्स जैसे लूडो, कैरम, शतरंज खेलें या फैमिली पिकनिक और छोटी ट्रिप प्लान करें।

इससे बच्चों को परिवार के साथ समय बिताने का मौका मिलता है और रिश्ते मजबूत होते हैं।

गार्डनिंग और नेचर एक्टिविटी

बच्चों को पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित करें। इससे उनमें जिम्मेदारी की भावना आती है और वे प्रकृति के करीब रहते हैं। यह एक्टिविटी उन्हें शांत और धैर्यवान भी बनाती है।

18 साल का होने वाला है बेटा? ये जरूरी बातें जरूर बताएं

हर माता-पिता के लिए उनका बच्चा हमेशा छोटा ही रहता है, लेकिन जब बेटा 18 साल का होने वाला होता है, तो जिंदगी का एक बड़ा मोड़ सामने खड़ा होता है। यह उम्र सिर्फ कानूनी तौर पर वयस्क बनने की नहीं, बल्कि जिम्मेदारियों, फैसलों और आत्मनिर्भरता की शुरुआत भी होती है।

करियर प्लस

इस दौर में सही मार्गदर्शन मिलना बेहद जरूरी होता है, क्योंकि यही वो समय है जब बच्चे अपने जीवन के अहम फैसले लेने लगते हैं, चाहे वो करियर हो, रिश्ते हों या व्यक्तिगत आदतें। अगर इस समय माता-पिता खुलकर और समझदारी से अपने बेटे से कुछ जरूरी बातें साझा करें, तो यह उसकी जिंदगी को सही दिशा दे सकता है।

कई बार हम सोचते हैं कि बच्चे खुद ही सब समझ जाएंगे, लेकिन सच्चाई यह है कि उन्हें अनुभव और मार्गदर्शन की जरूरत होती है। इस लेख में हम आपको बताएंगे 5 ऐसी अहम बातें, जो हर माता-पिता को अपने 18 साल के होने वाले बेटे से जरूर करनी चाहिए, ताकि वह एक जिम्मेदार और सफल इंसान बन सके।

जिम्मेदारी लेना सीखें

अब वह बच्चा नहीं रहा, उसे अपने फैसलों की जिम्मेदारी समझनी होगी। छोटे-छोटे काम जैसे अपने खर्च संभालना, समय का सही उपयोग करना और घर के कामों में योगदान देना उसे जिम्मेदार बनाते हैं।

पैसों की वैल्यू समझाएं

कमाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है उसे सही तरीके से खर्च और बचत करना। बजट बनाना, अनावश्यक खर्च से बचना और भविष्य के लिए सेविंग करना, ये आदतें उसे आर्थिक रूप से मजबूत बनाएंगी।

सही दोस्त और रिश्ते चुनना

इस उम्र में दोस्ती और रिश्ते बहुत प्रभाव डालते हैं। उसे सिखाएं कि किस तरह सकारात्मक और भरोसेमंद लोगों के साथ रहना चाहिए और गलत संगत से बचना चाहिए।

डिजिटल लाइफ का सही इस्तेमाल

सोशल मीडिया और इंटरनेट का सही उपयोग करना बेहद जरूरी है। उसे बताएं कि ऑनलाइन व्यवहार, प्राइवेसी और समय की बर्बादी से कैसे बचा जा सकता है।

असफलता से डरे नही, सीख लें

हर किसी को जीवन में असफलता का सामना करना पड़ता है। उसे समझाएं कि असफलता अंत नहीं, बल्कि सीखने का मौका है। यही सोच उसे आगे बढ़ने की ताकत देगी।

लड़के अक्सर नहीं बताते ये सच, रिश्ते में आ सकती है दूरी

हर रिश्ता भरोसे और ईमानदारी की नींव पर टिका होता है। जब दो लोग एक-दूसरे के करीब आते हैं तो उम्मीद की जाती है कि दोनों अपनी भावनाओं और जिंदगी की जरूरी बातों को खुलकर साझा करेंगे। लेकिन कई बार रिश्तों में कुछ बातें ऐसी होती हैं जिन्हें लोग जानबूझकर छुपाते रहते हैं। खासकर लड़के अक्सर अपनी कुछ आदतों, भावनाओं या परेशानियों को जाहिर नहीं करते, जो आगे चलकर रिश्ते में बड़ी समस्या बन सकती हैं।

कई बार शुरुआत में ये बातें छोटी लगती हैं, लेकिन समय के साथ यही चीजें विश्वास संबंधी समस्याएं, गलतफहमी और भावनात्मक दूरी की वजह बन जाती हैं।

हालांकि हर व्यक्ति एक जैसा नहीं होता, लेकिन अगर आपका पार्टनर बार-बार कुछ जरूरी बातें छुपाता है या खुलकर बात करने से बचता है, तो आपको सतर्क रहने की जरूरत है। यहां जानिए ऐसी 5 बातों के बारे में जिन्हें लड़के अक्सर छुपाते हैं और जो किसी भी रिश्ते के लिए रेड फ्लैग साबित हो सकती हैं।

अपनी असली भावनाएं नहीं बताते

कई लड़के अपनी भावनाएं खुलकर व्यक्त नहीं करते। वे दुख, तनाव या असुरक्षा जैसी भावनाओं को अंदर ही दबाकर रखते हैं। शुरुआत में यह सामान्य लग सकता है, लेकिन लंबे समय तक बातचीत की कमी रिश्ते में दूरी पैदा कर सकती है। अगर पार्टनर अपनी भावनाएं कभी साझा नहीं करता, तो यह भावनात्मक अलगाव का संकेत हो सकता है।

वित्तीय समस्याएं छुपाना

रिश्तों में पैसों से जुड़ी सच्चाई छुपाना भी एक बड़ा रेड फ्लैग माना जाता है। कुछ लोग अपनी आय, कर्ज या आय संबंधित संघर्ष के बारे में खुलकर बात नहीं करते। बाद में यही चीजें झगड़े और भरोसे से जुड़ी समस्याओं की वजह बन सकती हैं। स्वस्थ रिश्ते में वित्तीय पारदर्शिता भी जरूरी मानी जाती है।

पुराने रिश्ते की सच्चाई छुपाना

कई बार लड़के अपने पुराने रिश्तों या ब्रेकअप की असली वजह बताने से बचते हैं। अगर कोई व्यक्ति बार-बार अपने बीते हुए कल को छुपाने की कोशिश करे या सवालों से बचता रहे, तो यह चिंता की बात हो सकती है। रिश्ते में ईमानदारी बेहद जरूरी होती है और अधूरी जानकारी कंफ्यूजन पैदा कर सकती है।

कमिटमेंट को लेकर कंफ्यूजन

कुछ लोग रिश्ते में रहते हुए भी भविष्य की योजनाओं को लेकर स्पष्ट नहीं होते। अगर आपका पार्टनर कमिटमेंट, शादी या लॉन्ग टर्म प्लान की बातों से हमेशा बचता है, तो यह संकेत हो सकता है कि वह रिश्ते को लेकर पूरी तरह गंभीर नहीं है। ऐसे बर्ताव को नजरअंदाज करना आगे चलकर भावनात्मक दर्द दे सकता है।

फोन और सोशल मीडिया को जरूरत से ज्यादा सीक्रेट रखना

हर किसी की प्राइवेसी जरूरी होती है, लेकिन अगर कोई पार्टनर अपने फोन, चैट्स या सोशल मीडिया एक्टिविटी को लेकर जरूरत से ज्यादा रहस्यमयी हो, तो यह भी रेड फ्लैग हो सकता है। लगातार चीजें छुपाना रिश्ते में शक और असुरक्षा बढ़ा सकता है। भरोसा किसी भी मजबूत रिश्ते की सबसे जरूरी कड़ी होती है।

बेटे की शादी के लिए लड़की तलाश रहे हैं? इन गुणों को बिल्कुल नजरअंदाज न करें

हर माता-पिता का सपना होता है कि उनके बेटे की शादी ऐसी लड़की से हो, जो परिवार को प्यार और समझदारी से जोड़कर रखे। आज के समय में शादी सिर्फ दो लोगों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का रिश्ता मानी जाती है। ऐसे में जीवनसाथी चुनते समय सिर्फ सुंदरता, नौकरी या पढ़ाई पर ध्यान देना काफी नहीं होता। रिश्ते को लंबे समय तक मजबूत और खुशहाल बनाए रखने के लिए कुछ खास गुणों का होना भी बेहद जरूरी माना जाता है।

कई बार लोग जल्दबाजी या बाहरी चीजों को देखकर फैसला कर लेते हैं, लेकिन बाद में छोटी-छोटी बातों पर रिश्तों में तनाव बढ़ने लगता है। इसलिए बेटे के लिए लड़की चुनते समय उसके स्वभाव, सोच, व्यवहार और पारिवारिक मूल्यों को समझना बेहद जरूरी है।

एक अच्छी जीवनसाथी वही होती है, जो मुश्किल समय में साथ निभाए, परिवार का सम्मान करे और रिश्तों को प्यार से संभाल सके। आज के मॉडर्न दौर में यह भी जरूरी है कि दोनों की सोच और लाइफस्टाइल एक-दूसरे से मेल खाती हो। आइए जानते हैं ऐसे जरूरी गुण, जिन पर बेटे की शादी के लिए लड़की तलाशते समय जरूर ध्यान देना चाहिए।

स्वभाव और व्यवहार पर दें सबसे ज्यादा ध्यान

किसी भी रिश्ते की नींव अच्छे व्यवहार और समझदारी पर टिकी होती है। लड़की का स्वभाव शांत, सम्मानजनक और सकारात्मक होना चाहिए। वह परिवार और रिश्तों को कैसे संभालती है, यह बात शादी के बाद सबसे ज्यादा मायने रखती है। सिर्फ खूबसूरती की बजाय अच्छे व्यवहार को प्राथमिकता देना बेहतर माना जाता है।

परिवार के प्रति सम्मान होना जरूरी

एक अच्छी जीवनसाथी वही मानी जाती है, जो अपने साथ-साथ दूसरे परिवार का भी सम्मान करे। शादी के बाद लड़की का परिवार के सदस्यों के साथ तालमेल बैठाना काफी अहम होता है। अगर लड़की परिवार की भावनाओं को समझती है और बड़ों का आदर करती है, तो घर का माहौल खुशहाल बना रहता है।

सोच और जीवनशैली का मेल

आज के समय में पति-पत्नी की सोच और जीवनशैली का मेल होना बेहद जरूरी माना जाता है। करियर, भविष्य, बच्चों और परिवार को लेकर दोनों की सोच मिलती-जुलती होनी चाहिए। इससे रिश्ते में कम विवाद होते हैं और समझदारी बढ़ती है। शादी से पहले खुलकर बातचीत करना फायदेमंद माना जाता है।

जिम्मेदार और समझदार

शादी के बाद जीवन में कई जिम्मेदारियां आती हैं। ऐसे में लड़की का जिम्मेदार और समझदार होना बेहद जरूरी है। वह मुश्किल परिस्थितियों को कैसे संभालती है, यह बात रिश्ते को मजबूत बनाने में मदद करती है। आर्थिक समझ और फैसले लेने की क्षमता भी आज के समय में अहम मानी जाती है।

ईमानदारी और भरोसा

हर मजबूत रिश्ते की बुनियाद भरोसे पर टिकी होती है। लड़की का ईमानदार और भरोसेमंद होना बेहद जरूरी माना जाता है। रिश्ते में खुलापन और सच्चाई होने से गलतफहमियां कम होती हैं और वैवाहिक जीवन खुशहाल बना रहता है।

कान के समंदर किनारे आलिया ने दिए सिजलिंग पोज, फ्लोरल प्रिंट गाउन में ढाया कहर

79वें कान फिल्म फेस्टिवल की शुरुआत हो चुकी है। यह आज 12 मई से शुरू होकर 23 मई 2026 तक चलेगा। इस बार आलिया भट्ट दूसरी बार कान पहुंची हैं और उनका लुक काफी सुंदर है, जो सोशल मीडिया पर फैंस के बीच जमकर वायरल हो रहा है।

12 मई को होटल मार्टिनेज में आलिया को एक खास गाउन में देखा गया। यह गाउन हाथ से पेंट किया गया है, जिसमें फ्रेंच रिवेरा का खूबसूरत नजारा बना है। उन्होंने अपने कपड़ों के जरिए फ्रेंच रिवेरा को श्रद्धांजलि दी है।

आलिया का यह लुक फैशन स्टाइलिस्ट रिया कपूर, डिजाइनर यश पाटिल और अहमदाबाद की भित्ति चित्रकार बासुरी चोकशी ने मिलकर तैयार किया है। आलिया की इस ड्रेस में कॉर्सेट टॉप है, जिसमें पतली स्पैगेटी स्ट्रैप्स और स्वीटहार्ट नेकलाइन है। नीचे यह लहराते हुए स्कर्ट जैसी दिखती है। आलिया के इस गाउन पर हल्के हरे, नीले, लैवेंडर और पीले रंगों से सुंदर पेंटिंग की गई थी, जो इंप्रेशनिस्ट उद्यान चित्र की तरह लग रही है।

आलिया का पूरा लुक बहुत एलिगेंट और ग्रेसफुल है। हल्के पेस्टल शेड्स वाले फ्लोरल प्रिंट गाउन में सॉफ्ट ब्लू, ग्रीन और व्हाइट रंगों का सुंदर मेल है। स्ट्रैपी डिजाइन और फ्लोई स्कर्ट ने लुक को और खूबसूरत बना दिया। आलिया का मेकअप उन्होंने बिल्कुल नेचुरल रखा। हल्की ग्लोइंग स्किन, सिंपल हेयरस्टाइल, छोटे ईयररिंग्स और मिनिमल ज्वेलरी के साथ लुक को पूरा किया। आलिया ने पैरों में ऑफ व्हाइट हील्स पहनी है, जो ड्रेस से अच्छी तरह मैच कर रही है। सोशल मीडिया पर आलिया की ये तस्वीरें काफी तेजी से वायरल हो रही हैं। फैंस आलिया के इस लुक को बेहद पसंद कर रहे हैं। कई फैंस आलिया के इस लुक को 'प्रिंसेस वाइब्स' और 'समर परफेक्ट' लुक बता रहे हैं। आलिया के इस लुक पर कई यूजर्स ने राय दी है। एक यूजर ने लिखा, 'आलिया बेहद खूबसूरत हैं', दूसरे ने लिखा, 'लंबे सफर के बाद भी इतनी फ्रेश लग रही हैं', एक और यूजर ने लिखा, 'आलिया का लुक कमाल का है।' पिछले साल 2025 में आलिया ने कान में डेब्यू किया था। इस बार उन्होंने पहले ऑल ब्लैक कैरोलिना हेरेरा लुक में एंट्री की। आलिया जल्द ही फिल्म 'अल्फा' में नजर आएंगी, जिसमें शरवरी वाघ भी लीड रोल में हैं। इसके अलावा आलिया निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' में भी काम कर रही हैं, जिसमें विक्की कौशल और रणबीर कपूर भी हैं।

रिलीज होते ही ट्रोल हो रहा अदनान सामी का नया गाना 'लिपस्टिक', यूजर्स बोले- 'कार्टून नेटवर्क जैसा लग रहा है'

मशहूर सिंगर अदनान सामी का नया गाना रिलीज हो गया है। गाने का टाइटल 'लिपस्टिक' है। यह गाना सेल्फ कॉन्फिडेंस और अपनी अलग पहचान को सेलिब्रेट करता है। रिलीज होने के बाद से ही गाने को इसके वीडियो की वजह से ट्रोल किया जा रहा है। जानिए यूजर्स का गाने पर क्या रिएक्शन है।

क्यों नाराज हुए यूजर्स?

अदनान सामी का नया गाना 'लिपस्टिक' रिलीज होने के बाद से ही चर्चाओं में आ गया है। दरअसल, गाने में लड़कियों से लेकर पुरुष, बुजुर्ग, सभी लोग लिपस्टिक लगाते नजर आ रहे हैं। गाने का ये कॉन्सेप्ट कुछ लोगों को पसंद नहीं आया।

गाने पर क्या बोले दर्शक?

कुछ लोगों को यह गाना 'कार्टून नेटवर्क' जैसा लगा, तो कुछ ने सवाल उठाया कि आखिर यह गाना बनाया ही क्यों गया। वहीं कुछ ने कहा कि म्यूजिक इंडस्ट्री धीर-धीरे गर्त में जाती जा रही है।

क्या है गाने का कॉन्सेप्ट?

गाने को लेकर अदनान सामी का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा, ''लिपस्टिक' की शुरुआत एक आसान और

कैची आइडिया से हुई थी, लेकिन धीरे-धीरे यह कुछ ज्यादा खास बन गया। यह उस पल के बारे में है, जब इंसान अचानक आत्मविश्वास महसूस करता है और बिना किसी झिझक के खुद को अपनाता है। मैं चाहता था कि यह गाना खुशी, आत्मविश्वास और भारतीय संस्कृति की उस परिचित भावना से जुड़ा हो, जिससे हर कोई खुद को रिलेट कर सके। 'नजर उतारना' को मैंने निगेटिव एनर्जी से बचने के रूप में इस्तेमाल किया है।'

गाने के बारे में

बता दें कि गाने को जी म्यूजिक कंपनी ने रिलीज किया है। यह गाना सेल्फ कॉन्फिडेंस और अलग पहचान को सेलिब्रेट करता है। गाने में भारतीय संस्कृति की झलक भी देखने को मिलती है।

क्या ऐश्वर्या राय से आलिया भट्ट ने छीना बड़ा ब्रांड? वायरल वीडियो देखकर नाराज हुए फैंस

79वें कान फिल्म फेस्टिवल 2026 के शुरू होने से पहले एक बड़े ब्रांड का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसको कई साल से ऐश्वर्या राय बच्चन प्रमोट करती आई हैं। लेकिन इस ब्रांड वीडियो में ऐश्वर्या नहीं बल्कि आलिया भट्ट नजर आ रही हैं। इस बात से ऐश्वर्या के फैंस बेहद निराश और गुस्से में हैं।

ऐश्वर्या साल 2004 से एक बड़े ब्रांड की ग्लोबल एंबेसडर हैं। हर साल वह कान के रेड कार्पेट पर अपनी खूबसूरती का जलवा बिखेरती आई हैं। लोग उन्हें कान की क्वीन भी कहते हैं। इसलिए इस साल भी फैंस उनका इंतजार कर रहे थे। लेकिन रविवार को इस ब्रांड ने अपना एक वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया।

इस वीडियो में कान के मार्टिनेज होटल की तस्वीरें थीं। होटल की छत से दुनिया भर की कई महिला सितारों के पोस्टर लटक रहे थे। इनमें आलिया भट्ट का पोस्टर भी दिख रहा है, लेकिन ऐश्वर्या राय का कहीं नामो-निशान नहीं है। जिससे ऐश्वर्या के फैंस काफी नाराज हो गए हैं।

फैंस हुए नाराज

इस वीडियो को देखने के बाद ऐश्वर्या के फैंस काफी नाजार हैं। फैंस ने तुरंत कमेंट करके सवाल पूछना शुरू कर दिया।

एक यूजर ने लिखा, 'हर कोई पूछ रहा है कि ऐश्वर्या का पोस्टर कहां है? नए चेहरे आ सकते हैं, लेकिन ऐश्वर्या को कोई नहीं बदल सकता'

दूसरे फैन ने लिखा, 'कान की क्वीन ऐश्वर्या कहां हैं?

एक और यूजर ने लिखा, 'ब्रांड भूल गया क्या कि भारत में ऐश्वर्या ने ही उनकी ब्रांड को नई पहचान दिलाई है?'

बहरहाल, अभी तक इस पेरिस ब्रांड की तरफ से इस मामले पर कोई जवाब नहीं आया है। फैंस को उम्मीद है कि ब्रांड जल्द ही इस बारे में कुछ स्पष्ट करेगा।

ऐश्वर्या के बिना अधूरा है कान

79वें कान फिल्म फेस्टिवल में कई सेलेब्स शिरकत करेंगे। लेकिन इस ब्रांड के वायरल वीडियो को देखकर लग रहा है कि इस बार ऐश्वर्या कान फिल्म फेस्टिवल में शिरकत करेंगी या नहीं? ऐश्वर्या हर बार कान में अपने खूबसूरत लुक, गाउन और स्टाइल से सभी का दिल जीतती आई हैं। ऐश्वर्या हर साल कान में खूब चर्चा में रहती हैं।

कौन हैं सीरत कपूर? फैन ने बताया 'अल्लू अर्जुन की प्रॉपर्टी' तो भड़कीं एक्ट्रेस, दिया ऐसा जवाब

एक्ट्रेस सीरत कपूर ने सोशल मीडिया पर किए गए एक आपत्तिजनक कमेंट का जोरदार जवाब देकर लोगों का ध्यान खींच लिया है। दरअसल, इंस्टाग्राम पर एक यूजर ने सीरत को अल्लू अर्जुन की 'प्रोपर्टी' कह दिया, जिसके बाद एक्ट्रेस ने चुप रहने के बजाय खुलकर अपनी बात रखी।

यूजर ने एक्ट्रेस को कहा अल्लू अर्जुन की प्रोपर्टी

हाल ही में सीरत कपूर ने ब्राउन लेसी आउटफिट में अपनी ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की थीं। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, 'वीकेंड में बिल्कुल अपने ही अंदाज और खुशी के साथ एंट्री कर रही हूं।'

जहां ज्यादातर फैंस उनकी तारीफ कर रहे थे, वहीं एक यूजर ने कमेंट किया, 'अल्लू अर्जुन की प्रोपर्टी।' इसके साथ यूजर ने एक इमोजी भी शेयर किया।

एक्ट्रेस ने दिया करारा जवाब

इस कमेंट पर सीरत नाराज हो गईं और यूजर को जमकर लताड़ते हुए लिखा, 'सिर्फ इमोजी लगाने से बात सम्मानजनक नहीं हो जाती। कोई भी महिला किसी की प्रॉपर्टी नहीं होती। उसकी अपनी पहचान, सपने और आवाज होती है। तारीफ कीजिए, लेकिन सम्मान के साथ।'

फैंस ने किया एक्ट्रेस का सपोर्ट

सीरत के इस जवाब की सोशल मीडिया पर काफी तारीफ हो रही है। कई यूजर्स ने कहा कि उन्होंने ट्रोल्स को जवाब देने का सही तरीका दिखाया है। उनके इस रिप्लाई पर एक फैन ने लिखा, 'ऐसे ही जवाब देना चाहिए,' जबकि दूसरे ने कहा, 'बहुत सही कहा।'

क्यों सुर्खियों में हैं सीरत कपूर

बता दें कि इस साल अप्रैल में भी सीरत कपूर और अल्लू अर्जुन को लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हुई थी। सीरत ने अल्लू अर्जुन के बर्थडे पर उनके साथ कुछ अनसीन तस्वीरें शेयर की थीं। बताया गया कि ये तस्वीरें एक इंटरनेशनल ट्रिप के दौरान अल्लू अर्जुन के प्राइवेट जेट में ली गई थीं।

एक्टर्स का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो सीरत कपूर हाल ही में 'सेव द टाइगर्स', 'भामकल्पम 2' और 'मनमे' में नजर आई थीं। वहीं अल्लू अर्जुन इन दिनों डायरेक्टर एटली की फिल्म 'राका' की तैयारी में जुटे हैं, जिसमें उनके साथ दीपिका पादुकोण भी नजर आएंगी।

जल देवी बनी नजर आईं नोरा फतेही

स्वर्ण आभूषण पहनकर समुद्र में दिए दिलकश पोज

नोरा फतेही अपने लुक और स्टाइल के मामले में अक्सर सुर्खियां बटोरती हैं। वे सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। अब वे अपने हालिया पोस्ट को लेकर चर्चा में हैं। एक्ट्रेस ने अपनी कुछ मनमोहक फोटोज शेयर की हैं। इन्हें देखकर लगेगा मानो कोई दिव्य जल देवी हो। खुद नोरा भी अपने इस लुक की दीवानी हो रही हैं।

नोरा के लुक में दिखी दो संस्कृतियों की झलक

नोरा फतेही ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से तस्वीरें शेयर की हैं। इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'इस लुक की दीवानी हो गई हूं। हम सोने के गहनों के जरिए एक भारतीय अंदाज वाली किसी दिव्य जल देवी जैसा रूप दिखाना चाहते थे, लेकिन साथ ही बॉडी टैटू के जरिए इसमें अमाजिग बर्बर संस्कृति का भी एक टच जोड़ना चाहते थे। दो अलग-अलग दुनियाओं के एक बेहद खूबसूरत मेल की झलक इस लुक में है'।

क्या है अमाजिग बर्बर संस्कृति?

बता दें कि अमाजिग बर्बर संस्कृति उत्तरी अफ्रीका की सबसे प्राचीन और समृद्ध संस्कृतियों में से एक है। नोरा के इस लुक में जहां सोने के पारंपरिक आभूषणों से भारतीय संस्कृति की झलक नजर आ रही है। वहीं, बर्बर संस्कृति को उन्होंने जोड़कर इसे और खूबसरत बनाया है।

नेटिजंस क्या बोले?

नोरा फतेही ने कमरबंद से लेकर गले के मल्टी लेयर हार और झुमकों के साथ-साथ मुकुट भी पहना है। उनके इस लुक पर नेटिजंस तारीफ कर रहे हैं। यूजर्स लिख रहे हैं, 'अलग-अलग कल्चर को बहुत ही खूबसूरती से दिखाया है'। नोरा के वर्क फ्रंट की बात करें तो बीते दिनों वे 'केडी' फिल्म के गाने 'सरके चुनर तेरी सरके' में नजर आई थीं। इस गाने पर काफी विवाद हुआ और मामला कोर्ट तक पहुंचा।

तृषा ने विजय के बच्चे पैदा नहीं किए', कुनिका सदानंद वीडियो पोस्ट देख भड़कीं- औरत ही औरत की दुश्मन

कुनिका सदानंद इस वक्त खूब जोश में हैं और वह राजनीतिक से लेकर अन्य मुद्दों पर बेबाक राय रख रही हैं। अब उन्होंने तृषा कृष्णन ने पक्ष में आवाज उठाई है। 62 वर्षीय एक्ट्रेस ने उस यूजर को मुंहतोड़ जवाब दिया, जिसने तृषा के विजय संग रिश्ते पर सवाल उठाया और आपत्तिजनक बातें बोलीं। कुनिका ने कहा कि एक औरत ही औरत की दुश्मन होती है और यह बात आज फिर साबित हो गई। तृषा कृष्णन जब से थलपति विजय के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुईं, तभी से वह लगातार निशाने पर हैं। इस समारोह में विजय की पत्नी और बच्चे तो नहीं पहुंचे, पर तृषा को देख कुछ लोग भड़क गए। इनमें सिंगर सुचित्रा भी शामिल रहीं, जिन्होंने एक्ट्रेस को थलपति विजय की जिंदगी में 'पैरासाइट' बताया। सोशल मीडिया पर तृषा का एक वीडियो भी वायरल हुआ।

अब जब एक फीमेल यूजर ने तृषा कृष्णन को लेकर आपत्तिजनक बातें कहीं, और एक्ट्रेस के लिए एक वीडियो पोस्ट किया तो उसे देख कुनिका सदानंद खुद को रोक नहीं पाईं और आगबबूला हो गईं। उन्होंने उसे जमकर सुनाया।

फीमेल यूजर का तृषा पर आपत्तिजनक पोस्ट, भड़कीं कुनिका सदानंद

मिनी नाम की एक यूजर ने X पर तृषा कृष्णन को लेकर एक पोस्ट लिखा, जिसमें एक तरफ

एक्ट्रेस का पोस्ट था, जिसमें प्यार की गूंज ज्यादा होने की बात लिखी थी। और साथ में एक वीडियो भी शेयर किया, जो विजय के शपथ ग्रहण समारोह का था। इसमें तृषा, विजय को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेते देख भावुक नजर आ रही थीं। इसके साथ यूजर ने लिखा, 'तृषा कृष्णन की एक्टिंग स्किल्स लाजवाब हैं। विजय जोसेफ के मुश्किल भरे सालों में उन्होंने स्ट्रगल नहीं किया। उनके बच्चों को पैदा नहीं किया। बच्चों का पालन-पोषण भी उन्होंने नहीं किया। वह तो बस उनके परिवार की मेहनत और शोहरत का आनंद लेने आई थीं।'

'एक औरत ही दूसरी औरत की बड़ी दुश्मन, तुमने इसे साबित कर दिया'

इस ट्वीट पर कुनिका सदानंद बिफर गईं और यूजर को करारा जवाब देते हुए अपने X अकाउंट पर लिखा, 'फिर से एक महिला को निशाना बना रही हो और उस पर सवाल उठा रहे हो, जबकि सात फेरे तो उसने नहीं लिए थे। जब लोग कहते हैं कि एक औरत ही दूसरी औरत की सबसे बड़ी दुश्मन होती है, तो सही बात है और तुमने इसे साबित कर दिया।'

तृषा और थलपति विजय की दोस्ती, अफेयर के चर्चे आम

तृषा कृष्णन वैसे तो थलपति विजय की काफी पुरानी दोस्त हैं और साथ में कई हिट फिल्में दी हैं, पर उनके अफेयर के चर्चों ने तब जोर पकड़ा, जब एक्टर की पत्नी ने अप्रैल 2026 में तलाक की अर्जी दी। साथ में विजय पर आरोप लगाया कि उनका एक एक्ट्रेस के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर है। इसी के कुछ दिन बाद विजय और तृषा कृष्णन एक रिसेप्शन में साथ शामिल होते और साथ निकलते देखे गए थे। वहीं, तमिलनाडु विधान सभा चुनाव के परिणाम वाले दिन तृषा न सिर्फ मंदिर गईं, बल्कि विजय की जीत के बाद उन्हें बधाई देने उनके घर भी गई थीं।

लक्ष्मी मांचू और चार्मी कौर ने तृषा को बताया था 'लकी'

यहां तक कि थलपति विजय की जीत पर लक्ष्मी मांचू ने जहां तृषा से कहा था कि उन्हें बेस्ट बर्थडे गिफ्ट मिला है, तो वहीं एक्ट्रेस चार्मी कौर ने तृषा को 'लकी' बताया था। इसी पर यूजर्स भड़के हुए थे। और जब तृषा थलपति विजय के सीएम के तौर पर शपथ समारोह में शामिल हुईं, और एक्टर के परिवार से मिलती दिखीं, तो लोगों ने उन्हें खूब खरी-खोटी सुनाई। जबकि विजय की पत्नी बच्चे समारोह से गायब रहे।

सिलेंडर ब्लास्ट से 4 लोग जिंदा जले

शॉर्ट सर्किट से लगी थी आग, मृतकों में 2 बहनें, पिता, डेढ़ साल की बच्ची शामिल

दुर्ग-भिलाई, 12 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में मंगलवार को सिलेंडर ब्लास्ट होने से एक ही परिवार के 4 लोग जिंदा जल गए। मृतकों में 2 बहनें, पिता और एक डेढ़ साल की बच्ची शामिल है।

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची है। यह मामला कुम्हारी थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक कुम्हारी स्थित खंभे में शॉर्ट सर्किट से मकान में आग लगी। आग किचन तक पहुंच गई, जिससे गैस सिलेंडर फट गया। धमाका इतना जोरदार था कि आग की लपटों ने पूरे मकान को चपेट में ले लिया। घर के अंदर मौजूद परिवार के सदस्य बाहर निकल नहीं सके और जिंदा जल गए।

आसपास के लोगों ने धमाके की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग काफी विकराल हो चुकी थी। इसके बाद घर के अंदर से चार लोगों के शव बरामद किए गए।

बताया जा रहा है कि जिस वक्त हादसा हुआ, उस समय घर में 2 बहनें मौजूद थीं। इनमें से एक शादीशुदा थी, जिसकी डेढ़ साल की बेटी भी घर में थी। घर में दोनों बहनों के पिता भी मौजूद थे। हादसा इतना भयावह था कि चारों की मौके पर ही मौत हो गई।

शुरुआती जानकारी के मुताबिक, घर में पहले इलेक्ट्रिक वायरिंग में शॉर्ट सर्किट से आग लगी। आग छत के रास्ते फैलते हुए किचन तक पहुंच गई। इसके बाद आग की चपेट में सिलेंडर आ गया, जिससे जोरदार ब्लास्ट हुआ।

हादसे के वक्त सभी लोग घर में सो रहे थे और धमाके के कारण उन्हें संभलने का मौका तक नहीं मिल पाया। हादसे के बाद घर पूरी तरह जलकर खाक हो गया।

मौके से जले हुए शव बरामद किए गए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल संभालेगा भर्ती परीक्षाएं

रायपुर, 12 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सरकार अब विभागों में होने वाली भर्तियों की प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने की तैयारी में जुट गई है। राज्य के विभिन्न विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती के लिए छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल परीक्षा प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालेगा। इसके लिए विशेष सॉफ्टवेयर तैयार किया जाएगा, जिससे पूरी प्रक्रिया तकनीकी रूप से मजबूत और निगरानी योग्य बन सके। सोमवार को मंत्रालय महानदी भवन में मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में भर्ती परीक्षाओं के संचालन, सॉफ्टवेयर निर्माण और एजेंसी चयन को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भर्ती प्रक्रिया के नियम और शर्तें पूरी संवेदनशीलता और पारदर्शिता के साथ तय की जाएं। उन्होंने कहा कि चयन प्रक्रिया निष्पक्ष, जवाबदेह और तकनीकी रूप से सुरक्षित होनी चाहिए, ताकि अभ्यर्थियों का भरोसा मजबूत बना रहे।

कांग्रेस के 17 नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज

मंत्री को मृत घोषित कर छपवाए थे शोक पत्र, विधायक देवेन्द्र यादव भी थे शामिल

बेमेतरा, 12 मई (एजेंसियां)। छत्तसीगढ़ के बेमेतरा जिले में पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। थाना चंदनू क्षेत्र के झिरिया गांव में निकाली गई प्रतिकात्मक शव यात्रा के मामले में पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव और 17 से अधिक कार्यकर्ताओं के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की है। यह कार्रवाई जिला पंचायत सदस्य अंजू बघेल की लिखित शिकायत पर की गई है।

9 मई को किया गया था कार्यक्रम

जानकारी के अनुसार 9 मई को दोपहर 2 बजे से शाम 4:30 बजे के बीच झिरिया गांव के बाजार चौक में बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए। इस कार्यकम में भिलाई नगर से कांग्रेस विधायक देवेन्द्र यादव, पूर्व विधायक गुरूदयाल सिंह बंजारे समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता शामिल हुए थे। इसी दौरान प्रतिकात्मक शव यात्रा निकाली गई थी।

आरोप है कि इन सभी ने छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य नागरिक आपूर्ति मंत्री दयालदास बघेल को मृत घोषित करते हुए शोक पत्र छपवाया और मंच से भाषणबाजी की थी। इसके बाद उन्होंने बांस से पुतला बनाकर मुख्य मार्ग पर शव यात्रा निकाली गई, जिससे सड़क जाम हो गया और आमजन की आवाजाही बाधित हुई।

जिसके बाद जिला पंचायत सदस्य अंजू बघेल ने चन्दनू थाने में अपराध मामले दर्ज कराए थे। जिसके बाद पुलिस प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए कांग्रेस के नेताओं और एनएसयूआई कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच के लिए टीम का गठन किया गया है। जो भी इसमें संलिप्त पाया जाएगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस के 17 नेता और कार्यकर्ताओं पर एफआईआर

भिलाई से विधायक देवेन्द्र यादव के खिलाफ मामला दर्ज।

9 मई को विरोध प्रदर्शन के दौरान निकाली थी शव यात्रा।

कांग्रेस नेताओं ने मंत्री के शोक पत्र भी छपवाए थे।

इस पूरे मामले में कांग्रेस पदाधिकारियों का कहना है कि पार्टी के कार्यकर्ता गौवंश की हत्या के मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इसको लेकर गलत खबर न फैलाई जाए, कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रहा है। जब तक कुछ कार्रवाई नहीं होगी विरोध प्रदर्शन इसी तरह जारी रहेगा। सरकार गौवंश की हत्या को रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठा रही है।

सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए। जब तक सरकार इस पर ध्यान नहीं देगी, हम लोगों का विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

युवक की पत्थर से कुचलकर हत्या

बीती रात 11 बजे हुई थी परिवार से आखिरी बात, सुबह चांदमारी ग्राउंड के पास मिला शव

धनबाद, 12 मई (एजेंसियां)। धनबाद के धनसार थाना क्षेत्र स्थित चांदमारी ग्राउंड के पास एक युवक का शव मिला है। मृतक की पहचान दहुहाटांड़ निवासी जितेश कुमार के रूप में हुई है। आशंका है कि युवक की हत्या चेहरे को पत्थर से कुचलकर की गई है।

मंगलवार सुबह स्थानीय लोगों ने जंगल की ओर शव पड़ा होने की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही धनसार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटनास्थल से एक बाइक, मोबाइल फोन और खून से सना पत्थर बरामद किया गया है, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है।

मृतक के चाचा टुनटुन कुमार ने बताया कि जितेश सोमवार शाम काम से कुछ लोगों के साथ घर से निकला था। रात करीब 11 बजे उसकी आखिरी बार बातचीत हुई थी। टुनटुन के अनुसार, रात 12:30 बजे एक बार कॉल रिसीव हुआ, जिसमें हल्की आवाज में किसी तरह का झगड़ा होने की बात सुनाई दी। इसके तुरंत बाद फोन कट गया और फिर रात 1:30 बजे से मोबाइल स्विच ऑफ बताने लगा।

धनसार थाना प्रभारी मनोहर करमाली ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि युवक की हत्या कहीं और की गई और बाद में शव को चांदमारी ग्राउंड के पास लाकर फेंका गया। उन्होंने कहा कि परिजनों द्वारा कुछ लोगों पर संदेह जताया गया है, जिनके आधार पर जांच की जा रही है।

फिलहाल, शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच जारी है।

सुबह काटा तरबूज दोपहर में खाया, रात में चिकन, बच्चे की मौत

3 बीमार, जांजगीर शादी में आए थे, डॉक्टर बोले-फूड पॉइजनिंग हुई

जांजगीर-चांपा, 12 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में तरबूज और चिकन खाने के बाद 4 बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। इलाज के दौरान एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि 3 बच्चों का अस्पताल में डॉक्टरों की निगरानी में इलाज चल रहा है। सिविल सर्जन डॉ. कुजूर ने बताया कि, सुबह का कटा हुआ तरबूज काफी देर बाद खाने की वजह से बच्चों को संक्रमण हुआ है। फूड पॉइजनिंग की वजह से बच्चों की हालत बिगड़ी है। घटना सिटी कोतवाली थाना इलाके के ग्राम घुरकोट की है।

जानकारी के मुताबिक, एक ही परिवार के पोड़ी दलहा निवासी अखिलेश धीवर (15), अवरीद निवासी श्री धीवर (4), खटोला निवासी पिंटू धीवर (12) और कोटगढ़ निवासी हितेश धीवर (13) अपने परिजनों के साथ घुरकोट आए थे। मामा के घर शादी होने के बाद तीन-चार दिन से रुके हुए थे।

15 साल के अखिलेश धीवर की जिला अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो गई

रविवार (10 मई) की सुबह तरबूज काटकर रखे थे। जिसे दोपहर के समय चारों ने बच्चों ने खाया। इसके बाद शाम को उन्होंने घर का बना चिकन भी खाया। शाम को अचानक सभी की तबीयत बिगड़ने लगी।

अखिलेश धीवर की हालत खराब होने लगी। उसे लगातार उल्टी-दस्त, पेट दर्द और सांस लेने में तकलीफ हुई, जिसके बाद वह बेहोश हो गया। परिजनों ने गांव के ही झोलाछाप डॉक्टर से इलाज करवाकर घर ले गए। सोमवार सुबह उसकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई।

परिजन उसे तत्काल एम्बुलेंस से जिला अस्पताल ले गए, लेकिन पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई।

वहीं, तीन बच्चे श्री धीवर, पिंटू और हितेश में सामान्य लक्षण दिखाई दिए। उन्हें भी तुरंत जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

आशंका जताई जा रही है कि, तरबूज में किसी प्रकार का संक्रमण था या वह खराब हो चुका था।

प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है, जिससे पॉइजनिंग के सही कारणों का पता लगाया जा सके।

झारखंड में कानून-व्यवस्था बिगड़ी नहीं, साजिशन बिगाड़ी गई

बाबूलाल बोले- अपराधी-पुलिस गठजोड़ की एनआईए जांच हो

धनबाद, 12 मई (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड की ध्वस्त कानून व्यवस्था को लेकर हेमंत सरकार पर तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन के संरक्षण में अपराधी और माफिया फल-फूल रहे हैं।

धनबाद में आयोजित प्रेस वार्ता में बाबूलाल मरांडी ने कहा कि कानून व्यवस्था के मामले में झारखंड की स्थिति खतरनाक मोड़ तक पहुंच चुकी है। यहां पुलिस, गैंगस्टर, माफिया का एक गठजोड़ बना हुआ है।

आम जनों का विश्वास सरकार और पुलिस प्रशासन से पूरी तरह डगमगा चुका है। यह संयोग नहीं है बल्कि इस स्थिति को पैदा किया गया है। आज प्रदेश के अंदर कानून व्यवस्था जो बिगड़ी है, हम कह सकते हैं कि यह बिगड़ी नहीं है बल्कि बिगाड़ी गई है। जब दागी अफसर को जिलों में और प्रदेशों में पदस्थापित किया जाएगा तो बेहतर कानून व्यवस्था की उम्मीद भला कैसे की जा सकती है? बाबूलाल मरांडी ने धनबाद एसएसपी पर निशाना साधते हुए कहा कि यहां वर्दी और बिना वर्दी वाला गुंडा में एक दूसरे के कपड़े खोलने की प्रतिस्पर्धा चल रही है। जबकि सरकार पूरी तरह मूकदर्शक बनी है।

आम जनता, कारोबारी सभी परेशान हैं। आखिर इस राज्य में कैसे अमन चैन स्थापित हो पाएगा। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि यहां एसीबी का प्रमुख जिस अफसर प्रिया दुबे को बनाया जाता है उस पर पहले से केस है। संपत्ति अटैच हुआ है, कोर्ट में मामला चल रहा है।

अबूझमाड़ में नक्सलियों का छिपाया 1 करोड़ कैश मिला

जंगल में बनाया था सीक्रेट डंप, सुरक्षाबलों ने ढूंढ निकाला, हथियार भी मिले

नारायणपुर, 12 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ के जंगल में नक्सली डंप से 1 करोड़ कैश मिला है। मंगलवार को अबूझमाड़-महाराष्ट्र बॉर्डर से लगे जंगल में सुरक्षाबलों की टीम सर्च ऑपरेशन पर निकली थी। इस दौरान अलग-अलग इलाकों से बड़ी मात्रा में कैश और नक्सली सामान जमीन पर गढ़ा हुआ मिला, जिसे बरामद किया गया है।

डंप में आईईडी बनाने का सामान, हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक सामग्री और दैनिक उपयोग का सामान था। वहीं, कुछ पोस्टर भी मिले हैं, जो नक्सलियों के लीडर के बताए जा रहे हैं। इतनी बड़ी रकम कहां से आई पुलिस इसकी जांच कर रही है।

'माड़ बचाओ अभियान' के तहत ये कार्रवाई नारायणपुर पुलिस, डीआरजी, एसटीएफ, आईटीबीपी और बीएसएफ की संयुक्त टीम ने की। नारायणपुर एसपी रोबिनसन गुड़िया ने बताया कि, पिछले एक महीने से जिले में लगातार सर्चिंग और एरिया डोमिनेशन अभियान चलाया जा रहा था।

इसी दौरान अलग-अलग जगहों पर नक्सलियों के छिपाकर रखे गए हथियार और विस्फोटक सामग्री के डंप का पता चला।

एसपी ने बताया कि साल 2025-26 में अब तक जिले में कुल 270 हथियार रिकवर किए जा चुके हैं। पुलिस ने ग्रामीणों से अपील की है कि जंगलों या आसपास किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस और केंद्रीय बलों को दें, ताकि जिले को पूरी तरह नक्सलमुक्त बनाया जा सके।

बीजापुर में 31 मार्च को नक्सलियों का छिपाया हुआ 14 करोड़ का माल मिला था। उसी दिन बीजापुर में 25 नक्सलियों ने सरेंडर किया था। इनसे मिले इनपुट के बाद ही 3 करोड़ कैश और 7 किलो गोल्ड बरामद किया गया था। ये अब तक का सबसे बड़ा डंप है।

2 महीने पहले बस्तर के संभागीय मुख्यालय जगदलपुर में 108 नक्सलियों ने सरेंडर किया था।

ज्वेलरी दुकान से लाखों की लूट

देवघर, 12 मई (एजेंसियां)। देवघर जिले के मोहनपुर थाना क्षेत्र में सोमवार रात अपराधियों ने एक ज्वेलरी दुकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपए की लूट की वारदात को अंजाम दिया। चंदना ठाढ़ी मोड़ स्थित लता ज्वेलर्स में रात करीब 9:30 बजे दो हथियारबंद बदमाश काले रंग की पल्सर बाइक पर सवार होकर पहुंचे।

उस समय दुकान में सामान्य रूप से कारोबार चल रहा था। अपराधियों ने दुकान में घुसते ही हथियार निकाल लिए और दुकानदार को जान से मारने की धमकी देते हुए चुप रहने को कहा। इसके बाद उन्होंने हथियार के बल पर दुकान में रखे कीमती आभूषण और नकदी लूट ली।

दुकानदार के अनुसार, बदमाश करीब आधा भर सोना, लगभग तीन किलोग्राम चांदी और 16 हजार रुपये नकद लूटकर फरार हो गए। पूरी घटना कुछ ही मिनटों में इतनी तेजी से हुई कि आसपास के लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही अपराधी मौके से भाग निकले।

जाते समय बदमाशों ने दुकानदार को जान से मारने की धमकी भी दी, जिससे वह दहशत में आ गया। घटना के बाद इलाके में भय का माहौल बन गया। आसपास के दुकानदारों में भी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

घटना की सूचना मिलते ही मोहनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ की। साथ ही, इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है और कुछ अहम सुराग भी हाथ लगे हैं। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही इस लूटकांड का खुलासा कर दोषियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

दो नाबालिगों ने की आत्महत्या

गोविंदपुर में शादी समारोह से घर लौट फंदे से लटका, बोड़ाम में जंगल में मिला दूसरे का शव

जमशेदपुर, 12 मई (एजेंसियां)। पूर्वी सिंहभूम जिले में आत्महत्या के दो अलग-अलग मामले सामने आए हैं। जमशेदपुर के गोविंदपुर थाना क्षेत्र में 17 वर्षीय नाबालिग ने प्रेम प्रसंग के चलते फांसी लगा ली, जबकि बोड़ाम थाना क्षेत्र में 16 वर्षीय किशोर का शव जंगल में फंदे से लटका मिला।

गोविंदपुर थाना क्षेत्र के लुआबासा गांव में 17 वर्षीय चैतन्य सिंह ने सोमवार देर रात अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार, चैतन्य गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद घर लौटा था।

रात में परिजन घर लौटे तो देखा शव

घटना के समय घर में कोई सदस्य मौजूद नहीं था, क्योंकि परिवार के अन्य लोग दूसरे गांव में एक शादी समारोह में गए हुए थे। रात करीब 12:30 बजे परिजनों के लौटने पर उन्होंने चैतन्य को फंदे से लटका पाया।

मृतक के पिता रघु सिंह ने पुलिस को बताया कि चैतन्य का गांव की ही एक लड़की से प्रेम संबंध था। आशंका है कि इसी संबंध में किसी बात को लेकर हुए तनाव के कारण उसने यह कदम उठाया।

मेला जाने की बात कहकर घर से निकला था

वहीं, दूसरे मामले में, बोड़ाम थाना क्षेत्र के पहाड़पुर गांव निवासी 16 वर्षीय वैद्यनाथ बेसरा का शव घर से लगभग 500 मीटर दूर जंगल में एक पेड़ से लटका मिला। परिजनों ने बताया कि वैद्यनाथ 10 मई की शाम मेला जाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा था।

मृतक के पिता सुनील बेसरा के अनुसार, वैद्यनाथ की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। उसकी आत्महत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जंगली हाथी का तांडव, घर तोड़ा

गुमला, 12 मई (एजेंसियां)। गुमला जिले के भरनो मुख्यालय से सटे कुम्हरों गांव में देर रात जंगली हाथी ने जमकर उत्पात मचाया। हाथी ने गांव निवासी मंगरीता कुमारी के मिट्टी के घर को दो अलग-अलग जगहों से तोड़कर बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के समय मंगरीता अपनी दो बेटियों सात वर्षीय अनुष्का और ढाई वर्षीय अंशु के साथ घर में सो रही थी।

इसी बीच अचानक हाथी ने घर की दीवार तोड़ दी। जिससे दीवार का मलबा सीधे उस पलंग पर गिरा, जहां तीनों सो रही थी। इस हादसे में अनुष्का कुमारी मलबे में दबकर गंभीर रूप से घायल हो गई। जबकि मां ने छोटी बेटी को लेकर किसी तरह खुद को बचा लिया।

घटना के बाद घर में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। परिजनों और ग्रामीणों की मदद से घायल बच्ची को तुरंत भरनो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां उसका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार, अनुष्का के कमर में गंभीर चोट आई है।

बताया गया कि मंगरीता कुमारी के पति शंकर उरांव रोजी-रोटी के लिए दूसरे प्रदेश में ईंट भट्ठा में काम करने गए हुए हैं, जिससे महिला घर में अपनी दोनों बेटियों के साथ अकेली रहती है। अचानक हुए इस हमले से परिवार पूरी तरह सहम गया है। हाथी के उत्पात में घर के अंदर रखा पलंग, अलमारी, कुर्सी, टेबल और बर्तन समेत कई घरेलू सामान क्षतिग्रस्त हो गए।

सियार का हमला, 6 साल का बच्चा घायल

कमरे के अंदर सो रहे बच्चे को बनाया निशाना तीन दिन पहले बच्ची को बनाया शिकार

पाकुड़, 12 मई (एजेंसियां)। पाकुड़ के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में इन दिनों सियारों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। मंगलवार सुबह रहसपुर गांव में एक सियार ने घर के अंदर घुसकर छह वर्षीय बच्चे पर हमला कर दिया, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। घायल बच्चे की पहचान अजफारुख शेख के पुत्र अयातुल्लाह शेख के रूप में हुई है।

घटना उस वक्त हुई, जब बच्चा अपने घर के कमरे में सो रहा था। अचानक सियार कमरे में घुस आया और उस पर हमला कर दिया। बच्चे के जोर-जोर से चिल्लाने पर परिजन मौके पर पहुंचे, जिसके बाद सियार भाग निकला। परिजनों ने तुरंत बच्चे को प्राथमिक उपचार दिलाया, जिसके बाद उसे खतरे से बाहर बताया गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के कई गांवों में सियारों का आतंक फैला हुआ है। इससे पहले लक्खीनारायणपुर गांव में सियार के हमले में तीन माह की एक बच्ची की मौत हो चुकी है, जबकि अब तक पांच से छह बच्चे घायल हो चुके हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सियार गांव के आसपास झाड़ियों और सुनसान इलाकों में डेरा डाले हुए हैं।

रात के समय बाहर निकलकर मुर्गे, बकरियों सहित अन्य छोटे मवेशियों को अपना शिकार बना रहे हैं। मौका मिलने पर वे छोटे बच्चों पर भी हमला कर रहे हैं। जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है।

घटना के बाद बच्चे के पिता अजफारुख शेख ने प्रशासन से इस गंभीर समस्या पर तत्काल ध्यान देने की अपील की है। ग्रामीणों ने बताया कि सियारों के बढ़ते हमलों के कारण बच्चों और मवेशियों की सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है।

उन्होंने वन विभाग से मांग की है कि प्रभावित गांवों में तुरंत टीम भेजकर सियारों को पकड़ने और इलाके को सुरक्षित बनाने की व्यवस्था की जाए।

जिस 18 महीने की मासूम को ढूंढने में सीएम हेमंत ने लगा दी जान, उस अदिति की मिली लाश

रांची, 12 मई (एजेंसियां)। रांची के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत कोकर खोरहा टोली से रविवार को लापता हुई 18 महीने की मासूम बच्ची अदिति पांडे का अंततः दुखद अंत हो गया। मंगलवार को पुलिस ने बच्ची का शव गाड़ीगांव इलाके के एक बड़े नाले से बरामद किया। इस खबर के फैलते ही पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बच्ची के लापता होने की सूचना रविवार को परिजनों की ओर से सदर थाने की पुलिस को दी गई थी। मामले की गंभीरता के देखते हुए रांची पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी। रांची पुलिस की ओर से बच्ची का सुरान देने वाले को 50 हजार रुपये इनाम देने की घोषणा भी की गई थी।

इस मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी चिंता जताते हुए रांची पुलिस, रांची के उपायुक्त और झारखंड पुलिस को त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया था। जिसके बाद से पूरा पुलिस-प्रशासनिक महकमा अदिति को खोजने में जुटा था।

इस बीच घर के पास मौजूद बड़े नाले के देखते हुए शुरू से ही हादसे की आशंका जताई जा रही थी। पुलिस और स्थानीय लोगों के अलावा एनडीआरएफ की टीम भी छानबीन में जुटी थी। पुलिस, परिजन और एनडीआरएफ की ओर से सोमवार से ही ड्रोन की मदद से नाले और आसपास के इलाके में बच्ची की तलाश की जा रही थी। वहीं बच्ची की मां मदर्स डे से सदमे में थीं। छानबीन के दौरान गाड़ीगांव स्थित नाले से बच्ची का शव बरामद किया गया। पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले में जांच में जुट गई है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह पूरी तरह से हादसा था या इसके पीछे कोई और कारण है।

पेट्रोलियम मंत्री ने दी राहत भरी खबर

अब नहीं बढ़ेंगे पेट्रोल–डीजल के दाम?

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय तेल मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने 12 मई को कहा कि सरकार ने एलपीजी का प्रोडक्शन पहले के लगभग 35,000 टन से बढ़ाकर 55,000-56,000 टन कर दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश में कहीं भी फ्यूल की कोई कमी नहीं है। मंत्री ने यह भी संकेत दिया कि फ्यूल की कीमतों में इजाफा हो सकता है, लेकिन उन्होंने उन अटकलों को खारिज कर दिया कि सरकार ने हाल ही में संपन्न हुए राज्यों के चुनावों के कारण कीमतों में किसी भी बदलाव को टाल दिया था।आपको बता दें कि 10 मई को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक कार्यक्रम में देश को सलाह दी थी कि पेट्रोल और डीजल का यूज कम से कम करें। कार पूलिंग का उपयोग करें। पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें। ताकि कच्चे तेल का इंपोर्ट कम किया जा सके और देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर कम असर पड़ सके। जिसके बाद आम लोगों में चिंता बढ़ गई थी कि क्या देश में पेट्रोल और डीजल की कमी होने वाली है? अब जब तेल मंत्री का बयान आया है, तो थोड़ी राहत महसूस की जा सकती है।

देश के पास 60 दिनों का तेल

सीआईआई एनुअल बिज़नेस समिट 2026 में पुरी ने कहा कि हमने चुनौती को एक अवसर में बदल दिया है। हमने पिछले चार सालों से कीमतें नहीं बढ़ाई हैं। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि कीमतें नहीं बढ़ेंगी। मैं बस यह कह रहा हूं कि कीमतों और चुनावों का आपस में कोई लेना-देना नहीं है। पुरी ने कहा कि भारत के पास अपने स्टॉक में पर्याप्त कच्चा तेल और एलपीजी मौजूद है। हमारे पास 60 दिनों का कच्चा तेल है, जो हमारी जरूरत के हिसाब से अधिकतम है। हमारे पास 60 दिनों की एलएनजी और 45 दिनों की एलपीजी है।

रोज 1000 करोड़ का नुकसान

ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी का संकेत देते हुए मंत्री ने कहा कि तेल मार्केटिंग कंपनियों को हर दिन 1,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है। उन्होंने बताया कि इन कंपनियों को 198,000 करोड़ रुपए की 'अंडर-रिकवरी' (लागत से कम वसूली) हो रही है और इस तिमाही में उनका कुल नुकसान 1 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक दूरदर्शी बयान दिया है कि अगर यह (युद्ध) जारी रहता है, तो हमें राजकोषीय दबाव को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाने होंगे।

कंपनियों का मुनाफा खत्म?

तेल मार्केटिंग कंपनियां इसे कब तक झेल पाएंगी, यह बात मुझे चिंतित करती है। उन्होंने आगे कहा कि पिछले साल कमाए गए सारे मुनाफे, मौजूदा दरों के कारण हो रहे नुकसान की वजह से खत्म होते जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने इस संकट को पूरी जिम्मेदारी के साथ संभाला है। कंपनियां कंज्यूमर्स को बचाने के लिए नुकसान उठा रही हैं। हमने इस संकट को पूरी जिम्मेदारी के साथ संभाला है। कहीं भी ईंधन की कोई किल्लत नहीं है। हमने लगभग सभी क्षेत्रों में गैस की आपूर्ति बहाल कर दी है।

मेटा में 8000 कर्मचारियों की छंटनी

एआई पर फोकस और रिकॉर्ड खर्च के बीच मार्क जुकरबर्ग का सख्त कदम, जानें सबकुछ

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण दुनिया में भू-राजनीतिक तनाव चरम पर है। वहीं, दूसरी ओर दुनिया के टेक जगत में एआई के कारण लोगों की नौकरियां जाने का सिलसिला भी शुरू हो चुका है।फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा 20 मई को अपने 8,000 कर्मचारियों की छंटनी करने जा रही है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मार्क जुकरबर्ग अब मेटा को छोटी और एआई-संचालित टीमों के इर्द-गिर्द फिर से तैयार कर रहे हैं। हाल ही में पहली तिमाही के नतीजों के दौरान जुकरबर्ग ने स्पष्ट कर दिया है कि कंपनी केवल उन कर्मचारियों को साथ रखना चाहती है, जो अकेले ही बड़े प्रोजेक्ट्स को संभालने की क्षमता रखते हैं।

एआई के कारण बदल रहा है कंपनी का ढांचा

जुकरबर्ग का मानना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) उपकरणों की मदद से अब एक या दो लोग एक हफ्ते में वह काम कर रहे हैं, जिसे पूरा करने में पहले दर्जनों इंजीनियरों को महीनों लग जाते थे। इसी बदलाव को देखते हुए कंपनी अपनी टीमों को छोटा और अधिक उत्पादक बना रही है। जुकरबर्ग के अनुसार, यह फैसला केवल

लागत कम करने के लिए नहीं, बल्कि मेटा को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने का एक संरचनात्मक विकल्प है। कंपनी में अब अल्ट्राफ्लैट ढांचा लागू किया जा रहा है, जहां 50 इंजीनियरों पर केवल एक मैनेजर काम कर रहा है।

बुनियादी ढांचे पर रिकॉर्ड निवेश और शेयर बाजार की प्रतिक्रिया

मेटा इस साल अपने बुनियादी ढांचे, विशेषकर डेटा सेंटर, कस्टम चिप्स और एआई मॉडल ट्रेनिंग पर 125 से 145 अरब डॉलर का रिकॉर्ड पूंजीगत खर्च कर रही है। कंपनी की मुख्य वित्तीय अधिकारी सुसान ली ने स्पष्ट किया है कि बुनियादी ढांचे पर खर्च पिछले साल के मुकाबले लगभग दोगुना हो गया है, जिसके कारण कर्मचारियों के वेतन और कंपनी के बजट के बीच असंतुलन पैदा हुआ है। इसी असंतुलन को पाटने के लिए 20 मई की छंटनी का फैसला लिया गया है।

शेयर बाजार धड़ाम; सेंसेक्स 1456 अंक टूटा

निफ्टी 23450 से नीचे पहुंचा

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और प्रधानमंत्री की ओर से देश के लोगों से की गई मितव्ययिता की अपील के बाद घरेलू शेयर बाजार की भावनाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। सेंसेक्स मंगलवार को 1,456.04 अंक गिरकर 74,559.24 पर बंद हुआ तो निफ्टी 436.30 अंक गिरकर 23,379.55 पर आ गया। डॉलर के मुकाबले रुपया मंगलवार को गिरकर रिकॉर्ड निचले स्तर 95.63 (अस्थायी) पर आ गया। सोमवार के बाद मंगलवार को भारतीय भारतीय शेयर बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स और निफ्टी लगभग 2% तक लुढ़क गए। रुपये के अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंचने, तेल की चढ़ती कीमतों और विदेशी निवेशकों की बेरुखी से बाजार को बड़ा नुकसान झेलना पड़ा।सेंसेक्स 1,456 अंक से अधिक गिरकर 74,559 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 436 अंक से अधिक गिरकर 23,379 पर बंद हुआ। बाजार में उतार-चढ़ाव मापने वाला सूचकांक इंडिया वीआईएक्स 4% बढ़कर 19.26 हो गया। इस गिरावट के कारण बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी आई, जिससे यह घटकर 457 लाख करोड़ रुपये गया। बाजार में आई इस सुनामी का असर लगभग सभी प्रमुख सेक्टर्स पर पड़ा है, लेकिन इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (आईटी) और रियल्टी शेयरों ने बाजार को सबसे ज्यादा नीचे खींचने का काम किया। सेक्टोरल इंडेक्स के आंकड़ों के अनुसार, निफ्टी रियल्टी में चार प्रतिशत से अधिक और निफ्टी आईटी में तीन प्रतिशत से अधिक की भारी गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 3.59 प्रतिशत, निफ्टी मीडिया 2.77 प्रतिशत और निफ्टी ऑटो 2.28 प्रतिशत गिरकर बंद हुए। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के हेड ऑफ रिसर्च, विनोद नायर ने बताया कि ओपनएआई की हालिया एंटरप्राइज एडॉप्शन पहलों के कारण एआई से जुड़ी प्राइसिंग के दबाव और संभावित व्यवधान की चिंताओं से आईटी शेयरों का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा। शेयर बाजार के साथ-साथ कमोडिटी मार्केट में भी भारी उथल-पुथल मची हुई है। ब्रेंट क्रूड ऑयल (कच्चा तेल) की कीमतें तेजी से बढ़कर 107 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं, जो भारत जैसी आयात पर निर्भर अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक बड़ा खतरे का संकेत है। इसी दौरान घरेलू बाजार में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,53,596 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी की कीमत 2,76,303 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई।

चांदी एक दिन में 11,620 महंगी, 2.68 लाख पहुंची

इस साल 37 हजार का उछाल, 10 ग्राम सोना 1,592 चढ़कर 1.52 लाख पर आया

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोगों से सोना न खरीदने की अपील के बावजूद आज 12 मई को सोना-चांदी में तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, एक किलो चांदी 11,620 रुपए बढ़कर 2,67,820 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले सोमवार को इसकी कीमत 2,56,200 रुपए प्रति किलो थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,592 रुपए चढ़कर 1,51,954 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले 11 मई को इसकी कीमत 1,50,362 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 18,755 रुपए और चांदी 37,400 रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.52 लाख रुपए पर पहुंच गया है।वहीं, चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.68 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

आपकी जेब पर पड़ा महंगाई का बोझ,अप्रैल में इतना महंगा हुआ खाने पीने का सामान

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। खाने पीने के सामान की कीमतों में इजाफा होने से अप्रैल के महीने में रिटेल महंगाई में मामूली ही सही लेकिन बढ़ोतरी देखने को मिली है. अप्रैल के महीने में रिटेल महंगाई में 0.08 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है. खास बात तो ये है कि अक्टूबर के बाद से महंगाई में लगातार इजाफा देखने को मिल चुका है.

महंगाई में ये लगातार 6वें महीने बढ़ोतरी देखने को मिली है. वैसे महंगाई के आंकड़े अभी भी आरबीआई के टॉलरेंस लेवल 4 फीसदी से नीचे बने हुए हैं. जानकारों की मानें अगर मिडिल ईस्ट का संकट लंबे समय तक बना रहता है तो आने वाले दिनों में महंगाई में जबरदस्त इजाफा देखने को मिल सकता है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर देश में रिटेल महंगाई किस दर से

बढ़ती हुई दिखाई दे रही है. सरकारी आंकड़ों को देखें तो अप्रैल के महीने में देश में रिटेल महंगाई 3.48 फीसदी पर आ गई है. जबकि मार्च के महीने में ये आंकड़ा 3.40 फीसदी पर थी. वैसे अक्टूबर 2025 के महीने में देश मं रिटेल महंगाई 0.25 फीसदी पर आ गई थी. उसके बाद से इसमें लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है. नवंबर के महीने में ये आंकड़ा 0.71 फीसदी पर आया. दिसंबर के महीने में 1.33 फीसदी पर देखने को मिला. जनवरी के महीने में रिटेल महंगाई 2.74 फीसदी पर देखी गई. जबकि फरवरी में रिटेल महंगाई का आंकड़ा 3.21 फीसदी पर आ गया. इसका मतलब है कि लगातार तीन महीनों से रिटेल महंगाई का आंकड़ा 3 फीसदी से ज्यादा देखने को मिला है. रिटेल इंफ्लेशन में इजाफे का प्रमुख कारण फूड इंफ्लेशन को माना जा रहा है. जिसमें अच्छी तेजी देखने को मिली है. अप्रैल, 2025 की तुलना में अप्रैल, 2026 के महीने के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक पर आधारित साल-दर-साल महंगाई दर 4.20 फीसदी (अनंतिम) है. ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए संबंधित महंगाई दरें क्रमशः 4.26 फीसदी और 4.10 फीसदी हैं. इसका मतलब है कि शहरों के मुकाबले में गांवों में फूड इंफ्लेशन ज्यादा बढ़ा है. खास बात तो ये है कि मार्च के महीने में खाद्य महंगाई 3.87 फीसदी पर देखने को मिली थी.सरकारी आंकड़ों के अनुसार दक्षिण भारत में महंगाई की मार सबसे ज्यादा देखने को मिल रही है. तेलंगाना में रिटेल महंगाई 5.81 फीसदी देखने को मिल रही है. जबकि फूड इंफ्लेशन 6 फीसदी के पार चला गया है. वहीं आंध्रप्रदेश में रिटेल महंगाई 4.20 फीसदी और खाद्य महंगाई 5.43 फीसदी देखने को मिल रही है. तमिलनाडु में रिटेल महंगाई का आंकड़ा 4.18 फीसदी और फूड महंगाई 5.43 फीसदी पर आ गई है. जबकि अप्रैल के महीने में कर्नाटक में रिटेल महंगाई 4 फीसदी और फूड इंफ्लेशन 6.08 फीसदी पर देखने को मिला है. राजस्थान में रिटेल और खाद्य महंगाई 4 फीसदी से नीचे देखने को मिला है.

होर्मुज खुलने के बाद भी नहीं मिलेगी राहत

100 डॉलर की रेंज में रह सकता है कच्चा तेल, दिग्गज फर्म की चेतावनी

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। कच्चे तेल की कीमत आने वाले समय में 100 डॉलर प्रति बैरल की निचली रेंज में रह सकती है। इसकी वजह पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण आपूर्ति श्रृंखला में रुकावटें आना है। यह जानकारी जेपी मॉर्गन की ओर से जारी एक रिपोर्ट में दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार शिपिंग, रिफाइनरी संचालन और टैंकरों की उपलब्धता में परेशानी से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं पर दबाव बना रहने की संभावना है, जिससे कीमतों में तेज सुधार नहीं हो पाएगा। वैश्विक ब्रोकरेज फर्म ने अनुमान लगाया है कि साल 2026 में ब्रेंट क्रूड की औसत कीमत लगभग 97 डॉलर प्रति बैरल रह सकती है, जिससे संकेत मिलता है कि ऊर्जा बाजारों को मध्यम अवधि में आपूर्ति की कमी का सामना करना पड़ सकता है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि केवल होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने से बाजार में तुरंत स्थिरता नहीं आएगी। इसकी कच्चे तेल के ट्रांसपोर्ट नेटवर्क में लॉजिस्टिक्स संबंधी चुनौतियां कई महीनों तक बनी रहने की संभावना है।

तेल की कीमतों में तेजी जारी

अमेरिका-ईरान संघर्ष जारी रहने से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी है। मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड करीब एक फीसदी बढ़कर 105 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर कारोबार कर रहा था। वहीं वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड एक फीसदी की मजबूती के साथ 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच गया है। यह उछाल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा वाशिंगटन के शांति प्रस्ताव पर ईरान की प्रतिक्रिया की आलोचना करने के बाद आया, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक तेल प्रवाह पर इसके प्रभाव को लेकर नई चिंताएं पैदा हुईं।

पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्षों के बीच पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि अगर कच्चे तेल की कीमतें इसी तरह ऊंची बनी रहीं, तो सरकारी तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के वित्त वर्ष 2026 के पूरे मुनाफे के खत्म होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण पैदा हुए ऊर्जा संकट ने भारतीय तेल कंपनियों पर भारी दबाव डाला है। उन्होंने बताया कि फिलहाल सरकारी तेल कंपनियों को हर दिन करीब 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है।

'विष्णु नहीं.. ब्रह्मा और महेश वाले सिद्धांत की जरूरत'

वरना पीछे रह जाएंगे; इस नामी बैंकर ने क्यों कही ये बात?

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। भारत के दिग्गज बैंकर और कोटक महिंद्रा बैंक के फाउंडर, उदय कोटक ने भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए एक धार्मिक तर्क दिया है। उन्होंने कहा कि भारत को अधिक सृजन और परिवर्तन को अपनाना होगा-जिसके प्रतीक ब्रह्मा और महेश हैं -और अत्यधिक संरक्षण, भगवान विष्णु से दूर रहना होगा। यदि भारत, तेजी से अनिश्चित और जनजातीय विश्व व्यवस्था में एक सही मायने में शक्तिशाली अर्थव्यवस्था के रूप में उभरना चाहता है तो ऐसा करना होगा।

सीआईआई ट्रेड समिट 2026 में बोलते हुए, उदय कोटक ने कहा कि कई लोग अब भी यह मानते हैं कि चल रहे भू-राजनीतिक और आर्थिक व्यवधानों के बावजूद दुनिया अंततः सामान्य स्थिति में लौट आएगी। उन्होंने कहा, जब भी कोई संकट आता है, हमारा मन कहता है कि सब कुछ सामान्य हो जाएगा। यही हमारी बुनियादी सोच है। उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि दुनिया के कुछ हिस्सों में संरचनात्मक बदलाव पहले से ही हो रहे हैं। उदय कोटक ने तर्क दिया कि दुनिया 1945 से पहले की आदिवासी

व्यवस्था की ओर लौट रही है, जो क्षेत्रीय नियंत्रण, संपत्ति के स्वामित्व और आर्थिक शक्ति के केंद्रीकरण पर आधारित थी। उन्होंने कहा, हम देख रहे हैं कि निरंकुश शक्ति ही जीवन का नियम बन रही है और यह आदिवासीवाद की ओर वापसी है। उन्होंने वैश्विक स्तर पर कुछ ही हाथों में केंद्रित होती संपत्तियों की ओर इशारा किया, जबकि होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास की बाधाओं सहित भू-राजनीतिक कमजोरियों ने आपूर्ति श्रृंखलाओं और ऊर्जा सुरक्षा की नाजुक स्थिति को उजागर किया। उदय कोटक के अनुसार, भारत को अत्यधिक आशावाद और निराशावाद के बीच झूलने के बजाय रणनीतिक रूप से प्रतिक्रिया देनी चाहिए। उन्होंने कहा, ₹हमें यथार्थवादी, रणनीतिक और समझदार होना होगा।

इन सरकारी कर्मचारियों के लिए आ गई गुड न्यूज

डीए बढ़कर हुआ 60%; अगले महीने से बढ़कर आएगी सैलरी?

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। पेट्रोल-डीजल और सोने-चांदी की खबरों के बीच सरकारी कर्मचारियों के लिए एक गुड न्यूज आई है। हालांकि, यह गुड न्यूज ग्रामीण डॉक सेवकों के लिए हैं। डाक विभाग ने 1 जनवरी, 2026 से ग्रामीण डाक सेवकों के लिए महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी की घोषणा की है। डीए को 2 फीसदी बढ़ाकर 60 फीसदी कर दिया गया है। डाक विभाग द्वारा 10 मई, 2026 को जारी एक आदेश के अनुसार, जीडीएस कर्मचारियों को अब उनके मूल 'टाइम रिलेटेड कंटिन्यूटी अलाउंस' का 60% डीए के रूप में मिलेगा। यह बढ़ोतरी केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशन भोगियों के लिए महंगाई की भरपाई हेतु डीए और डीआर में 2% की वृद्धि करने के केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्णय के बाद हुई है।डाक विभाग ने एक आदेश में कहा- ग्रामीण डाक सेवक भी 1 जनवरी, 2026 से बेसिक टीआरसीए पर महंगाई भत्ता (डीए) पाने के हकदार हो गए हैं, उसी दर पर जो केंद्र सरकार के कर्मचारियों पर लागू होती है। इसलिए, यह फैसला लिया गया है कि ग्रामीण डाक सेवकों को दिया जाने वाला डीए उसी दर पर होगा जो केंद्र सरकार के कर्मचारियों को दिया जाता है।

पैन कार्ड में कैसे बदलें मोबाइल नंबर?

देखें स्टेप बाय स्टेप प्रोसेस

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। पैन कार्ड आज एक जरूरी दस्तावेज बन गया है। इसके बिना पैसों से जुड़ा काम नहीं हो सकता। पैन कार्ड में सभी जरूरी जानकारी अपडेटड रहनी चाहिए। अगर नहीं है तो इसे भविष्य में इस्तेमाल करने में परेशानी आ सकती है। आज हम जानेंगे कि आप पैन कार्ड में मोबाइल नंबर कैसे बदल सकते हैं। आइए इसका तरीका जान लेते हैं।

पैन कार्ड में किसी भी बदलाव के लिए सबसे पहले (एनएसडीएल) या (यूटीआईआईटीएसएल) की वेबसाइट पर जाए। अब लॉगिन क्रेडेंशियल की मदद से लॉगिन कर लें। फिर यहां आपको परिवर्तन/सुधार पैन कार्ड वाला ऑप्शन

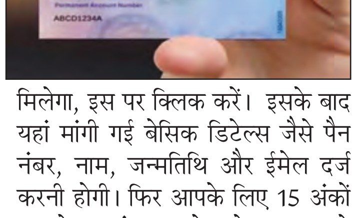

मिलेगा, इस पर क्लिक करें। इसके बाद यहां मांगी गई बेसिक डिटेल्स जैसे पैन नंबर, नाम, जन्मतिथि और ईमेल दर्ज करनी होगी। फिर आपके लिए 15 अंकों का टोकन नंबर जनरेट होगा। अब जो डिटेल्स आप पैन कार्ड में बदलना चाहते हैं, उसे सेलेक्ट कर लें। अगर आपसे डॉक्यूमेंट जैसे एड्रेस प्रूफ,जन्मतिथि का सबूत, फोटो इत्यादि मांगे जाते हैं इसे स्कैन या फोटो क्लिक कर अपलोड कर दें। अंत में आपको फीस भरकर इसे सबमिट करना होगा। लास्ट में पावती स्लिप डाउनलोड करना न भूलें। इस स्लिप से आप बाद में स्टेटस चेक कर सकते हैं। इस तरह से आप घर बैठे ही पैन कार्ड में बदलाव कर सकते हैं। आइए अब पैन कार्ड से जुड़ा एक महत्वपूर्ण नियम जान लेते हैं। फर्जी पैन कार्ड बनाने में का आती है परेशानी?क्योंकि पैसों से जुड़े हर काम के लिए पैन कार्ड की जरूरत होती है। इसलिए पैन कार्ड से जुड़ी हर जानकारी इनकम टैक्स के पास मौजूद होती है। अगर कोई व्यक्ति पैसों से जुड़ी धोखाधड़ी करने के लिए नकली पैन कार्ड बनाता है तो इनकम टैक्स सख्त से सख्त एक्शन ले सकता है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष बुधवार **13 May 2026**
तिथि - एकादशी **13-30** तक उपरान्त द्वादशी
नक्षत्र - उ.भाद्रपद **00-17** रात्रि तक उपरान्त रेवती
योग - विष्कुंभ **20-24** रात्रि तक उप प्रीति
करण - बालव **13-30** तक उप कौलव

विशेष: अपरा एकादशी व्रत पंचक मेला भद्रकाली कपूरथला

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष	में	मेष.....	04-11 बजे
चंद्र	मीन	में	वृष.....	05-56 बजे
मंगल	मेष	में	मिथुन..	07-56 बजे
बुध	मेष	में	कर्क.....	10-09 बजे
गुरु	मिथुन	में	सिंह.....	12-21 बजे
शुक्र	वृष	में	कन्या...	14-27 बजे
शनि	मीन	में	तुला.....	16-32 बजे
राहु	कुंभ		वृश्चिक..	18-43 बजे
केतु	सिंह	में	धनु.....	20-57 बजे
			मकर.....	23-02 बजे
			कुंभ.....	00-52 बजे
			मीन.....	02-31 बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावें व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 12-13 से 13-49 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05-49 - 07-23 शुभ	उत्पात	18-35 - 20-02 अशुभ
अमृत	07-25 - 08-59 शुभ	शुभ	20-02 - 21-26 शुभ
काल	08-59 - 10-36 अशुभ	अमृत	21-26 - 22-49 शुभ
शुभ	10-36 - 12-13 शुभ	चंचल	22-49 - 00-12 शुभ
रोग	12-13 - 13-49 अशुभ	रोग	00-12 - 01-36 अशुभ
उत्पात	13-49 - 15-26 अशुभ	काल	01-36 - 02-59 अशुभ
चंचल	15-26 - 17-02 शुभ	लाभ	02-59 - 04-23 शुभ
लाभ	17-02 - 18-35 शुभ	उत्पात	04-23 - 05-49 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आपकी कोई ऐसी निजी घटना है जो आपको रोके हुए है और आपकी तरक्की की राह में बाधा बन रही है । अगर आप खुद को गंभीर मुसीबतों से बचाना चाहते हैं तो इन मुद्दों को सुलझा लें । अपने रिश्तों की महत्ता समझने की कोशिश करें , अपने प्रयासों को रिश्तों की अहमियत देखकर ही निर्धारित करें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आज आपमें कुछ करने और दूसरों को प्रभावित करने की इच्छा बनी रहेगी । आप मजबूत और पक्के फैसले ले पायेंगे और ऐसा करना का आपका समय बिलकुल ठीक होगा । आप अपने पुराने कर्ज और अहसानों से भी मुक्त हो पायेंगे । आप अपनी शीघ्र विचार की क्षमता के कारण किसी की जरुरत के समय मदद कर पायेंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आज किसी अनियोजित रोमांचक यात्रा पर जाने की सम्भावना है । हो सकता है कि शहर में ही घूमना चाहें,लेकिन आपका विचार खूब मजे करने का है और ऐसा ही होगा भी। आप किसी करीबी के साथ हुए गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं । आपको पहले ही ऐसा करना चाहिए था,परन्तु आज सामने आने पर सब बातें साफ़ हो जायेंगी ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — बहुत से अच्छे मौके आपका इन्तजार कर रहे हैं लेकिन आपको उनके लिए पूरे तौर पर समर्पित कोशिशें करनी होंगी,जोकि इस समय आपके लिए कुछ मुश्किल लग रहा है । किसी ख़ास निजी समारोह के लिए इन मौकों को रोके रखना आपके लिए सही है । आप साधारणतया बहुत अच्छे हैं और इसीलिए आपके दोस्त आपसे लगाव रखते हैं ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आप आज किसी अपराजेय शक्तिपुंज के समान महसूस करेंगे और किसी भी विरोध पर आसानी से विजय हासिल कर लेंगे । आज का दिन उस काम को करने का बहुत अच्छा दिन है जो आप काफी समय से करने की कोशिश कर रहे थे क्योंकि आज आपको कोई नही रोक सकता । आज का दिन अपने सबसे महत्वपूर्ण काम करें,सफलता आपके कदम चूमेगी ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आज आप काल्पनिक से मूड में हैं । अलग अलग भूमिकाएं निभाने और कल्पनाओं में आपको बहुत मजा आता है । आप अपने लिए हर कहीं रोमांस ढूँढ लेते हैं । आपकी सपनों की एक दुनिया है जिसे आपको सच करने का मौका मिल सकता है । आप आज अपनी भावनाओं के वश में होकर संबंधों या करियर में कुछ असंभव सा हासिल करना चाहेंगे हालाँकि बड़े फैसले लेने के लिए यह समय ठीक नही है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आज आपको कुछ चौंकाने वाली बातें पता चलेंगी। लेकिन चिंता ना करें,सब अच्छी खबरें होंगी । जिन कई चीजों के लिए आप लम्बे समय से कोशिश कर रहे थे,वे आज पूरी होने वाली हैं । जिन कोशशों को आप अपनी और से व्यर्थ मान चुके थे,वे अंतत आज सफल होंगी । इसीलिए आज दोस्तों और परिजनों के साथ खुशियाँ मनाएं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — अपने सृजनात्मक विचारों को कार्यान्वित करने का यह बहुत अच्छा समय है । अपने विचारों को बड़ा रखें तथा किसी बोद्धिक या व्यवसायिक प्रशिक्षण में हिस्सा लें, इससे आपको औरो पर बढ़त हासिल होगी । हालाँकि ऐसा करते हुए आपको कुछ वित्तीय परेशानियां आ सकती हैं ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आज का दिन आपके लिए विशेष रूप से अच्छा है । आप अपना कुछ नया शुरू कर सकते हैं ,काफी समय लेने वाला अपना कोई अधूरा काम पूरा कर सकते हैं ,या कोई ऐसा काम जिसे आप लम्बे समय से टाल रहे हैं,को भी शुरू कर सकते हैं । आज शाम खेल और मौज मस्ती के नाम रहेगी । अपने नए-पुराने दोस्तों के साथ समय बितायें और मजे करें । खरीदारी में विशेष आनंद आएगा ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आज का दिन संकेत दे रहा है कि आज आप खूब आनंद उठाएंगे,लेकिन बेहतर यही होगा कि सुबह कुछ समय निकालकर अपने कल के शेष कार्यों को पूरा कर लें । अपने कार्यकर्म की योजना अपने परिजनों के कार्यक्रम के अनुसार ही बनाएं ताकि बाद में कोई ग़लतफ़हमी या समस्या ना आये ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आपकी एकाग्रता और विचारशक्ति इस समय अपने चरम पर है और इसीलिए आप अपने आसपास के लोगों की स्थिति के बारे में और भी संवेदनशील हैं । इससे आपको पिछले कुछ मतभेद सुलझाने में मदद मिलेगी । आप किसी ऐसे व्यक्ति के सम्पर्क में आ सकते हैं जिससे आप काफी पहले अलग हो गए थे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आपको आज कोई अप्रत्याशित अनुभव हो सकता है । ऐसा नही है कि आप इससे परेशान ही होंगे लेकिन इससे आपके मन में हलचल जरूर मच जायेगी । इससे आपके दृष्टिकोण में ख़ासा बदलाव भी आ सकता है । अपनी भावनाओं को व्यक्त करने न घबराएं लेकिन यह समय अपने स्थान पर दूसरों की भावनात्मक मांगों को प्राथमिकता देने के लिए अधिक उपयुक्त है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

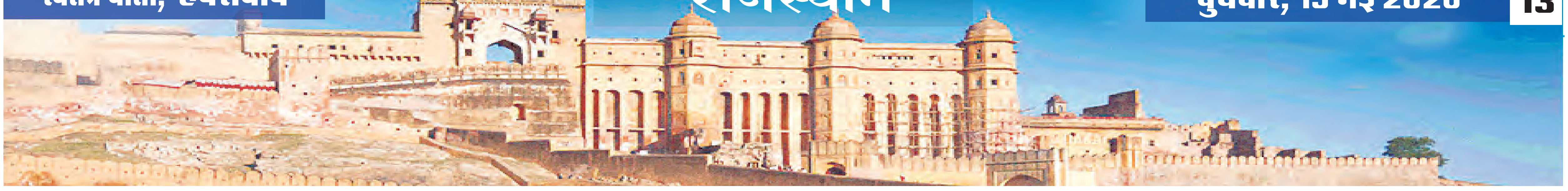

नीट पेपर रद्द होने पर बोले मंत्री किरोड़ी लाल मीणा

'सिस्टम में कचरा नहीं आने देंगे!'

जयपुर, 12 मई (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने नीट-यूजी 2026 परीक्षा रद्द होने के फैसले को 'ईमानदार युवाओं की जीत' बताया है। अपने बेबाक अंदाज में मीणा ने कहा कि अगर यह परीक्षा रद्द नहीं की जाती, तो देश के मेडिकल सिस्टम में 'कचरा' भर जाता। उन्होंने साफ़ किया कि फर्जी तरीके से डॉक्टर बनने वाले लोग आम जनता की जान के लिए बड़ा खतरा साबित होते, इसलिए सरकार ने कड़ा लेकिन जरूरी फैसला लिया है।

किरोड़ी लाल मीणा ने खुलासा किया कि राजस्थान एसओजी की शुरुआती जांच में बेहद चौंकाने वाले तथ्य सामने आए थे।

सवाल हुए मैचः जांच में पाया गया कि लीक हुए पेपर के 320 में से 120 सवाल हूबहू असली प्रश्न पत्र से मेल खा रहे थे।

त्वरित एक्शनः जैसे ही यह तथ्य सामने आए, सरकार ने बिना किसी देरी के परीक्षा रद्द करने की सिफारिश की और मामले को सीबीआई को सौंप दिया।

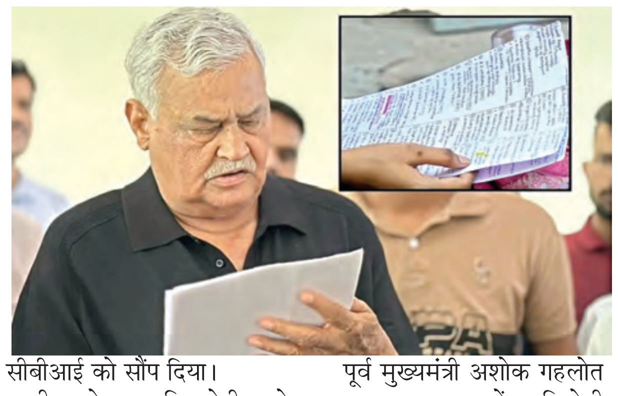

मीणा ने कहा कि दोषी चाहे केरल का हो या सीकर का, उसे पाताल से भी ढूँढ निकाला जाएगा। मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने छात्रों से अपील करते हुए कहा कि उन्हें किसी आंदोलन की जरूरत नहीं है, क्योंकि सरकार खुद उनके साथ खड़ी है।

मीणा ने कहा ₹पिछली सरकारों में युवाओं को सड़कों पर उतरना पड़ता था, लाठियां खानी पड़ती थीं। लेकिन इस बार सरकार ने खुद सजगता दिखाई और 22 लाख बच्चों के भविष्य को बर्बाद होने से बचा लिया।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा उठाए गए सवालों पर किरोड़ी लाल मीणा ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल को 'पेपर लीक का दौर' बताया।

पुराना हिसाबः मीणा ने दावा किया कि गहलोत राज में 18 में से 17 भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हुए थे।

निजी अनुभवः उन्होंने याद दिलाया कि एक बार एफआईआर दर्ज कराने के लिए उन्हें खुद कई दिनों तक थाने में बैठना पड़ा था, लेकिन कार्रवाई के बजाय उन्हें ही हिरासत में ले लिया गया था।

आंकलन की सलाहः मीणा ने कहा कि गहलोत को वर्तमान सरकार पर सवाल उठाने से पहले अपने कार्यकाल के काले पन्नों को देख लेना चाहिए।

डॉ. मीणा ने देशभर के उन लाखों युवाओं से धैर्य रखने की अपील की है जिन्होंने दिन-रात मेहनत की थी। उन्होंने माना कि बच्चों के परिश्रम पर पानी फिर गया है, लेकिन सिस्टम में 'फर्जी एंट्री' को रोकना इससे कहीं ज्यादा जरूरी था। अब सीबीआई जांच के जरिए उन बड़े मगरमच्छों को पकड़ा जाएगा जो सालों से युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

यह राजस्थान की सजगता ही है कि राष्ट्रीय स्तर की इतनी बड़ी परीक्षा में हुई धांधली का सिरा यहाँ से पकड़ा गया। किरोड़ी लाल मीणा ने स्पष्ट किया कि अब राजस्थान में या देश में कहीं भी फर्जी तरीके से नियुक्तियां नहीं होने दी जाएंगी। माफिया कितना भी सक्रिय हो, कानून के हाथ उन तक पहुँच कर रहेंगे।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेशः सरकार शिक्षा व्यवस्था में राजस्थानी भाषा लागू करने की नीति बनाए

जयपुर, 12 मई (एजेंसियां)। राजस्थानी भाषा के संरक्षण और संवर्धन से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को बड़ा निर्देश दिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने आज पदम मेहता एवं अन्य बनाम राजस्थान राज्य एवं अन्य मामले में फैसला सुनाते हुए राज्य सरकार को शिक्षा व्यवस्था में राजस्थानी भाषा को शामिल करने के लिए ठोस नीति तैयार करने का निर्देश दिया। इस मामले की सुनवाई जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की खंडपीठ ने की।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि राजस्थानी भाषा का ऐतिहासिक, साहित्यिक और सांस्कृतिक महत्व अत्यंत समृद्ध है। अदालत ने यह भी माना कि राजस्थानी भाषा को कई विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में पहले से मान्यता प्राप्त है। इसके साथ ही कोर्ट ने राजस्थान सरकार को निर्देश दिया कि वह प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा सहित पूरे शैक्षणिक

ढांचे में राजस्थानी भाषा को शामिल करने के लिए उपयुक्त नीति तैयार करे। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देशों के अनुपालन की रिपोर्ट 30 सितंबर 2026 तक पेश करने को कहा है। यह मामला पदम मेहता और एक अन्य याचिकाकर्ता द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका से जुड़ा था। याचिका में राजस्थानी भाषा को शिक्षा व्यवस्था और राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा में शामिल करने की मांग की गई थी।

याचिकाकर्ताओं ने संविधान के अनुच्छेद 350-ए, बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 29(2)(एफ) और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का हवाला देते हुए कहा कि बच्चों को यथासंभव उनकी मातृभाषा में शिक्षा मिलनी चाहिए।

याचिकाकर्ताओं ने अदालत के सामने तर्क दिया कि करोड़ों लोग राजस्थानी भाषा बोलते हैं और इसकी समृद्ध साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विरासत है, बावजूद इसके इसे REET परीक्षा या शिक्षण माध्यम में शामिल नहीं किया गया, जबकि अन्य क्षेत्रीय भाषाओं को मान्यता दी गई है।

उन्होंने यह भी बताया कि राजस्थान विधानसभा ने 25 अगस्त 2003 को ही एक प्रस्ताव पारित कर राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की सिफारिश की थी। पदम मेहता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनीष सिंघवी ने पक्ष रखा।

राजस्थान सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि यह विषय राज्य सरकार के नीतिगत निर्णय से जुड़ा है और सरकार उचित समय पर सिद्धांततः इस पर निर्णय लेगी। राज्य सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि उसने कभी यह नहीं कहा कि शिक्षा प्रणाली में राजस्थानी भाषा को शामिल करना गलत या अस्वीकार्य है।

सरकार ने अपने जवाब में बताया कि वर्तमान में राजस्थानी भाषा प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों के स्वीकृत पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं है, इसलिए इसे रीट में शामिल नहीं किया गया। हालांकि, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत मातृभाषा आधारित शिक्षा और बहुभाषीय शिक्षण से संबंधित प्रावधानों को लागू करने के लिए विभिन्न टास्क फोर्स पहले ही गठित की जा चुकी हैं।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को चरणबद्ध तरीके से लागू करने की प्रक्रिया जारी है और क्षेत्रीय भाषाओं तथा मातृभाषा में शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर विचार किया जा रहा है।

हेल्पलाइन पर शिकायत सुनते ही एक्शन मोड में आए समित शर्मा!

फसली ऋण घोटाले में व्यवस्थापक तुरंत निलंबित

जयपुर, 12 मई (एजेंसियां)। सहकारिता विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर विभाग से जुड़ी शिकायतों और प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने हेल्पलाइन के माध्यम से परिवादियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।

शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

निरीक्षण के दौरान डॉ. शर्मा ने कहा कि सहकारिता विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक प्रभावी रूप से पहुंचाने के लिए शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण जरूरी है। उन्होंने

अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों के समाधान में केवल औपचारिक जवाब न देकर व्यवहारिक समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन का सहकारिता तंत्र पर विश्वास और मजबूत हो सके।

फसली ऋण अनियमितता पर व्यवस्थापक निलंबित

संवाद के दौरान अलवर जिले के एक परिवादी ने महाराजावास ग्राम सेवा सहकारी समिति के व्यवस्थापक पर फसली ऋण की स्वीकृत राशि में अनियमितता का आरोप लगाया। परिवादी ने बताया कि हर वर्ष 40 हजार रुपये जमा कराने के बावजूद इस बार 51 हजार 460 रुपये जमा करवाए गए, जबकि जून 2025 की 11 हजार रुपये की राशि का भुगतान नहीं किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए शासन सचिव ने संबंधित पैक्स व्यवस्थापक, केंद्रीय सहकारी बैंक अलवर और अपेक्स बैंक के अधिकारियों को कॉन्फ्रेंस कॉल पर जोड़कर जानकारी ली। शिकायत सही पाए जाने पर व्यवस्थापक अभय यादव को निलंबित करने और राजस्थान सहकारी अधिनियम की धारा 55 के तहत जांच के निर्देश दिए गए। साथ ही सात दिन में रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया।

कांग्रेस को लगा बड़ा झटका, 4 सरपंचों समेत दर्जनों नेता बीजेपी में शामिल

उदयपुर, 12 मई (एजेंसियां)। उदयपुर के गोगुंदा विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। भाजपा की 'चौपाल ग्राम रथ योजना' के दौरान क्षेत्र के 4 सरपंचों सहित 51 प्रमुख कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पार्टी का साथ छोड़कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली।

बता दें कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने सभी को पार्टी का दुपट्टा पहनाकर संगठन में स्वागत किया। मदन राठौड़ के गोगुंदा पहुंचने पर रावलिया कला स्थित ऋषि राय धाम में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया।

भाजपा देहात जिलाध्यक्ष पुष्कर तेली के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ उनका स्वागत किया। इस दौरान ढोल-नगाड़ों की थाप पर आतिशबाजी हुई और जेसीबी से पुष्प वर्षा कर माहौल को उत्सव जैसा बना दिया गया।

कांग्रेस का दामन छोड़ भाजपा में शामिल होने वालों में गोगुंदा और सायरा पंचायत समिति के प्रभावशाली नाम शामिल हैं। वालाराम गमेतीः सायरा सरपंच संघ अध्यक्ष, सुरमा राम गरासियाः सायरा सरपंच, टमु बाईः करदा सरपंच और वनाराम गमेतीः सीमांद सरपंच और वार्ड पंच। इनके अलावा सिंघाड़ा से फूलाराम, सेमड़ से वनाराम और सामल के प्रकाश गमेती सहित सायरा और गोगुंदा क्षेत्र के कुल 51 लोगों ने भाजपा की रीति-नीति में विश्वास जताते हुए सदस्यता ली। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के जनजाति मंत्री बाबूलाल खराड़ी, उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत और गोगुंदा विधायक प्रताप लाल गमेती विशेष रूप से उपस्थित रहे। इनके साथ ही प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, पूर्व विधायक रणधीर सिंह भींडर और प्रदेश मंत्री मोतीलाल मीणा जैसे वरिष्ठ नेताओं ने भी कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को चेक भी वितरित किए गए।

मदन राठौड़ के इस प्रवास के दौरान नानालाल राठौड़ के नेतृत्व में जैन समाज के लोगों ने भी उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम के बाद, प्रदेशाध्यक्ष वरिष्ठ भाजपा नेता चंद्रगुप्त सिंह चौहान के निवास पर पहुंचे और उनके स्वास्थ्य की कुशलक्षेम पूछी। इस दौरान शहर और देहात भाजपा के कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

चुनावों से पहले या संगठन विस्तार की दृष्टि से इसे भाजपा की बड़ी सफलता माना जा रहा है। गोगुंदा और सायरा क्षेत्र में इतने प्रभावशाली सरपंचों का एक साथ पार्टी बदलना आगामी स्थानीय राजनीति के समीकरणों को बदल सकता है।

मदन राठौड़ उदयपुर के ऋषभदेव पंचायत समिति के कानूवाडा में ग्राम रथ अभियान और जनसुनवाई में पहुंचे। जेसीबी से फूल बरसाकर उनका स्वागत किया गया। उन्होंने कहा, राजस्थान में भाजपा की सरकार ने नए आयाम स्थापित किए हैं। कांग्रेस सरकार में तो सिर्फ भ्रष्टाचार ही हुआ।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का ग्राम रथ चलाने का यही उद्देश्य है कि जो व्यक्ति योजना से वंचित है, उन्हें जानकारी मिले और इसका पूरा लाभ उठा सके। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस के राज में सिर्फ भ्रष्टाचार और घोटाले हुए। वही हमने काम कर दिखाया। सुशासन करना बताया। किसानों के लिए एमएसपी बनाई, जिससे उन्हें राहत मिली। अब किसानों का माल खरीदना सरकार की जिम्मेदारी हो गई। वही उन्हें उचित दम भी मिलने लगे।

वहीं, डबल इंजन की सरकार के सवाल पर वे बोले कि प्रधानमंत्री भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में लाने को अग्रसर हैं। हालांकि, इसके लिए आम लोगों को भी जागरूक होना पड़ेगा। सीएम की ग्राम रथ यात्रा भी इस उद्देश्य के तहत निकाली जा रही है।

पेट्रोल पंप बना आग का गोला!

बाइक में स्पार्किंग से मची तबाही

12 झुलसे और 15 गाड़ियां राख

राजगढ़, 12 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के पचोर कस्बे में बड़ा हादसा हो गया। बीच बाजार स्थित मैसर्स चुन्नीलाल मुन्नीलाल एंड संस भारत पेट्रोलियम पंप पर अचानक भीषण आग लग गई। पेट्रोल भरवाने आई एक बाइक में स्पार्किंग होने के बाद आग भड़क उठी और देखते ही देखते पूरे पेट्रोल पंप परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में 12 लोग झुलस गए, जबकि 15 मोटरसाइकिलें जलकर राख हो गईं। घटना रात करीब साढ़े आठ बजे की बताई जा रही है। उस समय पेट्रोल पंप पर वाहनों की लंबी कतार लगी हुई थी। इसी दौरान एक बाइक में पेट्रोल भरते समय अचानक चिंगारी निकली और बाइक आग का गोला बन गई। घबराया बाइक सवार जलती बाइक को वहीं छोड़कर भाग निकला। कुछ ही सेकंड में आग ने डिस्पेंसिंग यूनिट और पास खड़े डीजल टैंकर को भी अपनी चपेट में ले लिया।

बॉर्डर पर ड्रोन से हथियार तस्करी का बड़ा खुलासा

पंजाब जेल में बंद तस्कर ने पाक से मंगवाई थी खेप

बीकानेर, 12 मई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान सीमा से लगे राजस्थान के खाजूवाला बॉर्डर पर ड्रोन के जरिए हथियार तस्करी का बड़ा मामला सामने आया है। जांच में खुलासा हुआ है कि पंजाब की फरीदकोट जेल में बंद कुख्यात तस्कर ने पाकिस्तान से संपर्क कर हथियारों की खेप मंगवाई थी। इस मामले ने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया है।

जेल से चल रहा था तस्करी का नेटवर्क

पुलिस जांच में सामने आया है कि पंजाब की फरीदकोट जेल में बंद तस्कर सुवविंद्र रायसिख उर्फ सोनू ने पाकिस्तान स्थित तस्करों से संपर्क स्थापित किया था। वहीं से ड्रोन के जरिए हथियारों की खेप भारत सीमा में भेजने की योजना बनाई गई थी। बीकानेर पुलिस ने आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर जेल से गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है।

पुलिस रिमांड पर आरोपी

बीकानेर पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया जहां से उसे सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सुरक्षा और गुप्तचर एजेंसियां संयुक्त रूप से पूछताछ कर रही हैं। जांच अधिकारी आईपीएस सीओ सदर अनुष्ठा कालिया के नेतृत्व में पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है।

पुलिस अब उस स्थानीय नेटवर्क की तलाश कर रही है जो पाकिस्तान से आए हथियारों की खेप को रिसीव करने वाला था। अधिकारियों के अनुसार इस पूरे रैकेट में कई स्थानीय लोग भी शामिल हो सकते हैं। उनकी पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

एसओजी की बड़ी कार्रवाईः मेवाड़ यूनिवर्सिटी फर्जी डिग्री रैकेट का मास्टरमाइंड गिरफ्तार, 6 महीने से था फरार

अजमेर, 12 मई (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ जिले की मेवाड़ यूनिवर्सिटी के नाम से फर्जी डिग्री और अंकतालिकाएं तैयार करने के मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप को एक और सफलता मिली है। एसओजी ने मामले के मुख्य आरोपी वीरेंद्र सिंह को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से गिरफ्तार किया है। उसे न्यायालय में पेश किया।

अदालत ने आरोपी से पड़ताल के लिए 14 मई तक पुलिस रिमांड पर सौंपा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एसओजी) श्याम सुंदर बिश्नोई ने मेवाड़ यूनिवर्सिटी के नाम से फर्जी डिग्री और अंक तालिकाएं बनाने के मामले में कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी वीरेंद्र सिंह को उत्तर प्रदेश गाजियाबाद से गिरफ्तार किया है।

एसओजी को आरोपी वीरेंद्र सिंह की पिछले 6 माह से तलाश थी। वह गिरफ्तारी से बचने के लिए अपना मोबाइल फोन स्विच ऑफ करके

फरारी काट रहा था। एसओजी की टीम लंबे समय से उसकी लोकेशन और गतिविधियों पर नजर बनाए हुए थी। तकनीकी सूचना के आधार पर 10 मई को आखिर टीम ने उसको दबोच लिया। एसओजी अधिकारियों को आरोपी से पूछताछ में फर्जी डिग्री रैकेट से जुड़े कई महत्वपूर्ण खुलासे होने की संभावना है।

जांच एजेंसी अब यह खंगाल रही है कि फर्जी दस्तावेज तैयार करने में किन तकनीकी संसाधनों और लोगों की मदद ली गई। अब तक कितने अभ्यर्थियों को नकली प्रमाण पत्र उपलब्ध कराए गए।

पड़ताल में सामने आया कि आरोपी मेवाड़ यूनिवर्सिटी, गंगरार (चित्तौड़गढ़) के नाम से फर्जी डिग्री व अंकतालिकाएं तैयार करने के नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरोह का नेटवर्क राजस्थान के अलावा दिल्ली एनसीआर सहित अन्य राज्यों तक फैला हुआ है। एसओजी अब यह पता लगाने में जुटी है कि फर्जी दस्तावेज किन-किन लोगों को उपलब्ध कराए गए और इस रैकेट में कितने लोग शामिल हैं। एएसपी विश्नोई ने आरोपी वीरेंद्र को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश संख्या-एक डॉ. रेणु श्रीवास्तव की कोर्ट में पेश किया। एसओजी की ओर से पैरवी कर रहे विशिष्ट लोक अभियोजक शशि प्रकाश इंदौरिया ने न्यायालय को बताया कि आरोपी से यूपी गाजियाबाद, दिल्ली व अन्य स्थान पर अनुसंधान एवं पूछताछ की जानी है।

हाईकोर्ट में चोरी-छिपे रिकॉर्ड हो रही थी सुनवाई!

जज की नजर पड़ते ही मचा हड़कंप, ड्राइवर पर बड़ा एक्शन

जयपुर, 12 मई (एजेंसियां)। राजस्थान हाई कोर्ट की जयपुर पीठ ने अदालत की कार्यवाही की मोबाइल से रिकॉर्डिंग किए जाने के मामले को बेहद गंभीर मानते हुए सख्त रुख अपनाया है। जस्टिस अनूप कुमार की अदालत ने कोर्ट रूम में बिना अनुमति रिकॉर्डिंग करने को न्यायालय की अवमानना मानते हुए याचिकाकर्ता और उसके ड्राइवर के खिलाफ अवमानना कार्रवाई शुरू करने तथा पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

मामला एस.बी. क्रिमिनल मिसलेनियस पिटीशन संख्या 2479/2022 सहित अन्य संबंधित याचिकाओं की सुनवाई से जुड़ा हुआ है। सुनवाई के दौरान अदालत की नजर एक व्यक्ति पर पड़ी, जो खड़े होकर अपने मोबाइल फोन से कार्यवाही रिकॉर्ड कर रहा था। कोर्ट के संज्ञान में आने के बाद उसने रिकॉर्डिंग डिलीट करने का प्रयास भी किया।

पूछताछ में उस व्यक्ति ने अपना नाम अनिल सुमन बताया। उसने अदालत को जानकारी दी कि वह याचिकाकर्ता कमल राठौड़ का ड्राइवर है और उनके मामले की कार्यवाही रिकॉर्ड कर रहा था। इस घटनाक्रम को अदालत ने न्याय प्रशासन में सीधा हस्तक्षेप माना।

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि प्रथम दृष्टया यह आपराधिक अवमानना का मामला बनता है। अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के चर्चित "अरुंधति रॉय बनाम इन रे" फैसले का उल्लेख करते हुए कहा कि न्यायपालिका की गरिमा और न्याय व्यवस्था में जनता का विश्वास बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। अदालत ने टिप्पणी की कि यदि इस प्रकार की घटनाओं पर समय रहते रोक नहीं लगाई गई तो न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता और विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है। अदालत ने राजस्थान हाईकोर्ट वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग नियम, 2020 के नियम 3(vi) का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि किसी भी व्यक्ति द्वारा अदालत की कार्यवाही की अनधिकृत रिकॉर्डिंग पूरी तरह प्रतिबंधित है।

कोर्ट ने याचिकाकर्ता कमल राठौड़ और ड्राइवर अनिल सुमन दोनों को नोटिस जारी कर पूछा है कि उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई क्यों न शुरू की जाए। साथ ही रजिस्ट्रार (न्यायिक) को अनिल सुमन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने, उसका मोबाइल फोन जब्त कर सुरक्षित रखने और अशोक नगर पुलिस स्टेशन को आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

नेपाल से जुड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़

1 करोड़ की चरस के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

अजमेर, 12 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर जिले में एटीएस और सिविल लाइन थाना पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल की है। अंतरराष्ट्रीय सीमा पार से हो रही नशीले पदार्थों की सप्लाई चेन को तोड़ते हुए पुलिस ने दो नेपाली तस्करों को दबोचा है। इनके कब्जे से बरामद चरस की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब एक करोड़ रुपये आंकी जा रही है।

जानकारी के अनुसार, राजस्थान एटीएस को काफी समय से इन अंतरराष्ट्रीय तस्करों की मूवमेंट की गोपनीय सूचना मिल रही थी। पुख्ता इनपुट मिलने के बाद एटीएस ने सिविल लाइन थाना पुलिस के साथ मिलकर एमडीएस तिराहे पर विशेष नाकाबंदी की। इसी दौरान दो संदिग्ध युवक पुलिस के हत्थे चढ़े। तलाशी लेने पर उनके पास से भारी मात्रा में उच्च गुणवत्ता वाली अवैध चरस बरामद हुई, जिसे देखकर अधिकारी भी हैरान रह गए। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों की पहचान नेपाल निवासी खेमा कुमार और अजय राणा के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में यह बात साफ हो गई है कि ये दोनों किसी मामूली गिरोह का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट के लिए काम कर रहे हैं। ये तस्कर नेपाल से मादक पदार्थों की खेप लेकर राजस्थान के अलग-अलग हिस्सों में सप्लाई करने की फिराक में थे। एडिशनल एसपी सिटी हिंमाशु जांगिड़ ने इस कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

पुलिस का मानना है कि खेमा कुमार और अजय राणा से पूछताछ के बाद राजस्थान में सक्रिय नशीले पदार्थों के काले कारोबार से जुड़े कई सफेदपोश चेहरे बेनकाब हो सकते हैं। फिलहाल, दोनों तस्कर पुलिस की रिमांड पर हैं और एटीएस की टीमें उनके डिजिटल फुटप्रिंट्स और मोबाइल कॉल रिकॉर्ड्स को भी खंगाल रही हैं ताकि इस अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की जड़ तक पहुंचा जा सके। अजमेर जैसे पर्यटन और धार्मिक महत्व वाले शहर में इतनी बड़ी मात्रा में चरस की बरामदगी ने सुरक्षा एजेंसियों को भी सतर्क कर दिया है।

47.3 डिग्री, देश का सबसे गर्म शहर बाड़मेर, कई शहरों में हीटवेव का अलर्ट

जयपुर, 12 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में सूरज अब आग उगलने लगा है। प्रदेश की गर्मी ने सारे पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। सरहदी जिले बाड़मेर में कुदरत का ऐसा रौद्र रूप दिखा कि पारा 47.3°C जा पहुंचा। यह न केवल राजस्थान, बल्कि पूरे देश का सबसे गर्म शहर रिकॉर्ड किया गया। रेगिस्तान इस वक्त किसी दहकती हुई भट्टी की तरह तप रहा है, जहां दोपहर तो दूर, रातें भी लोगों को झुलसा रही हैं। हैरानी की बात यह है कि बाड़मेर में केवल दिन ही नहीं, बल्कि रातें भी रिकॉर्ड तोड़ रही हैं। यहां का न्यूनतम तापमान 32.3°C दर्ज किया गया है, जो कि उत्तर भारत के हिल स्टेशंस (शिमला और मनाली) के दिन के अधिकतम तापमान से भी कहीं ज्यादा है। सुबह 8 बजते ही लू के

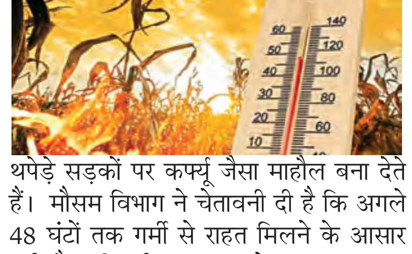

थपेड़े सड़कों पर कर्फ्यू जैसा माहौल बना देते हैं। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले 48 घंटों तक गर्मी से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। पश्चिमी राजस्थान के 9 प्रमुख शहर भीषण हीटवेव (लू) की चपेट में रहेंगे।

ऑरेंज अलर्टः जैसलमेर, बाड़मेर, और जोधपुर। (यहाँ पारा 45° से 47° के बीच रहने की आशंका है)। राजस्थान में इस वक्त मौसम के दो अलग मिजाज देखने को मिल रहे हैं। एक तरफ जहां पश्चिमी राजस्थान हीटवेव से झुलस रहा है, वहीं उत्तरी और पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में आंधी और बारिश ने पारे को गिरने पर मजबूर किया है।

बारिश का अलर्टः सीकर, झुंझुनूं, जयपुर, अलवर, दौसा और भरतपुर संभाग में आंधी के साथ हल्की बूंदाबांदी का यलो अलर्ट जारी किया गया है। राजधानी का हालः जयपुर में भी तपिश बढ़ी है। यहाँ पारा 0.7 डिग्री की बढ़त के साथ 39.9 पहुंच गया है। अगले दो दिनों में तापमान में 2 से 3 डिग्री की और बढ़ोतरी होने की संभावना है। मौसम विभाग ने दोपहर 12 से 4 बजे के बीच बेवजह घर से बाहर न निकलने और ज्यादा से ज्यादा तरल पदार्थों का सेवन करने की सलाह दी है।

ड्यूटी पर तैनात सरकारी कर्मचारी पर हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल पुलिस स्टेशन क्षेत्र में ट्रैफिक ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारी पर हमला कर सरकारी कार्य में बाधा डालने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार यह मामला क्राइम नंबर 169/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 121(2) के अंतर्गत दर्ज किया गया है। घटना का विवरण देते हुए बताया गया कि 11 मई 2026 की रात लगभग 8:10 बजे पीड़ित ट्रैफिक पुलिस अधिकारी लेबर अड्डा के पास अपनी ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान आरोपी वेद प्रकाश मित्तल अपने पुत्र के साथ होंडा एक्टिवा पर वहां पहुंचा।

ट्रैफिक रोकने के मुद्दे पर आरोपी ने पुलिस अधिकारी से बहस की और अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए उनके चेहरे एवं शरीर पर मुक्कों से हमला किया। इसके अलावा, आरोपी ने अपने पास मौजूद 5 लीटर के पानी के कैन से भी अधिकारी पर वार कर उन्हें चोट पहुंचाई। पुलिस के अनुसार, घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद अन्य अधिकारियों और स्थानीय लोगों की मदद से आरोपी वेद प्रकाश को हिरासत में ले लिया गया। उसका पुत्र (नाबालिग) मौके से फरार हो गया था, जिसे बाद में पुलिस ने जांच के दौरान पकड़ लिया। मुख्य आरोपी को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर भेजा गया है, जबकि नाबालिग को नियमों के अनुसार जिला प्रोबेशन अधिकारी (डीपीओ) के समक्ष प्रस्तुत किया गया। हैदराबाद सिटी पुलिस ने चेतावनी दी है कि सरकारी कर्मचारियों के साथ ड्यूटी के दौरान दुर्व्यवहार, हमला या बाधा डालना गंभीर अपराध है और ऐसे मामलों में कठोर कार्रवाई की जाएगी। गोलकोंडा जोन के डीसीपी जी. चंद्र मोहन ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों की सुरक्षा के लिए पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

बीआर अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ.बी.आर. अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी में एजुकेशन वीक के तहत मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह सप्ताह 11 मई से 17 मई तक नवाचार, समावेशन, संस्थागत उत्कृष्टता और आउटरीच थीम पर मनाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण विषय पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. श्रीकृष्ण ने मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि मानसिक स्वास्थ्य मानव अधिकारों और सामाजिक-आर्थिक प्रगति की नींव है। उन्होंने भावनात्मक मजबूती, आत्मविश्वास, जीवन का उद्देश्य और व्यक्तिगत विकास के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी कहा कि पर्याप्त नींद, पौष्टिक आहार और नियमित शारीरिक व्यायाम मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य समस्याओं की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो.जी. पुष्पा चक्रपाणि ने की। इस अवसर पर सामाजिक विज्ञान संकाय की डीन प्रो. पल्लवी कबड़े, ओएसडी टू वाइस चांसलर प्रो. रविंद्रनाथ सोलोमन, प्रो.आई. आनंद पवार, प्रो.पी. वेंकट रमना तथा एनटीईए अध्यक्ष प्रेम कुमार सहित कई अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी और छात्र उपस्थित रहे।

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए एक माह का निःशुल्क कोचिंग कार्यक्रम संपन्न

कुमराम भीम आसिफाबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कागजनगर कस्बे के सभागीय संसाधन केंद्र (डीआरसी) परिसर में तेलंगाना पॉलिटेक्निक कॉमन एंट्रेंस टेस्ट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आयोजित एक माह का निःशुल्क कोचिंग कार्यक्रम मंगलवार को संपन्न हो गया। कार्यक्रम का संचालन जिला विज्ञान अधिकारी कटकम मधुकर के निर्देशन में किया गया। कटकम मधुकर ने बताया कि कोचिंग कार्यक्रम 15 अप्रैल से शुरू होकर 12 मई तक चला। इस दौरान विषय विशेषज्ञों और सरकारी शिक्षकों ने करीब 150 छात्रों को विभिन्न विषयों की तैयारी कराई। कार्यक्रम में जिले के अलग-अलग हिस्सों से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के कक्षा 10 के छात्र शामिल हुए।

उन्होंने बताया कि सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक चलने वाली इस कोचिंग में छात्रों को टीजी पॉलिसेट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई गई। मधुकर, शब्बीर, मोहन, श्यामसुंदर, त्रिवेनी और शांति कुमारी सहित कई शिक्षकों ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को निजी कॉलेजों की ओर से नाश्ता और कोनेरू ट्रस्ट की ओर से दलिया उपलब्ध कराया गया। मधुकर ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में 400 से अधिक छात्र इस कोचिंग कार्यक्रम का लाभ उठा चुके हैं, जिनमें से करीब 350 छात्र विभिन्न आवासीय विद्यालयों और अन्य परीक्षाओं में सफल हुए हैं। छात्रों ने इस पहल के लिए शिक्षकों और मंडल शिक्षा अधिकारी वसाला प्रभाकर का आभार व्यक्त किया।

डीवीएसआर मूर्ति ने तेलंगाना के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल का पद संभाला

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय डाक सेवा (आईपीओएस) के 1998 बैच के अधिकारी डीवीएसआर मूर्ति ने मंगलवार को तेलंगाना सर्किल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। डीवीएसआर मूर्ति आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले के निवासी हैं और उन्होंने विशाखापट्टनम स्थित गीतम इंजीनियरिंग कॉलेज से कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। उन्होंने वर्ष 1998 में भारतीय डाक सेवा अधिकारी के रूप में डाक विभाग में अपनी सेवा शुरू की थी।

अपने शुरुआती कार्यकाल में उन्होंने एसएसआरएम और एयर मेल सॉर्टिंग, मुंबई सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। बाद में संयुक्त प्रशासनिक ग्रेड अधिकारी के रूप में उन्होंने चेन्नई और विजयवाड़ा क्षेत्रों में डाक सेवाओं का संचालन संभाला। डीवीएसआर मूर्ति को बाद में उच्च प्रशासनिक ग्रेड में पदोन्नत किया गया। तेलंगाना में नियुक्ति से पहले वह जम्मू-कश्मीर डाक सर्किल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल के पद पर कार्यरत थे।

पाइपलाइन मरम्मत कार्य से कई इलाकों में पेयजल आपूर्ति प्रभावित

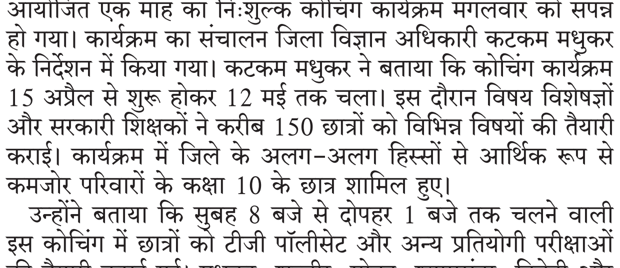

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद को पेयजल आपूर्ति करने वाली सिंगूर परियोजना की मुख्य पाइपलाइन में रिसाव के कारण शहर के कई इलाकों में पानी की आपूर्ति प्रभावित रहेगी। हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएसएसबी) द्वारा पाइपलाइन की आपातकालीन मरम्मत का कार्य किया जा रहा है। जल बोर्ड की ओर से मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सिंगूर और खानपुर के बीच 1,200 मिमी व्यास वाली मुख्य ग्रेविटी पाइपलाइन में रिसाव को रोकने के लिए मरम्मत कार्य चल रहा है। इसके चलते कई क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति बाधित रहेगी।

प्रभावित क्षेत्रों में गंडीपेट, कोकापेट, नरसिंगी, मंचिरेवुला, पुप्पालगुडा, खानापुर, मणिकोंडा तथा शेकपेट और भोजगुट्टा जलाशय कमांड क्षेत्र के कुछ हिस्से शामिल हैं। एचएमडब्ल्यूएसएसबी के प्रबंध निदेशक अशोक रेड्डी ने अधिकारियों को समन्वय के साथ काम करने और प्रभावित इलाकों में टैंकरों के जरिए पानी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। जल बोर्ड ने नागरिकों से अपील की है कि नियमित जलापूर्ति बहाल होने तक पानी का सावधानी और सीमित मात्रा में उपयोग करें।

इंदिराम्मा हाउसिंग योजना का दूसरा चरण दो जून से : पोंगुलेटी

राजस्व और आवास मामलों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने घोषणा की है कि इंदिराम्मा हाउसिंग योजना का दूसरा चरण 2 जून को तेलंगाना राज्य के गठन दिवस के अवसर पर आदिलाबाद में आधिकारिक रूप से शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम से संबंधित सभी रूपरेखा और कार्यप्रणाली को 21 मई को होने वाली कैबिनेट बैठक में चर्चा कर अंतिम रूप दिया जाएगा। राजस्व और आवास मामलों को लेकर जनप्रतिनिधियों के साथ जिलेवार समीक्षा बैठकों के तहत मंगलवार को मंत्री ने हैदराबाद स्थित हाउसिंग कॉरपोरेशन मुख्यालय में संयुक्त समीक्षा बैठक की। इसमें प्रभारी मंत्री, जिला मंत्री, सांसद, एमएलसी, विधायक, जिला कलेक्टर, साइबराबाद एवं मलकाजगिरी नगर निगम के आयुक्त तथा राजस्व, आवास और वन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे, जो पूर्व रंगारेड्डी और हैदराबाद जिलों से संबंधित थे। इस अवसर पर पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में जन सरकार राज्य के गरीबों को आवास उपलब्ध कराने के संकल्प के साथ प्रतिष्ठित इंदिराम्मा हाउसिंग योजना को लागू कर रही है, ताकि हर गरीब का अपने घर का सपना पूरा हो सके। बैठक में विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार, रंगारेड्डी जिला प्रभारी मंत्री दुद्दिला श्रीधर बाबू, हैदराबाद प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर, मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन, विधान परिषद के मुख्य सचेतक पी. महेंद्र रेड्डी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि पिछली सरकार की दूरदर्शिता के अभाव के कारण डबल बेडरूम मकान शहर से काफी दूर बनाए गए थे, जिसके कारण उत्पन्न समस्याएं आज स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि ऐसी गलतियों की पुनरावृत्ति से बचने के लिए गरीबों के वर्तमान निवास स्थान से 5 से 8 किलोमीटर के दायरे में, निर्वाचन क्षेत्रों को इकाई मानकर भूमि की पहचान कर इंदिराम्मा मकानों के निर्माण के प्रस्ताव तैयार किए जाएं। उन्होंने कहा कि फील्ड स्तर के अध्ययन में यह सामने आया है कि जिन लाभार्थियों को हैदराबाद शहर से 20 से 30 किलोमीटर दूर बने 2बीएचके मकान आवंटित किए गए थे, वे अपनी आजीविका प्रभावित होने के कारण वहां रहने को तैयार नहीं हैं। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सरकारी भूमि, झुग्गी-झोपड़ियां, भूदान भूमि तथा पूर्व योजनाओं के तहत जर्जर हो चुके मकानों वाले क्षेत्रों की पहचान कर उसी विधानसभा क्षेत्र में इंदिराम्मा मकानों के निर्माण के प्रस्ताव तैयार किए जाएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि इस प्रक्रिया में जनप्रतिनिधियों को भागीदार बनाया जाए। पोंगुलेटी ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि 2बीएचके मकानों के आवंटन के लिए विशेष अभियान युद्धस्तर पर चलाया जाए। उन्होंने कहा कि इस माह के अंत तक पूर्ण हो चुके तथा निर्माणाधीन मकानों के लाभार्थियों की पहचान कर ली जाए और यह स्पष्ट किया जाए कि केवल उन्हीं लाभार्थियों का चयन किया जाए जो 5 से 8 किलोमीटर के दायरे में रहते हैं। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जो मकान पहले से पूर्ण हो चुके हैं, उनमें लाभार्थियों को शीघ्रता से बसाया जाए तथा इन कॉलोनियों में पेयजल, जल निकासी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं की आपूर्ति तेज की जाए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि हैदराबाद सीमा के भीतर जिन पात्र लाभार्थियों के पास भूखंड हैं, उन्हें इस माह के अंत तक इंदिराम्मा आवास स्वीकृति पत्र वितरित किए जाएं।

गोशामहल पुलिस की बड़ी कार्रवाई 24 घंटे में चोरी का माल बरामद

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल पुलिस स्टेशन ने एक एचबी (हाउस ब्रेकिंग) मामले का खुलासा करते हुए मात्र 24 घंटे के भीतर चोरी किया गया पूरा माल बरामद कर लिया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार यह मामला क्राइम नंबर 168/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(4), 305(ए) के अंतर्गत दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता डी. महेश ने 11 मई 2026 को सुबह 1:30 बजे शिकायत दर्ज कराई कि 10 मई को वे अपने परिवार के साथ एक कार्यक्रम में गए थे। घर लौटने पर लगभग 00:10 बजे उन्होंने पाया कि घर के दूसरे और तीसरे फ्लोर के दरवाजे खुले हुए थे, अलमारी टूटी हुई थी और सामान बिखरा पड़ा था। घर से 5 लाख नकद, सोने-चांदी के आभूषण और अन्य कीमती सामान गायब थे। पुलिस ने आरोपी की पहचान डोंतुला राजेश (उम्र 37 वर्ष), पुत्र डोंतुला अशोक, निवासी मुल्तानीपुरा, बेगम बाजार, हैदराबाद के रूप में की है। आरोपी किराना दुकान चलाता है और ऑटो चालक के रूप में कार्य करता है।

पुलिस ने आरोपी के पास से 5 लाख नकद (500 के नोटों में), टाइटन घड़ी तथा भारी मात्रा में सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए हैं। सोने के आभूषणों में लगभग 30 तोला वजन के विभिन्न जेवर शामिल हैं, जिनमें लंबी चेन, नेकलेस, कंगन, झुमके, नथ और लॉकेट आदि शामिल हैं। वहीं चांदी के आभूषणों में लगभग 1.62 किलोग्राम वजन के विभिन्न कड़े, पायल, दीपक, कटोरे और अन्य वस्तुएं शामिल हैं। इसके अलावा तांबे और पीतल के सामान भी बरामद किए गए हैं। जांच में सामने आया कि आरोपी शिकायतकर्ता का चचेरा भाई है और पड़ोस में ही रहता है। आर्थिक तंगी, ऑनलाइन लोन और कर्ज के कारण वह वित्तीय संकट में था। डीसीपी, गोलकुंडा जोन, हैदराबाद, जी. चंद्र मोहन ने बताया कि इसी कारण उसने चोरी की योजना बनाई। 10 मई को जब उसने देखा कि शिकायतकर्ता का परिवार लंगर हाउस गया हुआ है, तो उसने मौका पाकर घर में प्रवेश किया। आरोपी ने पहले पड़ोसी के घर दूध देने के बहाने प्रवेश किया और फिर बिना आवाज किए छत के रास्ते शिकायतकर्ता के घर में घुसा। उसने अलमारी तोड़कर नकदी और आभूषण चुरा लिए और उन्हें अपने घर में छिपा दिया। बाद में वह सामान्य रूप से ऑटो चलाने का काम करता रहा ताकि किसी को शक न हो। आरोपी की गिरफ्तारी गोशामहल डिवीजन एसीपी के. चंद्रशेखर रेड्डी के पर्यवेक्षण में, इंस्पेक्टर बी. श्रवण कुमार तथा डिटेक्टिव सब-इंस्पेक्टर अजीत सिंह बैरवा एवं पुलिस स्टाफ की सक्रिय भागीदारी से की गई। पुलिस ने कहा कि यह कार्रवाई तेजी से की गई जांच और समन्वित प्रयासों का परिणाम है।

तेलंगाना में वेटलैंड्स संरक्षण को लेकर बड़ा कदम

अधिसूचना प्रक्रिया तेज करने के निर्देश

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य की वन एवं पर्यावरण मंत्री श्रीमती कोण्डा सुरेखा ने राज्य में वेटलैंड्स (झीलों और जल स्रोतों) के संरक्षण तथा उनकी आधिकारिक अधिसूचना प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। इस संबंध में अंबेडकर सचिवालय में सोमवार को उनके अध्यक्षता में तेलंगाना राज्य वेटलैंड अथॉरिटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंत्री ने कहा कि वेटलैंड्स पर्यावरण संरक्षण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने वेटलैंड्स (कंजर्वेशन एंड मैनेजमेंट) रूल्स-2017 के नियमों को सख्ती से लागू करने और वेटलैंड्स की सीमाओं की पहचान और डिजिटल मैपिंग प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश संबंधित गतिविधियों को दिए। अधिकारियों ने बैठक में जानकारी दी कि एसएसी एटलस के तहत राज्यभर में चिन्हित 12,249 वेटलैंड्स में से ग्राउंड ट्रूथिंग प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अब तक लगभग 4,023 वेटलैंड्स की सीमाओं का निर्धारण किया जा चुका है। शेष क्षेत्रों में सिंचाई और राजस्व विभाग संयुक्त सर्वे कर ब्रिफ डॉक्यूमेंट्स शीघ्र तैयार करेंगे। मंत्री ने निर्देश दिया कि जिला स्तर की वेटलैंड अथॉरिटियों से सटीक रिपोर्ट सुनिश्चित करने के लिए विभागों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि खम्मम, जगित्याल और निजामाबाद जिलों सहित 28 प्रमुख वेटलैंड्स के लिए ड्राफ्ट नोटिफिकेशन प्रस्ताव तैयार कर लिए गए हैं, जिन्हें जल्द ही गजट नोटिफिकेशन और जनसुनवाई प्रक्रिया में भेजा जाएगा। बैठक में यह भी बताया गया कि मंजिरा वन्यजीव अभयारण्य को अंतराष्ट्रीय स्तर पर रामसर साइट के रूप में मान्यता दिलाने के प्रस्ताव पर चर्चा हुई है।

मंत्री ने नर्सों को स्वास्थ्य सेवा की रीढ़ बताया

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने मंगलवार को निलोफर अस्पताल में अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया और नर्सों की निःस्वार्थ सेवा तथा मरीजों के प्रति उनके करुणामय व्यवहार की सराहना की। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद अनिल कुमार यादव, मत्स्य निगम के चेयरमैन मेट्टू साई कुमार, जिला कलेक्टर प्रियंका आला, डीएमएचओ वेंकट, निलोफर अस्पताल अधीक्षक डॉ. विजय कुमार, आरडीओ रामकृष्ण सहित नर्सें एवं अस्पताल कर्मचारी उपस्थित रहे। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने इस अवसर पर नर्सों को उनके समाज के प्रति समर्पित सेवाभाव के लिए सम्मानित किया। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नर्सिंग केवल एक पेशा नहीं बल्कि सेवा और करुणा पर आधारित एक महान कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि मरीजों के इलाज में डॉक्टरों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, लेकिन नर्सों द्वारा दी जाने वाली देखभाल, भावनात्मक समर्थन और सतत सेवा मरीजों के स्वास्थ्य लाभ में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कठिन परिस्थितियों के बावजूद नर्सों के समर्पण की उन्होंने विशेष प्रशंसा की। निलोफर अस्पताल के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि यह संस्थान दशकों से बच्चों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहा है और वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 1,500 ओपीडी मरीजों तथा करीब 2,000 इनडोर बेड क्षमता के साथ सेवाएं दे रहा है। कोविड-19 महामारी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उस कठिन समय में नर्सों द्वारा निभाई गई निडर और निःस्वार्थ सेवा को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि नर्सों ने न केवल उपचार में सहयोग दिया बल्कि मरीजों में विश्वास और आशा भी जगाई। उन्होंने आगे बताया कि शाम को स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा द्वारा नर्सों को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं गरीब और वंचित वर्ग के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

श्री जगन्नाथ सेवा समिति द्वारा श्री पंच कुण्डीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ हेतु द्वितीय बैठक आयोजित

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। श्री जगन्नाथ सेवा समिति द्वारा श्री पंच कुण्डिय श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ हेतु द्वितीय बैठक आला लिबर्टी होटल, बंजारा हिल्स में आयोजित की गई। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा समिति के प्रचार व प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह महायज्ञ पुरुषोत्तम मास में गुरुवार 21 मई से 27 मई तक प्रातः 8-30 बजे से 12 बजे तक, मध्याह्न 3-30 बजे से सायं 6-30 बजे तक तत्पश्चात 7 बजे आरती एवं प्रसाद वितरित किया जाएगा कार्यक्रम बंजारा हिल्स, रोड नम्बर 12 पर स्थित गोल्डन टेम्पल में आयोजित किया जाएगा।

हैदराबाद नगर वासियों हेतु अत्यंत सौभाग्य की बात है कि पुरुषोत्तम मास में श्री जगन्नाथ सेवा समिति द्वारा पंच कुण्डीय लक्ष्मीनारायण महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है जिसमे 51 विद्वान पंडित भाग ले रहे हैं जिसमे 15 पंडित काशी विश्वनाथ की नगरी वाराणसी से पधार रहे हैं यह यज्ञ काशी निवासी प्रधान आचार्य श्री सुनील लक्ष्मीकांत दीक्षित के नेतृत्व में किया जा रहा है जिन्हें यज्ञाचार्य की उपाधि प्राप्त है तथा वे आठवीं बार समिति द्वारा आयोजित महायज्ञ का नेतृत्व कर रहे है।

अतः सभी नगरवासियों से आग्रह है कि अधिक से अधिक संख्या में पधार कर यज्ञ के दर्शन कर प्रसाद का लाभ प्राप्त करें।

कार्यक्रम के मुख्य यजमान राम प्रसाद जी बजरंग प्रसाद जी गुप्ता है। भंडारा प्रायोजक केदारमल जी गुरुदयाल जी बसईवाले (यू.एस.ए. पिक्चर) के सुरेश चंद बसईवाले हैं। विज्ञापन के प्रयोजक वज्रा बिल्डिंग एक्सलेंस के शंकर लाल अग्रवाल हैं। कार्यक्रम के संयोजक सुरेश कुमार अग्रवाल एवं शंकर लाल अग्रवाल हैं। श्री जगन्नाथ सेवा समिति के अध्यक्ष मुन्ना लाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुभाष कुमार अग्रवाल, महेश कुमार अग्रवाल, मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल, सह मंत्री गुलाब चंद अग्रवाल, सुशील कुमार केडिया, कोषाध्यक्ष सी.ए. रविंद्र कुमार अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य अरुण कुमार गुप्ता, विजय कुमार अग्रवाल, अजय दोचानिया, राजेश कुमार अग्रवाल (डाकोतिया), सी.ए. सुरेश कुमार अग्रवाल, ओम प्रकाश बंसल, परामर्श दाता महेश कुमार अग्रवाल, मुकुंद लाल सोंथालिया, गोविंद प्रसाद गुप्ता, प्रमोद कुमार सरायवाला, सुरेंद्र कुमार गोयल, सुरेश कुमार अग्रवाल (आयल वाले), प्रमोद कुमार आगरावाले, मोहन लाल तोन्दावाले, तारा चंद बंसल, मधुसुदन सोंथालिया, राधेश्याम गुप्ता, केदारनाथ अग्रवाल, विश्वंभर दयाल केडिया, डॉ. गोपाल मोर, पुरुषोत्तम भगेरिया, अशोक चंद अग्रवाल, चंद्रकांत अग्रवाल, भरत कुमार सोंथालिया, बद्रीविशाल बंसल, अभिषेक अग्रवाल, नारायण बाहेती हैं। भूमि पूजन संयोजक राजेंद्र कुमार अग्रवाल, कलश यात्रा संयोजक सुनील कुमार गुप्ता, कार्यस्थल संयोजक माणक गुप्ता, विज्ञापन एवं प्रचार प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल, प्रसाद संयोजक कैलाश कुमार अग्रवाल, संदीप गुप्ता हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

PUB/219

ई-निविदा सूचना सं. जीएनटी/सी.79/कैटरिंग/मिल्क बार स्टाल/ई-टेंडर/2/1/2026-27 दि.28-04-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे, गुंटूर डिवीजन, गुंटूर द्वारा 5 वर्ष की अवधि हेतु निम्न विवरितानुसार, कैटरिंग युनिट्स के संचालनार्थ लाईसेन्स प्रदान करने हेतु इच्छुक पार्टीयों से ई-बिड्स या ई-बोलियां आमंत्रित है।

क्रम सं.	निविदा सूचना सं	नाम व स्टेशन की श्रेणी	युनिट का नाम	पीएफ नं.	स्थान	निम्न हेतु आरक्षित	वार्षिक संकेतात्मक लाइसेन्स शुल्कः (₹)	वार्षिक अग्रधन (इएमडी) (₹)	निविदा का ढंग
1	कैटगिरी/2/1/ 2026-2027	नरसारावपेट-ड़ी	मिल्क बार स्टाल	01	प्लेटफार्म के मध्य	सामान्य	67,500/-	17600/-	दो पैकेट्स प्रणाली

निविदा दस्तावेज को http://www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है तथा इसे वेबसाइटः http://www.ireps.gov.in पर प्रस्तुत कर सकते हैं। निविदाकार/बोलीदाताओं के पास क्लास-॥। डिजीटल सिग्नीचर प्रमाणपत्र अवश्य होना चाहिए तथा उन्हें आईआरईपीएस पोर्टल पर अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। ई-टेंडरिंग में केवल निविदाकार/बोलीदाता ही भाग ले सकते हैं। ई-टेंडरिंग में भाग लेने के दौरान सभी उचित दस्तावेजों को अपलोड करना अनिवार्य है। मैन्युएल आफर्स पर विचार नही किया जायेगा। अग्रधन या इएमडी को आनलाइन में नेट बैन्किंग या पेमेन्ट गेटवे के माध्यम से प्रस्तुत करना चाहिए। निविदाकार द्वारा यथावत रुप में निविदा प्रपत्र भरकर, डिजीटल सिग्नीचर प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर कर, अपलोड करना चाहिए।

महत्वपूर्ण तिथियां

बंद करने की तिथि व समयः	21-05-2026 समयः 15.00 बजे (गुरुवार)

अधिक जानकारी हेतु बोलीदातागण, किसी भी कार्यालयीन दिन में अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर संपर्क कर सकते हैं। इस अधिसूचना को वेबसाइटःhttp://www.ireps.gov.in पर भी अपलोड किया गया है।

वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, गुंटूर

A260

चेन स्नैचिंग मामले में आरोपी को 5 वर्ष की कठोर कारावास और 25 हजार जुर्माना

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नामपल्ली स्थित माननीय XVI अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट न्यायालय ने शाहअलीबंडा पुलिस स्टेशन के एक चेन स्नैचिंग मामले में आरोपी को दोषी करार देते हुए 5 वर्ष की कठोर कारावास (आरआई) और 25 हजार के जुर्माने की सजा सुनाई है। शाहअलीबंडा पुलिस स्टेशन के एसएचओ इंस्पेक्टर पी. महेश गौड़ द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह मामला क्राइम नंबर 50/2018 से संबंधित है। मामले का विवरण देते हुए उन्होंने बताया कि 24 जुलाई 2018 को आरोपी मुत्थु हरि कृष्ण ने पटारकी दरगाह के पास एक महिला से सोने की चेन छीनकर फरार हो गया था। घटना के बाद शाहअलीबंडा पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और उसके कब्जे से चोरी की गई सोने की चेन तथा नकद राशि बरामद की। जांच का संचालन डिटेक्टिव इंस्पेक्टर बी. नरसिम्हा संजय रेड्डी द्वारा किया गया, जिन्होंने ठोस साक्ष्य एकत्र कर न्यायालय में प्रस्तुत किए। प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर माननीय 16वें अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जी. प्रभाकर ने आरोपी को दोषी ठहराया। एसएचओ पी. महेश गौड़ ने जांच टीम एवं पुलिस स्टाफ के प्रयासों की सराहना करते हुए समय पर जांच पूरी कर दोषसिद्धि सुनिश्चित करने के लिए बधाई दी। उन्होंने जनता से भी अपील की कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत पुलिस को सूचना दें।

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं. eT-North-WAT-23-2026, दिनांक : 05.05.2026

कार्य का नाम वाल्टियर मण्डल के कोरापुट-रायगड़ा लाइन पर सहायक मण्डल अभियन्ता/लक्ष्मीपुर के अधिकार क्षेत्र के अधीन कोरापुट (Ex) से सिंगापुर रोड (Ex) स्टेशनों के बीच सेक्शन में 30.06.2027 को समाप्त होने वाली अवधि हेतु सिविल कार्यों के लिए क्षेत्रीय अनुबंध।

कार्य की अनुमानित लागत (₹): 1,78,02,674.40, EMD (₹): 3,56,100.00, कार्य पुरा होने की अवधि : 12 (₹) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 02.06.2026 को 1500 बजे

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक / कूरियर / फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नही किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पन्द्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-142/R/26-27

तेलंगाना तल्ली फ्लाईओवर को मिलेगा नया स्वरूप

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सचिवालय के पास स्थित तेलंगाना तल्ली फ्लाईओवर का सौंदर्यीकरण कार्य शुरू कर दिया गया है। फ्लाईओवर के स्तंभों पर बने बुद्ध-थीम वाले प्रसिद्ध भित्ति चित्रों को हटाकर अब नई कलाकृतियां बनाई जाएंगी। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के अधिकारियों के अनुसार, फ्लाईओवर के सभी 47 स्तंभों पर बने पुराने चित्रों को नए डिजाइनों से बदला जाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि यह कार्य व्यापक सौंदर्यीकरण परियोजना का हिस्सा है। करीब 60 लाख रुपये की लागत वाली इस परियोजना में पर्यावरण अनुकूल प्राकृतिक रंगों का उपयोग किया जाएगा। नई कलाकृतियों में तेलंगाना की सांस्कृतिक विरासत, स्थानीय त्योहारों और जैव विविधता को दर्शाया जाएगा।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaartha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विनेश फोगाट के सपोर्ट में उतरीं साक्षी मलिक

बोलीं- मैच से पहले डब्ल्यूएफआई ने ऐसे नियम बनाए, जिससे वह कमबैक न कर पाए

पानीपत, 12 मई (एजेंसियां)। रेसलर विनेश फोगाट और भारतीय कुश्ती महासंघ में विवाद के बीच हरियाणा की ओलिंपियन पहलवान साक्षी मलिक विनेश फोगाट के सपोर्ट में उतर आई हैं। मंगलवार को साक्षी मलिक ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट पर डब्ल्यूएफआई पर सवाल खड़े किए। साक्षी ने कहा, ₹दूसरे देशों की स्पोर्ट्स फेडरेशन अपनी खिलाड़ियों के लिए नियम आसान बनाती हैं, ताकि वहां महिलाएं मां बनने के बाद भी देश के लिए खेल सकें और मेडल जीत सकें। वहीं, हमारी डब्ल्यूएफआई दो-तीन दिन पहले ऐसे नियम लागू कर देती है कि विनेश वापसी न कर सकें।₹

साक्षी ने आगे कहा कि मेरा प्रधानमंत्री, खेलमंत्री और रेस्लिंग फेडरेशन से अनुरोध है कि विनेश का ट्रायल लिया जाए, ताकि वह भी देश के लिए मेडल जीत सकें और देश का नाम रोशन कर सकें। ऐसा उदाहरण स्थापित किया जाए कि अपने देश में भी महिलाएं मां बनने के बाद खेल सकती हैं और मेडल जीत सकती हैं। 4 मई को इंटरनेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने रेसलर विनेश फोगाट को डोपिंग टेस्ट में शामिल न होने के कारण नोटिस भेजा था। आईटीए ने कहा कि वह 18 दिसंबर 2025 को बेंगलुरु में डोप टेस्ट के लिए शामिल नहीं हुईं। विनेश को 7 मई तक जवाब देने को कहा गया।

हालांकि, विनेश ने दावा किया था कि 19 जनवरी 2026 को आईटीए को सूचित कर दिया था कि वह 18 दिसंबर 2025 को विधानसभा के शीतकालीन सत्र में जाने के लिए बेंगलुरु से चंडीगढ़ की यात्रा कर रही थीं। विनेश ने कहा कि व्यस्तता के कारण वे अपनी लोकेशन अपडेट नहीं कर पाईं। 9 मई को डब्ल्यूएफआई ने विनेश फोगाट को एक कारण बताओ नोटिस जारी किया। डब्ल्यूएफआई ने 15 पन्नों के नोटिस में लिखा कि विनेश ने संन्यास से वापसी के लिए छह महीने पहले सूचना नहीं दी। इससे डब्ल्यूएफआई संविधान, यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग नियमों तथा एंटी-डोपिंग प्रावधानों का उल्लंघन हुआ। इसलिए वह 26 जून तक घरेलू कॉम्पिटिशन नहीं खेल पाएंगी।

विनेश फोगाट ने 11 मई को डब्ल्यूएफआई के कारण बताओ नोटिस पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएफआई ने मेरी लीव को गलत तरह से समझा। मैंने नियमों का उल्लंघन नहीं किया। डोप टेस्ट में शामिल न होने की जानकारी अधिकारियों को पहले ही दे दी थी। मैं 14 दिन में सबूतों के साथ डब्ल्यूएफआई को जवाब दूंगी। आईटीए ने मुझे 1 जनवरी से ही खेलने की परमिशन दे दी थी।

11 मई को विनेश उत्तर प्रदेश के गोंडा में चल रही ओपन कुश्ती टूर्नामेंट में पहुंची। यहां उन्होंने आरोप लगाया कि मुझे न तो अपना नाम चेक कराने दिया गया, और न ही यहां ट्रेनिंग करने दी जा रही। मैं कोई खास सुविधा नहीं चाहती, बस सबको जैसे मौका मिलता है वैसे ही मुझे भी खेलने दिया जाए।

विनेश फोगाट के आरोपों के बाद 11 मई को डब्ल्यूएफआई ने प्रेस रिलीज जारी कर कहा- विनेश फोगाट जब गोंडा पहुंचीं, तब से उन्हें पूरी सुरक्षा दी गई। उन्होंने अधिकारियों से मुलाकात की, जिन्होंने उन्हें बताया कि वे नियमों के हिसाब से प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले सकतीं। भारतीय कुश्ती महासंघ सभी खिलाड़ियों को एक जैसा मानता है और उनकी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखता है।

दिल्ली की प्लेऑफ उम्मीदें कायम

पंजाब को बचे 3 में से 2 मैच जीतने होंगे

खेल डेसक, 12 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में प्लेऑफ की रेस दिलचस्प हो गई है। दिल्ली कैपिटल्स ने पंजाब किंग्स को 3 विकेट से हराकर अपनी उम्मीदें जिंदा रखीं। टीम 10 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल में सातवें स्थान पर पहुंच गई है। दूसरी ओर पंजाब चौथे स्थान पर बरकरार है, लेकिन उसे टॉप-4 में जगह पक्की करने के लिए बचे 3 में से कम से कम 2 मैच जीतने होंगे।

आज गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद आमने-सामने होंगी। जीतने वाली टीम पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर पहुंच जाएगी। फिलहाल, बेंगलुरु, हैदराबाद, गुजरात और पंजाब टॉप-4 में हैं, जबकि मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी हैं।

सीजन की शुरुआत में लगातार 6 मैच जीतने वाली पंजाब को

लगातार चौथी हार झेलनी पड़ी। टीम पॉइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर है। उसे बचे हुए मुंबई, बेंगलुरु और लखनऊ के खिलाफ 3 मैचों में से 2 जीतने होंगे।

दूसरी ओर दिल्ली लगातार दो मैच हारने के बाद जीती। टीम को एक स्थान का फायदा हुआ। अब उसे बचे 2 मैचों में राजस्थान और कोलकाता को बड़े अंतर से हराने के साथ दूसरी टीमों के रिजल्ट पर भी निर्भर रहना होगा।

दिल्ली के केएल राहुल पंजाब के खिलाफ 9 रन बनाकर ऑरेंज कैप रेस में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। राहुल के 12 मैचों में 477 रन हो गए हैं। वे टॉप पर चल रहे सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासन से 17 रन पीछे हैं। क्लासन ने 11 मैचों में 494 रन बनाए हैं। सनराइजर्स के अभिषेक शर्मा 475 रन के साथ तीसरे नंबर पर खिसक गए हैं। गुजरात के शुभमन गिल 462 रन के साथ चौथे स्थान पर हैं। राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी 440 रन बनाकर टॉप-5 में शामिल हैं।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार 21 विकेट के साथ पर्पल कैप होल्डर बने हुए हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कम्बोज 19 विकेट लेकर दूसरे स्थान पर हैं। गुजरात टाइटंस के कगिसो रबाडा 18 विकेट के साथ तीसरे नंबर पर हैं। लखनऊ के प्रिंस यादव और हैदराबाद के एहसान मलिंगा ने 16-16 विकेट लिए हैं।

आईपीएल 2026 में पंजाब और दिल्ली का मैच ऐसा रहा, जिसमें स्पिनर्स ने एक भी गेंद नहीं फेकी

धर्मशाला, 12 मई (एजेंसियां)। आईपीएल का इतिहास 18 साल पुराना है. उसका 19वां सीजन खेला जा रहा है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस दौरान कितने मुकाबले रहे, जिसमें स्पिनर्स ने एक भी गेंद नहीं फेंकी. आईपीएल के इतिहास में इसकी सबसे लेटेस्ट मिसाल 11 मई को धर्मशाला में देखने को मिली, जहां पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला खेला गया. इस मुकाबले में एक ओवर तो दूर एक गेंद भी स्पिनर्स ने नहीं फेंकी.

पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स को मिलाकर मैच में कुल 10 गेंदबाज आजमाए गए. उन 10 गेंदबाजों ने मिलकर 39 ओवर फेंके. मगर उन 10 गेंदबाजों में ना तो एक भी स्पिनर रहा और ना ही एक भी ओवर स्पिन का देखने को मिला. पूरे 39 ओवर तेज गेंदबाजों ने ही डाले.

वैसे आईपीएल का ये कोई पहला मुकाबला नहीं जिसमें स्पिनर्स ने एक भी गेंद नहीं डाली. इससे पहले और आखिरी बार ऐसा आईपीएल के पहले सीजन में ही देखने को मिला था. 28 अप्रैल 2008 को वो मुकाबला सीएसके और आरसीबी के बीच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम पर खेला गया था, जिसमें एक भी ओवर स्पिन का नहीं देखने को मिला. आईपीएल 2028 में खेले उस मुकाबले में भी सीएसके और आरसीबी ने मिलकर कुल 10 गेंदबाज आजमाए. लेकिन, एक भी स्पिनर नहीं रहा. आईपीएल 2008 में खेला वो 15वां मैच था, जिसमें 10 गेंदबाजों ने मिलकर 39.4 ओवर फेंके थे.

आईपीएल के इतिहास में यही दो मुकाबले रहे, जिसमें एक भी ओवर या गेंद स्पिनर्स के नहीं देखने को मिले. ऐसा होने के पीछे की वजह तेज गेंदबाजों के माकूल कंडीशन हो सकती है. पंजाब और दिल्ली के मैच में DC के कप्तान अक्षर पटेल ने स्पिनर्स से गेंद ना कराने के अपने फैसले के पीछे यही वजह बताई है.

तमीम इकबाल बोले- बीसीसीआई से कोई विवाद नहीं

कहा- वर्ल्ड कप छोड़ना खिलाड़ियों के साथ अन्याय, मन्हास से पुरानी दोस्ती

ढाका, 12 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) के अंतरिम अध्यक्ष और पूर्व कप्तान तमीम इकबाल ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से हटने के फैसले को एक बड़ी प्रशासनिक चूक बताया है।

इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में तमीम ने कहा कि पिछली सरकार और बोर्ड ने जिस तरह से इस मुद्दे को संभाला, वह सही नहीं था।

37 साल के पूर्व ओपनर इकबाल ने कहा कि बीसीसीआई और भारत के साथ अब उनके कोई मतभेद नहीं हैं और वे द्विपक्षीय संबंधों को फिर से पटरी पर लाने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने BCCI के प्रेसिडेंट मिथुन मन्हास को अपना पुराना दोस्त बताया। उन्होंने कहा-

'मैंने मिथुन के साथ बहुत क्रिकेट खेला है। आईपीएल में हम एक ही टीम में थे और वे ढाका लीग खेलने कई बार बांग्लादेश आए हैं। हमारे बीच बहुत अच्छा तालमेल है।'

कहा- वर्ल्ड कप से नाम वापस लेना गलत

तमीम ने वर्ल्ड कप से नाम वापस लेने के फैसले पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, ₹हमने 1996-97 में वर्ल्ड कप क्वालीफाई करने के लिए कितना संघर्ष किया था, मुझे आज भी याद है। बिना किसी ठोस बातचीत के वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट से नाम वापस लेना गलत था। टीम में ऐसे कई खिलाड़ी होंगे जो शायद अब दोबारा कभी वर्ल्ड कप न खेल पाएं। सुरक्षा को लेकर कोई वास्तविक खतरा नहीं था, भारत में हमारे खिलाड़ियों का हमेशा स्वागत होता है।₹

बीसीसीआई से रिश्तेः जय शाह

और मिथुन मन्हास के बारे में केवल अच्छी बातें सुनी हैं, आईसीसी एक परिवार की तरह है। पैसा विकास में खर्च होगाः बीसीबी के पास बैंक में 1,300 करोड़ रुपए हैं। तमीम इसे इंफ्रास्ट्रक्चर और खिलाड़ियों की सुविधाओं पर खर्च करना चाहते हैं।

चुनाव की तैयारीः तमीम को चुनाव कराने के लिए 90 दिन मिले थे, लेकिन वे इसे 60 दिनों के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रख रहे हैं।

पिछली बोर्ड की विफलताः पिछली बोर्ड की कार्यप्रणाली के कारण ढाका की कई स्थानीय टीमों ने खेलने से मना कर दिया था और खिलाड़ियों को भुगतान नहीं हो रहा था।

व्यावसायिक नजरियाः बोर्ड चलाने के लिए केवल क्रिकेट का ज्ञान काफी नहीं, बल्कि मार्केटिंग, फाइनेंस और ब्रांडिंग के विशेषज्ञों की भी जरूरत है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कानून की मांग की

तमीम इकबाल ने खेल में भ्रष्टाचार और सट्टेबाजी को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने कहा- 'मैंने खेल मंत्री और गृह मंत्री से बात की है। मैं चाहता हूं कि खेल में भ्रष्टाचार करने वालों के लिए 10 साल की जेल का कानून बने। खिलाड़ियों और बच्चों को यह समझ आना चाहिए कि अगर वे सट्टेबाजी या फिक्सिंग में शामिल होते हैं, तो उन्हें जेल जाना पड़ेगा। केवल बैन लगना काफी नहीं है।'

जयपुर पूर्व राजपरिवार ने किया राजस्थान रॉयल्स का ग्रैंड वेलकम

स्वागत के लिए हाथी, शहनाई की धुन में हुई क्रिकेटर्स की एंट्री

जयपुर, 12 मई (एजेंसियां)। राजस्थान रॉयल्स की टीम जयपुर के पूर्व राजपरिवार की मेहमान थी। टीम के लिए सिटी पैलेस में मौजूद 'द सर्वतो' रेस्टोरेंट में रॉयल डिनर का आयोजन किया गया था।

क्रिकेटर्स का राजसी परंपराओं के साथ रॉयल फैमिली के मेंबर्स पद्मनाभ सिंह और गौरवी कुमारी ने वेलकम किया। टीम के सिटी पैलेस में एंट्री लेते ही फूल बरसाए गए। राजस्थानी म्यूजिक पर वेलकम डांस करते आर्टिस्ट और शहनाई की धुन के बीच खिलाड़ियों के स्वागत के लिए सजे-संवरे हाथी भी थे।

करीब 2 घंटे तक टीम रेस्टोरेंट में मौजूद रही। सिटी पैलेस से निकलने के दौरान टीम के युवा स्टार वैभव सूर्यवंशी अपनी एक नन्हीं फैन से भी मिले।

द सर्वतो रेस्टोरेंट से देखा आमेर

सिटी पैलेस में मौजूद इस आलीशान रेस्टोरेंट से जयपुर के कई बेहद खूबसूरत लैंडमार्क नजर आते हैं। इनमें एक है आमेर फोर्ट। राजस्थान रॉयल्स के कई खिलाड़ी रेस्टोरेंट से आमेर के व्यू को भी एंजॉय करते नजर आए। खिलाड़ियों ने सिटी पैलेस, आमेर, जयपुर के हेरिटेज से जुड़े दूसरे लैंडमार्क को लेकर भी स्टाफ से बातचीत की।

जयपुर में इस सीजन का अखिरी मैच 19 मई को

राजस्थान रॉयल्स इस सीजन में जयपुर में अब तक एक भी मैच नहीं जीती है। जयपुर में राजस्थान रॉयल्स अपना आखिरी मैच 19 मई को लखनऊ सुपर जाइंट्स से खेलेगी।

आरआर फ्रेंचाइजी हाल ही में अपने नए मालिक को लेकर भी चर्चा में रही है। स्टील किंग लक्ष्मी निवास मित्तल ने फ्रेंचाइजी को 15 हजार करोड़ से ज्यादा में खरीदा है।

विराट कोहली को बदनाम करने के लिए मुझे पैसे ऑफर किए गए, जर्मन मॉडल का बड़ा खुलासा

खेल डेस्क, 12 मई (एजेंसियां)। जर्मनी की मॉडल लिजलाज ने विराट कोहली को लेकर बड़ा खुलासा किया है. उसने कहा कि विराट कोहली के खिलाफ बोलकर उन्हें बदनाम करने के लिए उन्हें पैसे ऑफर किए गए थे. लिजलाज ने ये खुलासा एक इंटरव्यू में किया है. लिजलाज ने ऐसा तब हुआ था जब इस साल की शुरुआत में इंस्टाग्राम पर विराट कोहली ने उनकी तस्वीर लाइक की थी और वो चर्चा का विषय बन गया था. विराट कोहली इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले क्रिकेटर हैं. उनके 273 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर हैं. ऐसे में इंस्टाग्राम पर उनकी हरेक हरकत पर फैंस नजर रखते हैं.

विराट को बदनाम करने के लिए ऑफर हुए पैसे

लिजलाज ने फिल्मीमंत्रा को दिए इंटरव्यू में खुलासा करते हुए कहा कि फोटो लाइक करने वाली घटना के बाद उन्हें देश के कई मीडिया आउटलेट ने संपर्क किया और विराट के खिलाफ बोलने को कहा. मुझे उनकी नेगेटिव पब्लिसिटी करने के लिए पैसे ऑफर किए गए. हालांकि, जर्मन मॉडल ने वो ऑफर ठुकरा दिए. उन्होंने कहा कि विराट उनके फेवरेट क्रिकेटर हैं और वो कभी भी उनके खिलाफ नहीं बोल सकतीं. लिजलाज ने ये भी कहा कि जब विराट ने उनकी इंस्टाग्राम रील लाइक की थीं, तब वो काफी इमोशनल हो गई थीं, साथ ही हैरान भी थीं.

एशिया के मेसी और रोनाल्डो हैं विराट

लिजलाज ने बताया कि विराट कोहली एशिया के मेसी और रोनाल्डो हैं. उन्होंने ऐसा विराट की लोकप्रियता और उनके प्रभाव को देखते हुए कहा. उन्होंने कहा कि यहां विराट से जुड़ी एक छोटी सी घटना भी तुरंत बड़ी खबर बन जाती है. जिस तरह का क्रेज, पावर और फैन फॉलोइंग विराट की दुनिया भर में है, वो काबिलेतारीफ है.

अक्षर पटेल पर बीसीसीआई ने की कार्रवाई

पीबीकेएस बनाम डीसी मैच में की थी ये गलती

मुंबई, 12 मई (एजेंसियां)। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल पर बीसीसीआई ने एक्शन ले लिया है. उन पर कार्रवाई पंजाब और दिल्ली के बीच खेले मुकाबले के बाद की गई. इस कार्रवाई के बाद अक्षर पटेल भी अब आईपीएल 2026 के उन कप्तानों की जमात में खड़े हो गए हैं, जिन पर बीसीसीआई ने पहले एक्शन लिया है. पंजाब किंग्स के खिलाफ डीसी के कप्तान अक्षर पटेल स्लो ओवर रेट का शिकार बने हैं, जिसके लिए उन पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है.

जुर्माने के साथ अक्षर पटेल इन कप्तानों के क्लब में शामिल

आईपीएल 2026 में डीसी के कप्तान अक्षर पटेल का स्लो ओवर रेट से जुड़ा ये पहला मामला है. यही वजह है कि उन पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगा, जो कि इस गलती के लिए कप्तान को मिलने वाली सबसे कम सजा है. अक्षर पटेल से पहले आईपीएल 2026 में श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शुभमन गिल, ऋतुराज गायकवाड़ जैसे कप्तानों पर भी स्लो ओवर रेट को लेकर जुर्माना लग चुका है. श्रेयस अय्यर 2 बार इसके शिकार बने हैं.

दिल्ली की जीत में अक्षर पटेल ने कैसे भूमिका निभाई?

पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में टीम के स्लो ओवर रेट का खामियाजा अक्षर पटेल को भले ही भुगतना पड़ा लेकिन उनकी टीम मुकाबला जीतने में कामयाब रही. हालांकि, इस जीत में उनकी भी एक बड़ी भूमिका रही. अक्षर पटेल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में 56 रन की शानदार पारी खेली, जो कि आईपीएल 2026 में उनकी सबसे बड़ी पारी भी है. इससे पहले इस सीजन उनके बल्ले से एक अर्धशतक तो दूर कुल मिलाकर भी 50 रन नहीं निकले थे.

दिल्ली ने पंजाब को हराया

पंजाब किंग्स ने मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 210 रन बनाए थे. जवाब में 211 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स ने 19वें ओवर में ही जीत दर्ज कर लिया. उसने एक ओवर पहले 3 विकेट से मैच जीत लिया. इसी के साथ उसने अपने प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद भी बरकरार रखी है.

सीएसके फैंस के लिए खुशखबरी, 15 मई को होने वाले मैच में वापसी करेंगे एमएस धोनी!

चेन्नई, 12 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में फैंस धोनी को मैदान पर देखने का लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं. अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद धोनी सिर्फ IPL खेलते हैं. फैंस धोनी को इस सीजन देखने के लिए बहुत उत्साहित थे लेकिन टूर्नामेंट शुरू होने से ठीक पहले उन्हें पिंडली में चोट आई. इसी वजह से धोनी दो हफ्तों के लिए बाहर हो गए. हालांकि, धोनी को चोट के कारण बाहर हुए डेढ़ महीना हो चुका है लेकिन अब तक उनकी मैदान पर वापसी नहीं हुई है. अब धोनी के कमबैक को लेकर बहुत बड़ा अपडेट सामने आया है.

एमएस धोनी जल्द करेंगे वापसी?

महेंद्र सिंह धोनी चोटिल होने के कारण आईपीएल 2026 में एक भी मैच नहीं खेल पाए हैं. वह पिछले कुछ समय से रिहैब कर रहे हैं. दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हुए मैच के लिए धोनी सीएसके टीम के साथ नई दिल्ली नहीं आए थे. बताया जा रहा था कि वो चेन्नई में ही रहकर रिकवरी कर रहे हैं. सीएसके ने 10 मई को चेन्नई में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेला, जिसमें धोनी शामिल नहीं थे.

अब चेन्नई सुपर किंग्स की भिड़ंत 15 मई को एलएसजी से होने वाली है. इस मैच के लिए सीएसके की टीम और स्टाफ 13 मई को लखनऊ के लिए रवाना होगा. रेवस्पोर्ट्ज की रिपोर्ट के मुताबिक एमएस धोनी भी सीएसके के साथ लखनऊ जाएंगे. धोनी पहले पूरी तरह फिट नहीं थे, इसी वजह से वह टीम के साथ नई दिल्ली नहीं गए.

मीरपुर टेस्ट- बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 268 रन टारगेट दिया

दूसरी पारी 240/9 रन पर घोषित की; हसन-नोमान को 3-3 विकेट

मीरपुर, 12 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने मीरपुर टेस्ट में पाकिस्तान को 268 रन का टारगेट दिया है। कप्तान नजमुल हसन शांतो ने दूसरी पारी 240/9 रन के स्कोर पर घोषित की। मेजबान टीम को पहली पारी में 27 रन की बढ़त मिली थी। पाकिस्तान पहली पारी में 386 पर ऑलआउट हुआ था। जबकि बांग्लादेश ने 413 रन बनाए थे।

मीरपुर के शेर-ए-बांग्ला क्रिकेट स्टेडियम में मेजबान टीम ने मंगलवार को 152/3 के स्कोर से खेला शुरू किया। और पहले सेशन में ही पारी समाप्ति की घोषणा कर दी। लंच ब्रेक तक पाकिस्तान ने 6 रन तक एक विकेट गंवाया।

इससे पहले बांग्लादेश कप्तान नजमुल हसन शांतो 87 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने पहली पारी में शतक (101 रन) लगाया था। कप्तान के अलावा, मोमिनुल हक (56 रन) ने अर्धशतक लगाया। हसन अली और नोमान अली को 3-3 विकेट मिले।

दिन की शुरुआत मुशफिकुर रहीम के चौके से हुई। उन्हें किस्मत का साथ मिला। उन्होंने हसन अली की पहली बॉल

पर ड्राइव लगाने की कोशिश की। जोकि ऑफ स्टंप के बाहर फुल लेंथ पर गिरी थी।

गेंद ने बल्ले का बाहरी किनारा लिया और फर्स्ट स्लिप के बगल से थर्ड मैन बाउंड्री की ओर निकल गई। गनीतम रही कि फील्डर गेंद तक नहीं पहुंच सका।

रहीम की पारी ज्यादा देर तक नहीं चली। दिन के तीसरे ओवर में वे हसन अली की गेंद पर कप्तान सान मसूद को कैच थमा बैठे और 22 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

58वें ओवर में लिटन दास रिव्यू से एलबीडब्ल्यू होने से बच गए। नोमान अली ने लिटन दास के खिलाफ जोरदार एलबीडब्ल्यू अपील की। अंपायर ने उन्हें आउट दे दिया।

लिटन ने तुरंत रिव्यू लिया। थर्ड अंपायर ने अल्ट्रा-एज में बल्ले का किनारा देखा। यहां ऑन-फील्ड फैसला बदल दिया गया।

लिटन लेग साइड में शॉट खेलने की कोशिश कर रहे थे। गेंद पिच से टर्न होकर सीधी अंदर आई और पैड पर लगी। बाद में लिटन दास 11 रन बनाकर आउट हो गए।

मैच के तीसरे पाकिस्तान की टीम 386 रन के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। इस तरह बांग्लादेश को पहली पारी में 27 रनों की बढ़त मिली। पाकिस्तान की ओर से ओपनर आजान अवेस (103 रन) ने शतक लगाया। अब्दुल्लाह फजल (60 रन) ने अर्धशतक लगाया। सलमान आगा ने 58 और मोहम्मद रिजवान ने 59 रन बनाए। मेहदी हसन मिराज ने 5 विकेट झटके। तस्कीन अहमद और तैजुल इस्लाम को 2-2 विकेट मिले।

सीएम ने कलेक्टरों को दिए निर्देश, मिशन मोड में पूरी हो धान-मक्का खरीद

बेमौसम बारिश से नुकसान रोकने के लिए विशेष व्यवस्था

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने जिला कलेक्टरों को निर्देश दिया है कि राज्यभर में धान और मक्का की खरीद प्रक्रिया को मिशन मोड में तेजी से पूरा किया जाए। मंगलवार को मुख्यमंत्री ने जिला कलेक्टरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस कर धान और मक्का खरीद की स्थिति की समीक्षा की तथा प्रत्येक जिले में खरीद प्रक्रिया के दौरान आ रही समस्याओं की विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट चेतावनी दी कि खरीद प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कलेक्टरों को किसानों की समस्याओं का तत्काल समाधान करने और नियमित रूप से स्वयं फील्ड विजिट कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने बोरी (गन्नी बैग) और हमालियों की कमी की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को पर्याप्त संख्या में बोरियां उपलब्ध कराने के आदेश दिए। उन्होंने

कहा कि खरीदे गए खाद्यान्न को बिना किसी देरी के गोदामों तक पहुंचाया जाना चाहिए। रेवंत रेड्डी ने यह भी चेतावनी दी कि परिवहन के लिए अनुबंध के अनुसार पर्याप्त वाहन, विशेषकर लॉरियां उपलब्ध नहीं कराने वाले ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

आवश्यकता पड़ने पर ऐसे ठेकेदारों पर आपराधिक मामले दर्ज करने के निर्देश भी दिए गए। मुख्यमंत्री ने परिवहन विभाग के आयुक्त को निर्देश दिया कि धान परिवहन के लिए पर्याप्त वाहन हर समय उपलब्ध रहें। उन्होंने कहा कि जिला कलेक्टर स्थिति की गंभीरता को समझते हुए प्रभावी कदम उठाएं। उन्होंने कहा, हर अधिकारी को जवाबदेही और पारदर्शिता के साथ कार्य करना चाहिए। कठिन परिस्थितियों में जिम्मेदारी निभाने में लापरवाही करने वाले कलेक्टरों के खिलाफ सरकार कार्रवाई करने में संकोच नहीं करेगी। वीडियो कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री ने गोदामों की उपलब्धता की भी समीक्षा की और आवश्यकता वाले क्षेत्रों में अस्थायी भंडारण व्यवस्था करने की सलाह दी। उन्होंने रैतू बाजारों और फंक्शन हॉलों का उपयोग धान के भंडारण और आवागमन के लिए करने के निर्देश दिए। स्थायी गोदामों तक धान पहुंचाने की कार्ययोजना पर भी चर्चा हुई। अधिक मक्का उत्पादन वाले जिलों के कलेक्टरों को खरीद प्रक्रिया के दौरान विशेष सतर्कता बरतने और किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न होने देने के निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर खरीद प्रक्रिया को सुचारु बनाए रखने के लिए पुलिस सहायता भी ली जाए। जिला कलेक्टरों को धान और मक्का खरीद की नियमित रिपोर्ट राज्य के मुख्य सचिव को भेजने के निर्देश दिए गए। रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों से बेमौसम बारिश और उसके खरीद प्रक्रिया पर पड़े प्रभाव की जानकारी ली। उन्होंने किसानों को बेमौसम बारिश से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए स्थायी समाधान तैयार करने के निर्देश दिए। किसानों की कटी हुई फसल को बारिश से बचाने के लिए पर्याप्त तिरपाल उपलब्ध कराना कार्ययोजना में सर्वोच्च प्राथमिकता रखने को कहा गया। मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि मंडल स्तर पर एक नामित अधिकारी नियुक्त किया जाए, जो मौसम विभाग की चेतावनियों और पूर्वानुमानों की जानकारी किसानों तक लगातार पहुंचाए। किसानों को मौसम संबंधी सूचनाएं उपलब्ध कराने के लिए एक समर्पित व्यवस्था भी स्थापित की जाएगी। उन्होंने कहा कि खरीद प्रक्रिया की निगरानी मजबूत करने के लिए प्रत्येक आईकेपी केंद्र पर एक अधिकारी नियुक्त किया जाएगा, जो खरीद में आने वाली बाधाओं का समाधान करेगा। प्रत्येक राइस मिल में भी एक जिम्मेदार अधिकारी तैनात किया जाएगा, जो हमालियों की नियुक्ति सहित सभी व्यवस्थाओं की निगरानी करेगा ताकि खाद्यान्न की लोडिंग तेज़ी से हो सके। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि धान लोडिंग के तुरंत बाद किसानों को रसीद उपलब्ध कराई जाए, ताकि तालू और तरुगु के नाम पर होने वाली अनियमितताओं को रोका जा सके। लॉरियों की कमी दूर करने के लिए मुख्यमंत्री ने आसपास उपलब्ध ट्रैक्टरों और अन्य वाहनों को किराये पर लेने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि सभी समस्याओं का समाधान जिला कलेक्टरों की प्रत्यक्ष निगरानी में ही किया जाना चाहिए। वीडियो कॉन्फ्रेंस में उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, उत्तम कुमार रेड्डी, कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, सीतक्का, जूपल्ली कृष्णा राव, अदलुरी लक्ष्मण कुमार और वाकिटी श्रीहरि सहित मुख्य सचिव के. रामकृष्णा राव, वरिष्ठ अधिकारी और विभिन्न जिलों के कलेक्टर शामिल हुए।

धान खरीद में देरी से नाराज किसानों ने जलाया धान

नालगोंडा, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। धान खरीद में देरी और खरीदे गए धान को गोदामों तक नहीं पहुंचाए जाने से नाराज किसानों ने मंगलवार को नालगोंडा और यादद्री भुवनगिरि जिलों में विरोध प्रदर्शन किया।

किसानों ने कई स्थानों पर सड़क पर धान के ढेर में आग लगाकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। यादद्री भुवनगिरि जिले के मल्लपुरम गांव स्थित आईकेपी खरीद केंद्र पर किसानों ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। किसानों का आरोप है कि पिछले एक महीने से धान खरीद की प्रक्रिया में लगातार देरी की जा रही है, जिससे उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने धान की बोरियों में आग लगा दी और सरकार से तत्काल धान खरीद शुरू कराने की मांग की।

किसानों ने कहा कि पूर्व की बीआरएस सरकार के समय धान की खरीद नियमित रूप से होती थी और किसानों को किसी तरह की परेशानी नहीं होती थी। इसी तरह नालगोंडा जिले के नक्कलापल्ली गांव में भी किसानों ने सड़क पर धान जलाकर विरोध जताया। किसानों का कहना है कि अधिकारियों ने धान का वजन और प्रमाणीकरण तो कर लिया है, लेकिन ट्रकों की कमी का हवाला देकर माल को गोदामों तक नहीं पहुंचाया जा रहा है। किसानों ने सरकार से जल्द समाधान की मांग की है।

धान खरीद में देरी से नाराज किसानों ने किया चक्का जाम

निर्मल, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल जिले के मामाडा मंडल स्थित न्यू सांगवी गांव में मंगलवार को किसानों ने धान खरीद में तेजी लाने की मांग को लेकर सड़क पर प्रदर्शन किया। किसानों के रास्ता रोको आंदोलन के कारण निर्मल-मंचरियाल मार्ग पर लंबे समय तक यातायात ठप रहा। विभिन्न गांवों के किसान न्यू सांगवी गांव में एकत्र हुए और सड़क पर बैठकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन के चलते मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई वाहन चालकों ने समय पर गंतव्य तक नहीं पहुंच पाने पर नाराजगी जताई।

प्रदर्शन कर रहे किसानों ने कहा कि बोरियों और अनाज ढोने वाले वाहनों की कमी के कारण खरीद केंद्रों पर धान की खरीद में देरी हो रही है। इससे किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए कई दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है। किसानों ने सरकार से तत्काल व्यवस्था सुधारने की मांग की। उन्होंने कहा कि बेमौसम बारिश के कारण खरीद केंद्रों पर रखा धान खराब हो सकता है, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा।

महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने फांसी लगाकर दी जान

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मियापुर थाना क्षेत्र स्थित मदीनागुडा में सोमवार रात एक महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मृतका की पहचान माधुरी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, वह तलाक के बाद अपने पति से अलग रह रही थी और अपने बेटे के साथ मदीनागुडा स्थित घर में रहती थी। बताया जा रहा है कि वह पिछले कुछ समय से निजी समस्याओं को लेकर मानसिक तनाव में थी।

सोमवार रात जब घर में कोई नहीं था, तब उसने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना का पता उस समय चला जब उसके पिता ने कई बार फोन किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने पड़ोसियों को सूचना दी। पड़ोसी जब घर पहुंचे और अंदर जाकर देखा तो माधुरी मृत अवस्था में मिली। सूचना पर पहुंची मियापुर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है।

रसायनों से भरे टैंकर में लगी आग

संगारेड्डी, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिले के मदगी क्षेत्र में मंगलवार को राष्ट्रीय राजमार्ग-65 पर रसायनों से भरे एक टैंकर में अचानक आग लग गई। समय रहते दमकल कर्मियों के मौके पर पहुंचने और आग पर काबू पाने से एक बड़ा हादसा टल गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, गुडरिच केमिकल्स से संबंधित टैंकर में रसायन ले जाए जा रहे थे। इसी दौरान चलते वाहन में अचानक आग लग गई। आग लगते ही चालक और सफाईकर्मी ने सूझबूझ दिखाते हुए टैंकर को सड़क किनारे रोक दिया और सुरक्षित बाहर निकल आए। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पा लिया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पुलिस और दमकल विभाग मामले की जांच में जुटे हैं।

तेज रफ्तार बस खाई में गिरी, पांच लोगों की मौत

संगारेड्डी, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिले में मंगलवार को बीदर-ज़हीराबाद मार्ग पर कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम की एक बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में गिर गई। हादसे में दो मोटरसाइकिल सवारों और तीन बस यात्रियों सहित पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब दस अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, बस ने पहले एक दोपहिया वाहन को टक्कर मारी। इसके बाद चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और बस सड़क से नीचे उतरकर खाई में जा गिरी। हादसे में बस की आगे की सीट पर बैठे तीन यात्रियों तथा दो मोटरसाइकिल सवारों की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना में कई यात्री घायल हुए हैं, जिनमें चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद स्थानीय लोग और वहां से गुजर रहे अन्य वाहन चालक तुरंत मदद के लिए पहुंचे और घायलों को पास के अस्पतालों में भर्ती कराया। बताया जा रहा है कि यह बस हैदराबाद से बीदर जा रही थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है।

बीआरएस की संगठनात्मक मजबूती को लेकर केसीआर ने की अहम बैठक

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने मंगलवार को एर्रावल्ली स्थित अपने आवास पर पार्टी की महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में संगठनात्मक पुनर्गठन, सदस्यता अभियान और पार्टी को राज्यभर में मजबूत बनाने की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में पार्टी प्रभारियों और विभिन्न आंतरिक समितियों की नियुक्ति को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव, विधानसभा में पार्टी के उपनेता टी हरीश राव, पी सबिता इंदिरा रेड्डी, तलसानी श्रीनिवास यादव, परिषद में विपक्ष के नेता एस मधुसूदन चारी तथा परिषद के उपनेता एल रमना और पोचमपल्ली श्रीनिवास रेड्डी बैठक में शामिल हुए।

इसके अलावा एमएलसी तकल्लापल्ली रविंदर राव, बंदा प्रकाश मुदिराज, विधायक पल्ला राजेश्वर रेड्डी, पूर्व मंत्री टी जीवन रेड्डी और सत्यवती राठौड़, पूर्व सांसद रावुला चंद्रशेखर रेड्डी, जे संतोष कुमार, वरिष्ठ नेता आरएस प्रवीण कुमार और सोमा भरत कुमार सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने बैठक में भाग लिया। पूर्व सांसद के.आर. सुरेश रेड्डी, पूर्व मंत्री मोहम्मद महमूद अली और वरिष्ठ नेता मारेड्डी श्रीनिवास रेड्डी विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में उपस्थित रहे।

पीओसीएसओ मामले को लेकर केटीआर ने भाजपा और कांग्रेस पर साधा निशाना

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार के बेटे बंदी भागीरथ से जुड़े पीओसीएसओ मामले को लेकर भाजपा और कांग्रेस दोनों पर तीखा हमला बोला है। सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए केटी रामाराव ने कहा कि भाजपा का पुराना नारा बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ था, लेकिन अब इसे बेटा भगाओ, बेटा बचाओ में बदल दिया गया है। उन्होंने इस टिप्पणी के जरिए दोनों दलों पर कटाक्ष किया। केटीआर ने यह भी सवाल उठाया कि क्या देश के इतिहास में यह पहली बार है, जब किसी मौजूदा केंद्रीय गृह मंत्री का बेटा फरार बताया जा रहा है।

उन्होंने भाजपा पर मामले को लेकर चुप्पी साधने और कांग्रेस सरकार पर गिरफ्तारी में ढिलाई बरतने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस मामले में सरकार और संबंधित एजेंसियों को निष्पक्ष कार्रवाई करनी चाहिए। मामले को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है।

साइबराबाद में धारा 163 लागू, परीक्षा केंद्रों के आसपास प्रतिबंध

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सीपी साइबराबाद एम. रमेश ने साइबराबाद कमिश्नरेट क्षेत्र में स्थित सभी इंटरमीडिएट पब्लिक एडवांस्ड सप्लीमेंटरी परीक्षा केंद्रों के आसपास शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए धारा 163 (भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता) के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। ये आदेश 13 मई से 21 मई, 2026 तक प्रभावी रहेंगे। आदेश के अनुसार परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में पांच या अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगाया गया है। यह प्रतिबंध प्रतिदिन सुबह 6:30 बजे से शाम 6:00 बजे तक लागू रहेगा। इसके अलावा, परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में स्थित फोटोस्टेट (जेरॉक्स) और इंटरनेट सेंटरों को परीक्षा अवधि के दौरान बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मी, सेना के जवान, होमगार्ड, शिक्षा विभाग की फ्लाइंग स्क्वाड और अंतिम यात्रा (अंतिम संस्कार) इस आदेश से मुक्त रहेंगे। साइबराबाद पुलिस ने चेतावनी दी है कि आदेशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ संबंधित कानूनी धाराओं के तहत कार्रवाई की जाएगी।

तिरुमला में हनुमान जयंती धूमधाम से मनाई गई

तिरुमला, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हनुमान जयंती के पावन अवसर पर तिरुमला में मंगलवार शाम को भव्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम की ओर से प्रथम घाट रोड (डाउन घाट) के 7वें माइल पर स्थित विशाल श्री प्रसन्न अंजनेय स्वामी की प्रतिमा के पास विशेष अनुष्ठान संपन्न किए गए। पूजा-अर्चना के बाद भक्तों को प्रसाद वितरण भी किया गया। इस अवसर पर सी.एच. वेंकय्या चौधरी, लोकनाथम, सुरेंद्र सहित अन्य अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। इसी तरह तिरुमला के विभिन्न स्थानीय हनुमान मंदिरों में भी हनुमान जयंती का आयोजन श्रद्धा और भव्यता के साथ किया गया।

जपाली हनुमान को टीटीडी ने अर्पित किए वस्त्र

तिरुमला, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) की ओर से श्री जपाली हनुमान मंदिर में भगवान श्री अंजनेय स्वामी को वस्त्र अर्पित किए गए। टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी मुद्दडा रविचंद्र और अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी सी.एच. वेंकय्या चौधरी मंगलवार को तिरुमला स्थित जपाली मंदिर पहुंचे और परंपरानुसार वस्त्र अर्पण किया। मंदिर के पुजारियों ने अधिकारियों का स्वागत करते हुए उन्हें दर्शन करवाया। इसके बाद विशेष पूजाएं संपन्न की गईं और अधिकारियों को सिंदर वस्त्र तथा तीर्थ प्रसाद प्रदान किया गया। अतिरिक्त ईओ ने बताया कि हनुमान जयंती के अवसर पर जपाली हनुमान को वस्त्र अर्पित करना टीटीडी की पुरानी परंपरा है। इस धार्मिक आयोजन में टीटीडी के अन्य अधिकारी भी शामिल हुए। इससे पहले टीटीडी ईओ और अतिरिक्त ईओ ने तिरुमला मंदिर के सामने स्थित श्री बिड्डी अंजनेय स्वामी मंदिर में विशेष अभिषेक कार्यक्रम में भी भाग लिया।

सह-चयन सदस्यों के चुनाव स्थगित होने पर पार्षदों का प्रदर्शन

निर्मल, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भैंसा नगरपालिका में सह-चयन सदस्यों के चुनाव को अचानक स्थगित किए जाने के बाद पार्षदों ने विरोध प्रदर्शन किया। सोमवार रात नगरपालिका कार्यालय के सामने धरना देकर पार्षदों ने चुनाव तत्काल कराने की मांग की। जानकारी के अनुसार, मंगलवार को तीन सह-चयन सदस्यों के चुनाव होने थे, लेकिन नगर आयुक्त लिंगैया ने चुनाव स्थगित करने का आदेश जारी कर दिया। इसके बाद नगरपालिका में तनाव की स्थिति बन गई। नगरपालिका अध्यक्ष दत्ताद्री, उपाध्यक्ष सिद्दीकी और अन्य पार्षदों ने आयुक्त के फैसले के खिलाफ नाराजगी जताई और चुनाव प्रक्रिया जल्द पूरी कराने की मांग की।

प्रदर्शन कर रहे पार्षदों ने आरोप लगाया कि आयुक्त एआईएमआईएम पार्षदों के दबाव में काम कर रहे हैं। आंदोलनकारी पार्षदों ने कहा कि यदि मंगलवार को चुनाव नहीं कराया गया तो भैंसा शहर बंद का आह्वान किया जाएगा। उन्होंने चुनाव स्थगित करने के निर्णय को तर्कहीन बताते हुए सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है।

तेलंगाना में बढ़ी गर्मी, कई जिलों में तापमान 40 डिग्री के पार

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में गर्मी लगातार बढ़ती जा रही है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के कई जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी होने की संभावना है, जिससे लू का असर तेज हो सकता है। मंगलवार सुबह 8.30 बजे तक के आंकड़ों के अनुसार, निजामाबाद राज्य का सबसे गर्म जिला रहा, जहां अधिकतम तापमान 42.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके बाद आदिलाबाद में 41.8 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। भद्राचलम, खम्मम, महबूबनगर और नलगोंडा सहित कई जिलों में भी तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

राजधानी हैदराबाद में अधिकतम तापमान 38.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, हकीमपेट और दुंडीगल जैसे उपनगरीय इलाकों में क्रमशः 39.6 और 39.4 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, दिन के साथ-साथ रात का तापमान भी बढ़ रहा है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल रही है। निजामाबाद और आदिलाबाद में रात का तापमान क्रमशः 29 और 28.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में कहीं भी बारिश नहीं हुई, जिससे गर्मी का असर और बढ़ गया है।

हैप्पी व्हील्स पहल से विशेष बच्चों को मिली मोबिलिटी सहायता

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। डीईईपी ट्रस्ट ने ऑक्टेव इंडिया के सहयोग से हैप्पी व्हील्स पहल की शुरूआत की, जिसके तहत महेंद्र हिल्स स्थित श्री विद्याज सेंटर फॉर स्पेशल चिल्ड्रन को एक 18-सीटर टाटा विंगर वाहन दान किया गया। यह वाहन लगभग 150 बौद्धिक और विकासात्मक दिव्यांगता वाले बच्चों के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक परिवहन उपलब्ध कराएगा। श्री विद्याज सेंटर पिछले 27 वर्षों से विशेष बच्चों को समग्र शिक्षा प्रदान कर रहा है और उन्हें आत्मनिर्भर एवं सक्षम बनाने का कार्य कर रहा है। यह केंद्र बच्चों को निःशुल्क सेवाएं भी प्रदान करता है। इस पहल का उद्देश्य स्कूल उपस्थिति बढ़ाना, थेरेपी तक पहुंच आसान बनाना और बच्चों की सह-पाठ्य गतिविधियों में भागीदारी सुनिश्चित करना है। साथ ही इससे अभिभावकों और देखभाल करने वालों का बोझ भी कम होगा। वाहन का औपचारिक हस्तांतरण बल्लव मुंद्रा और डॉ. मधु वासेपल्ली द्वारा शांति वेंकट को किया गया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.